



केबीसी में नंबर
चार बल्लेबाज का
सवाल पूछ सकते हैं
अमिताभ : गावस्कर
>> 14

सरोकार

जागरण के आह्वान पर दो नदियों को मिला जीवनदान

अमरोहा : उत्तर प्रदेश के अमरोहा क्षेत्र की लगभग विलुप्त हो चली दो नदियों की जलधारा लौट आई है। सोत और बान नदियों को नवजीवन देने के लिए दैनिक

जागरण ने छह माह पहले अभियान छेड़ा था। जनता, नेता और प्रशासन सभी जुटे तो असंभव को संभव कर दिखाया। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

सोनिया-मनमोहन ने तिहाड़ में चिदंबरम को दिया हौसला

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने सोमवार को तिहाड़ जेल में पी.चिदंबरम से भेंट कर संदेश दिया कि कांग्रेस पूरी तरह से पूर्व वित्तमंत्री के साथ खड़ी है। सोनिया ने जहां चिदंबरम का मनोबल बढ़ाया। वहीं, सरकार से आमने-सामने की जंग के इरादे भी साफ कर दिए।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 7

गुजरात में 16 साल से वांछित आतंकवादी गिरफ्तार

अहमदाबाद : गुजरात दंगों के बाद प्रदेश के युवकों को धर्म के नाम पर बरगलाकर हिंसा भड़काने व हिंदू नेताओं की हत्या की साजिश रचने के मामले में 16 वर्षों से वांछित आतंकी अब्दुल वहाब शेख को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वह पाकिस्तानी आतंकी संगठनों व आइएसआइ के संपर्क में था।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

टैक्स सुधारों पर जोश बरकरार, संसेक्स 39 हजार के पार

मुंबई : कॉर्पोरेट टैक्स में की गई कटौती का उत्साह सोमवार को भी निवेशकों में बरकरार दिखा। सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 1,075.41 अंकों की उछाल के साथ 39,090.03 के स्तर पर बंद हुआ। इंड्र-डे में इसने 1,426 अंक तक की तेजी दर्ज की। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निप्पटी भी 326 अंक के साथ 11,600.20 के स्तर पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

पाक में हिंदू लड़की की हत्या की जांच कराने से जज का इन्कार

कराची : पाकिस्तान की स्थानीय अदालत के जज ने संदिग्ध हालात में मृत पाई गई हिंदू छात्रा नमुता चांदनो के मामले की न्यायिक जांच से इन्कार कर दिया है। इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शनों के बाद गुह विभाग ने न्यायिक जांच का आदेश दिया था। [सिंध के घोटकी जिले की निवासी नमुता लरकाना के डेंटल कोलेज की छात्रा थीं। उनका शव 16 सितंबर को हॉस्टल के कमरे में लटका मिला था।

स्पोर्ट्स ▶ पृष्ठ 14

कोहली को मैदान पर दुर्व्यवहार के लिए मिली चेतावनी

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली को मैदान पर दुर्व्यवहार के लिए चेतावनी जारी की है। साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डोमैस्टिक अंक भी जोड़ दिया है। कोहली को बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी-20 मुकाबले में रन लेने के दौरान ब्युरेन हेड्रिक्स से गलत ढंग से कंधा टकराने के लिए दोषी पाया गया है।

कूटनीतिक सफलता

अगले पांच दिन भारतीय कूटनीति के लिए बेहद अहम पीएम नरेंद्र मोदी न्यूयॉर्क पहुंचे, यहां ही ह्यूस्टन जैसा ही माहौल, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ द्विपक्षीय वार्ता पर दुनियाभर की नजर

थॉमस कुक धराशायी, दुनियाभर में छह लाख से ज्यादा सैलानी फंसे

लंदन, एज्रेसियां : दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे दिग्गज ब्रिटिश टूर व ट्रेवल कंपनी थॉमस कुक धराशायी हो गई है। इससे थॉमस कुक के माध्यम से अपने यात्रा और होटल की बुकिंग करने वाले दुनिया भर के छह लाख से अधिक पर्यटक अलग-अलग देशों के होटलों में लगभग कैद हो गए हैं। इनमें अकेले ब्रिटेन के करीब डेढ़ लाख पर्यटक हैं। यूरोप के कई हिस्सों में एयरपोर्ट पर लंबी कतारें लगीं, क्योंकि लाखों पर्यटकों को यात्रा बीच में ही छोड़नी पड़ी। स्पेन में थॉमस कुक द्वारा संचालित विमानन सेवा की 46 उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि पिछली सदी में दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहली बार इतने लोग दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में किसी एक संकेट की वजह से फंसे हैं। कंपनी का परिचालन बंद होने के चलते 16 देशों में उसके करीब 21,000 कर्मचारी सड़क पर आ गए हैं, जिनमें 9,000 ब्रिटेन के ही हैं।

ब्रिटेन में कंपनी के दफ्तर के बाहर लगाई गई

एक सूचना के माध्यम कंपनी के सीईओ पीटर फैकहाउजर ने कहा कि उन्हें कंपनी बंद होने का बेहद अफसोस है। उनका कहना था कि मैं जानता हूं इसका नतीजा कई लोगों को अंदर तक हिला देने वाला हो सकता है और बहुत से लोग चिंता और तनावग्रस्त होने के अलावा मानसिक रूप से टूट भी सकते हैं।

क्यों हुई यह हालत : वैसे तो कंपनी की वित्तीय हालत पिछले कुछ वर्षों से बहुत अच्छी नहीं रही है, लेकिन कंपनी का कहना है कि ब्रेकिजट की अनिश्चितताओं के चलते उसकी बुकिंग पिछले कई महीनों के दौरान काफी कम हो गई थी। इससे उसके ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा था। उसने दिवालिया होने से बचने के लिए पिछले सप्ताह शुक्रवार को संस्कार से 20 करोड़ पाउंड यानी करीब 1,800 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद मांगी थी। लेकिन संस्कार ने इससे इन्कार कर दिया।

भारत पर क्या असर होगा : दुनियाभर से लाखों पर्यटक हर वर्ष थॉमस कुक के माध्यम

▶ कई देशों में एयरपोर्ट पर लंबी कतारें, कई जगह पर्यटक होटलों में कैद



ट्रेवल कंपनी थॉमस कुक के दिवालिया होने पर स्पेन में फ्लाइट के इंतजार में यात्री। रायटर

से बुकिंग कराकर भारत घूमने आते हैं। यहां के बहुत से होटलों के साथ थॉमस कुक का करार है। ऐसे में देश भर में पर्यटन पर इसका बुरा असर पड़ सकता है। होटल उद्योग पर भी इसका असर देखने में आया।

▶ भारतीयों के दिक्कत में होने की खबर नहीं, सैलानियों की आमद प्रभावित होगी

काइर्स पहले की तरह काम करते रहेंगे।

पर्यटकों के लिए बुरी हालत : पिछले शुक्रवार से ही ऐसी खबरें आने लगी थीं कि थॉमस कुक के माध्यम से बुकिंग करने वाले कई यात्रियों को विभिन्न देशों में होटलों ने चेक-आउट देने से इन्कार कर दिया है। धीरे-धीरे दुनिया भर के पर्यटकों ने ऐसी शिकायतें शुरू कीं। इन होटलों को डर है कि थॉमस कुक उनका भुगतान करने में सक्षम नहीं है। एक अनुमान के मुताबिक, फंसे छह लाख पर्यटकों के अलावा करीब 10 लाख पर्यटक अपनी बुकिंग रद्द करणेंगे।

ब्रिटेन ने शुरू किया अभियान : दुनियाभर से अपने नागरिकों को विभिन्न होटलों से निकालने के लिए ब्रिटेन ने मैट्रहॉन ऑपरेशन नामक प्रत्यर्पण कार्यक्रम शुरू किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि वे अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार हैं। इसमें उसे दो हफ्ते लगने का अनुमान है।



मैनचेस्टर एयरपोर्ट पर खड़ा विमान। रायटर

बात पते की

▶ ग्रीस ने कहा है कि उसके यहां करीब 50,000 पर्यटक विभिन्न होटलों में फंसे हैं, जिनमें अधिकांश ब्रिटिश हैं

▶ थॉमस कुक की जर्मन एयरलाइन शाखा कॉन्डोर ने कहा है कि उसके परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा

▶ ट्यूनीशिया के मंत्री ने कहा है कि उसके होटलों का थॉमस कुक का करीब छह करोड़ पाउंड बकाया है।

पाक को देंगे बालाकोट से भी बड़ा जवाब : रावत

सेना प्रमुख बोले ▶ पड़ोसी ने वहां फिर सक्रिय किया आतंकी अड्डा

कम से कम 500 आतंकी

घुसपैट की फिराक में

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने हाल में बालाकोट स्थित आतंकी अड्डे को फिर सक्रिय कर दिया है और करीब 500 आतंकी भारत में घुसपैट की फिराक में हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि फिर शुरू हुए आतंकी अड्डे का भारत फरवरी में की गई एयर स्ट्राइक से भी बड़ा जवाब देगा।

जनरल बिपिन रावत ने सोमवार को अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) के एक कार्यक्रम में दोहराया कि बालाकोट का आतंकी अड्डा सीमा पर हमले में नपट हो गया था। जिसके बाद आतंकी वहां से चले गए थे, लेकिन अब फिर से सक्रिय हो गए हैं। ज्ञात हो, 26 फरवरी को वायुसेना ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक कर जैश-ए-मुहम्मद के ठिकानों को तबाह कर दिया था। रावत से जब पूछा गया कि क्या फिर सक्रिय हुए आतंकी अड्डे पर दोबारा स्ट्राइक की संभावना है? इस पर उन्होंने कहा, ‘आप एक ही जैसी चीज के दोहराव की अपेक्षा



जनरल बिपिन रावत ने सोमवार को वेनई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में पंग लीडर्स ट्रेनिंग विंग के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया।। प्रेटर क्यों करते हैं... पहले हमने कुछ किया था, फिर बालाकोट किया, हम इसे क्यों दोहराएँ... क्यों न हम दूसरे पक्ष को अंदरजा लगाने दें कि हम क्या करेंगे, हम क्यों बताएं कि हम क्या करने वाले हैं, क्यों न उन्हें अंदरजा लगाने दें, दोहराने की बात क्यों करें, कुछ उससे बड़ा क्यों नहीं?’

मौसम के अनुसार बदलती है घुसपैठियों की संख्या : सेना प्रमुख ने कहा, मौसम के मुताबिक घुसपैठियों की संख्या और जगहें बदलती रहती हैं, लेकिन फिलहाल 500 आतंकी घुसपैठ (लिफा घाटी में) की फिराक में हैं। नियंत्रण रेखा पर ज्यादा जवानों की तैनाती

करके घुसपैठ पर लगाम लगाने के उपाय किए गए हैं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अन्य क्षेत्रों में ऐसी संभावनाओं को तलाशा जा रहा है।

संघर्ष विराम उल्लंघन से निपटना जानते हैं : रावत ने कहा, ‘घुसपैठ कराने के लिए पाक संघर्ष विराम का उल्लंघन करता है। हमें पता है कि इससे कैसे निपटना है। किन पोजिशंस पर रहना है और कैसे कार्रवाई करनी है। हम सतर्क हैं। हमें सुनिश्चित करना है कि घुसपैठ न हो। सूत्रों ने बताया कि नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोकने के लिए सेना को पूरी आजादी दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, सेना प्रमुख ने घुसपैठ की फिराक में बैठे जिन आतंिकियों का जिक्र किया है, वह भारत के कई शहरों में अहम संस्थाओं को निशाना बनाने की है।

आतंिकियों का आकाओं से संपर्क टूटा : रावत ने आगे कहा, ‘कश्मीर घाटी में आतंिकियों और पाक स्थित उनके आकाओं के बीच संपर्क टूट गया है, लेकिन लोगों के आपस में वार्ता पर कोई पाबंदी नहीं है। सभी टेलीफोन लाइनें शुरू कर दी गई हैं।’ राज्य में कोई कठोर प्रतिबंध नहीं है। लोग रोजमर्रा का काम कर रहे हैं। कुछ दुकानें बंद हैं, लेकिन पीछे से उन दुकानों से खरीदारी हो रही है।

हिंदुओं की आस्था को चुनौती दी तो मुश्किल होगी : कोर्ट

माला दीक्षित, नई दिल्ली

अयोध्या राम जन्मभूमि पर हिंदुओं के दावे को सिर्फ आस्था और विश्वास पर आधारित बता रहे मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन से सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वह हिंदुओं की आस्था और विश्वास को चुनौती देंगे तो उनके लिए मुश्किल होगी। चूंकि मामले में मुस्लिम गवाहों ने कहा है कि हिंदुओं का विश्वास है कि राम का वहां जन्म हुआ था और जैसे मुसलमानों के लिए मक्का है वैसे ही हिंदुओं के लिए अयोध्या है। धवन को दलीलों के प्रति सचेत करने वाली यह टिप्पणी न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने की। हालांकि धवन ने विवादित भूमि पर मुस्लिमों का दावा जताते हुए कहा, अंदर मूर्ति नहीं थी, पूजा नहीं होती थी। मूर्ति बाहर चबूतरे पर थी जहां पूजा होती थी। सिर्फ आस्था के आधार पर जन्मस्थान को न्यायिक व्यक्ति नहीं माना जा सकता।



मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन ने जन्मस्थान को देवता और न्यायिक व्यक्ति माने जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जन्मस्थान को न्यायिक व्यक्ति कहने की अवधारणा का जन्म 1989 में हुआ जब रामलला की ओर से मालिकाना हक का मुकदमा दाखिल हुआ। उस मुकदमे में रामलला विराजमान के अलावा जन्मस्थान को अलग

धवन की दलील, मस्जिद हमेशा मस्जिद रहती है धवन ने कहा कि एक बार बनी मस्जिद हमेशा मस्जिद रहती है। वहां मस्जिद थी जिसमें मुसलमान नियमित माजज करते थे। वह मस्जिद कभी भी परिवर्तित और खाली नहीं छोड़ी गई। आखिरी बार वहां 16 दिसंबर 1949 को नमाज हुई। 22-23 दिसंबर 1949 को वहां अंदर मूर्ति रखी गई।

से पक्षकार बनाया गया। हालांकि जस्टिस एस्प क बोबडे ने सोमवार को फिर कहा कि इससे पहले ऐसा कहने का मौका कब आया था। जस्टिस चंद्रचूड़ ने धवन से सवाल किया कि अगर रामलला को जन्मस्थान दोनों को न्यायिक व्यक्ति माना जाता है तो इसके क्या परिणाम होंगे और अगर सिर्फ रामलला (मूर्ति) को ही न्यायिक व्यक्ति माना जाता है तो उसका क्या

परिणाम होगा। धवन ने कहा कि इस मुकदमे में सोच समझकर जन्मस्थान को न्यायिक व्यक्ति मानते हुए अलग से पक्षकार बनाया गया है ताकि इस पर प्रतिकूल कब्जे और समयसीमा के नियम लागू न हों। मुकदमा सभी दलों से मुक्त हो जाए। धवन ने कहा, लेकिन उनके मुताबिक दोनों या उनमें से एक को न्यायिक व्यक्ति मानने का परिणाम समान होगा। धवन ने जन्मभूमि की परिक्रमा के बारे में गवाहों के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि गवाहियों में अंतर है। इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पर जस्टिस अशोक भूषण ने कहा कि परिक्रमा की गवाहियां उस जगह की पवित्रता के बारे में बताती हैं। धवन ने कहा कि हिंदुओं की यह दलील मानने योग्य नहीं है कि देवता हमेशा नानालिंग होते हैं, इसलिए समय सीमा का नियम उन पर लागू नहीं होगा।

बिना मूर्ति का भी होता है मंदिर पेज>>5

में दक्षिणी व केंद्रीय एशिया विभाग के उपसचिव एलिस जी. वेल्स ने ट्वीट किया, ‘हाउडी मोदी एक तरह से बड़ी भीड़, बड़े विचारों और दूरदर्शी नेतृत्व को प्रदर्शित करने वाला कार्यक्रम रहा। भारतीय समुदाय की ताकत बेजोड़ है। मैं न्यूयार्क में रहकर भी ह्यूस्टन में हो रहे कार्यक्रम में उनकी आवाज सुन सकती हूं।’ अमेरिकी राजनीति में अपनी पहचान बना चुकी भारतीय मूल की नेत्री और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व प्रतिनिधि निक्की हेली ने भी ‘हाउडी मोदी’ को दोनों देशों के बीच बड़ रही परिपक्व साझेदारी के तौर पर चिन्हित किया।

बहरहाल, मोदी न्यूयार्क में अपने पहले दिन की शुरुआत पांच द्विपक्षीय बैठकों के साथ कर चुके हैं। इसमें कटर ने शेख तामिम बिन हमद अल थानी, नाइजर के राष्ट्रपति महामादोउ इशोशूफ, इटली के प्रधानमंत्री गुएर्रेस्को कांटे, नामीबिया के राष्ट्रपति हेग गीनगोब और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोहिल के साथ बैठक शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले, अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को दोगुना करेगा भारत पेज>>5

कश्मीर के बंद पड़े 50 हजार मंदिरों में फिर से होगी आरती



जी. किशन रेड्डी फ़ाइन

आतंकवाद के चलते बंद हो गए थे ये मंदिर, सरकार कराएगी सर्वे, बंद सिनेमाघर भी फिर खोलेगी सरकार

एसीबी करगी जांच : उन्होंने कहा, ‘जम्मू-कश्मीर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) नहीं था। हमने एसीबी की स्थापना की है। सरकार ने करोड़ों रुपये दिए हैं, लेकिन खर्च नहीं किए गए। एसीबी इसकी जांच शुरू करेगी।’ गुलाम कश्मीर भी एजेंडे में : उन्होंने कहा, ‘गृह मंत्री और खास मंत्री पाकिस्तान और आतंकियों को पहले ही चेतावनी दे चुके हैं। लेकिन हम इसे लेकर बेहद सतर्क हैं... गुलाम कश्मीर समेत पूरा देश हमारे एजेंडे में है। जैसा कि हमारे नेता कह चुके हैं और मैं भी कह रहा हूं कि जरूरत हुई तो गुलाम कश्मीर के लिए हम अपना जीवन भी कुर्बान कर देंगे।’ गृह राज्यमंत्री ने कहा, ‘हम जम्मू-कश्मीर में बच्चों के हाथों में कंप्यूटर और भारतीय ध्वज देंगे। जो लोग राष्ट्र ध्वज जलाते थे जम्मू-कश्मीर में उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं है। आगामी दिनों में अगर कोई भी राष्ट्र ध्वज जलाएगा तो एक्स्प्रेसी साथ भी नियमों के मुताबिक अन्य राज्यों की तरह व्यवहार किया जाएगा।’

अब रघुनाथ मंदिर में जय श्रीराम के जयघोष की प्रतीक्षा पेज>>11

मप्र-छग में चिटफंड कंपनियों ने 80 लाख लोगों से हड़पे ढाई हजार करोड़ रुपये

राजीव सोनी, भोपाल

बंगाल और ओडिशा की तरह मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में भी चिटफंड कंपनियों ने करीब 80 लाख लोगों से तकरीबन ढाई हजार करोड़ रुपये हड़प लिए। पीपीसीएल (पर्ल एप्रोटेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड) समेत करीब तीन दर्जन कंपनियों ने एकम दोगुनी करने का लालच देकर यह राशि दबा ली। धोखाधड़ी के शिकार लोगों में ज्यादातर निम्न मध्यमवर्गीय एवं कर्मचारी हैं। कमलनाथ सरकार ने पुलिस की को-ऑपरेटिव फ्राड शाखा को मामले की जांच सौंपी है। ज्ञात हो, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने चिटफंड कंपनियों द्वारा वीत-20-25 वर्षों में सुबे की जनता के साथ ढूँं धोखाधड़ी की जांच करने के बारे में मुख्यमंत्री कमलनाथ को पत्र लिखा था। साथ ही कंपनियों की संपत्ति बेचकर निवेशकों के पैसे चुकाने का सुझाव दिया है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी कंपनी पीपीसीएल थी, जिसने बड़े शहरों पर दफ्तर खोलकर पहले लोगों का विश्वास जीता, फिर अरबों रुपये ले लिए। करीब तीन दर्जन छोटी-बड़ी कंपनियां तीन से पांच साल में पैसा दोगुना करने का लालच देकर शिकायतें कर रही हैं। इन चिटफंड कंपनियों के खिलाफ जिला से लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी केस चले पर लोगों को पैसा वापस नहीं मिल पाया।

निवेशकों ने खोला मोर्चा : ऑल इवेस्टर्स सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन (एआईएसओ) ने दिल्ली एवं सर्व हित महाकल्याण वेल्फेयर फाउंडेशन जैसी संस्थाओं ने धोखाधड़ी के शिकार लाखों निवेशकों की ओर से इन कंपनियों के खिलाफ मोर्चा खोला है। इनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट ने पीपीसीएल मामले में 2016 में फैसला दिया था कि छह माह में प्रॉपर्टी बेचकर पैसा लौटाएं। जस्टिस आरएम लोढ़ा

47 करोड़ रुपये अकेले पर्ल एप्रोटेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने हड़पे 35 लाख लोगों के 1200 करोड़ से ज्यादा की रकम तीन दर्जन अन्य कंपनियों ने लूटी

की अध्यक्षता में समिति भी गठित की गई थी, लेकिन निवेशक अब भी अपने पैसें के लिए परेशान हैं।

राशि दोगुना करने का लालच : एआईएसओ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एलएम पांडे बताते हैं कि पीपीसीएल मप्र-छग के 47 लाख निवेशकों का 1300 करोड़ रुपये हड़पकर बैठी है। बाकी तीन दर्जन अन्य कंपनियों ने दोनों राज्यों के 35 लाख लोगों के 1200 से 1300 करोड़ रुपये प्रलोभन देकर हड़प लिए हैं। भोपाल संभाग के जिलों से ही करीब ढाई लाख निवेशकों का पैसा ये चिटफंड कंपनियां लेकर बैठ गईं, जबकि कुछ फरार हैं। उन्होंने बताया कि पूरे देश से पांच करोड़ 86 लाख निवेशकों को ठगा गया। चिटफंड कंपनियों ने अपने एजेंट तैनात कर छोटे-छोटे निवेशकों से सप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक, छमाही अथवा एक साल की किस्तों में पैसे वसूल किए और लौटाने के नाम पर मुकद गढ़ा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों के हक में कंपनी बंद कर पैसा दिलाने का निर्णय भी दिया, लेकिन अमल नहीं हो पाया। ‘सेबी’ ने पीपीसीएल द्वारा खरीदी गई जमीनों की रजिस्ट्री भी जब्त की है।

हरकत में आया पुलिस मुख्यालय : मप्र में को-ऑपरेटिव फ्राड शाखा के मुखिया अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजेंद्र मिश्रा ने मामले में जांच शुरू करने की पुष्टि की है। छग की तत्स पर ऑनलाइन शिकायत निवारण पोर्टल बनाने को भी कहा है।

पूरी दिल्ली में लगेंगी 2.1 लाख स्ट्रीट लाइटें

बोले केजरीवाल

► एक नवंबर से लागू होगी योजना, तीन महीने में राजधानी से खत्म किए जाएंगे ब्लैक स्पॉट

इनके रखरखाव पर 10

करोड़ रुपये प्रति वर्ष की

आएगी लागत

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'मुख्यमंत्री स्ट्रीट लाइट' योजना की घोषणा की। इस योजना को एक नवंबर से लागू किया जाएगा। इसके तहत दिल्ली में दो लाख दस हजार स्ट्रीट लाइटें लगेंगी। इसकी जिम्मेदारी तीनों डिस्कॉम (बिजली कंपनियां) की होगी। इसमें 20 या 40 वाट की एलईडी लाइट लगेंगी। तीन से पांच साल तक स्ट्रीट लाइट के रखरखाव की जिम्मेदारी स्ट्रीट लाइट लगाने वाली कंपनी की होगी। इस योजना पर सौ करोड़ का खर्च आएगा। इसके अलावा दस करोड़ रुपये प्रति वर्ष रखरखाव पर खर्च होंगे। इस योजना के तहत दिल्ली के ब्लैक स्पॉट को तीन माह में खत्म कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध है। सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसे विभिन्न उपायों को लागू भी कर रही है। सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ दिल्ली में सड़कों से अंधेरा दूर करने की भी जरूरत है।



राजधानी में लगाई जाने वाली 2 लाख 10 हजार स्ट्रीट लाइटों के बारे में दिल्ली सचिवालय में जानकारी देते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, साथ में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जेन।

उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह योजना दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने और महिलाओं के खिलाफ अपराध को कम करने के लिए एक प्रभावी कदम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत लाइट लगवाने की अनुमति देने का अधिकार विधायक को होगा। उनके नेतृत्व में ही डार्क स्पॉट भी चिन्हित किए जाएंगे। फिर भवन बिजली कंपनी की ओर से पास होने के बाद स्ट्रीट लाइट को लगा दिया जाएगा। आम जनता भी विधायक से संपर्क कर स्ट्रीट लाइट लगावा सकती है। स्ट्रीट लाइटों के लिए स्थान का चयन

नवंबर से पहले कर लिया जाएगा।

ऑटोमेटिक तरीके से काम करेंगी लाइटें : इस योजना के तहत लगने वाली लाइटें ऑटोमेटिक होंगी। इसमें सेंसर लगा होगा। यह स्वतः अंधेरा होने पर जल जाएंगी और सुबह सूरज निकलने पर बंद हो जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कार्यरत तीनों डिस्कॉम में से प्रत्येक डिस्कॉम 70,000 स्ट्रीट लाइटें लगाएगी। टेंडर में हम कम से कम 3 से 5 साल की वारंटी वाली लाइटें ही लगवाएंगे।

भवन मालिक के घर से मिलेंगी बिजली : स्ट्रीट लाइट को भवन मालिक के घर से ही बिजली मिलेगी। एक-दो दिनों में यह तय कर लिया जाएगा कि एक लाइट पर

कितनी बिजली खर्च होगी। फिर उतनी यूनिट बिजली को भवन मालिक के बिल से कम कर दिया जाएगा। यह भी ऑटोमेटिक व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री ने कहा जिस तरह से लोगों ने अपने घर पर सीसीटीवी लगाने की अनुमति दी थी और जिस उत्साह से लोग सीसीटीवी स्क्रीम में जुड़े हैं, हमें उम्मीद है उतनी ही रुचि जनता की मुख्यमंत्री स्ट्रीटलाइट योजना में भी होगी।

खंभे लगाने की अनुमति मिलने में होती थी परेशानी : केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार पूरी दिल्ली में स्ट्रीट लाइटें लगाना चाह रही थी, लेकिन अनधिकृत कॉलोनिजों और झुग्गियों में जगह की कमी है।

बसों में महिलाओं के मुफ्त सफर पर डीटीसी बोर्ड ने लगाई मुहर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर की सुविधा देने पर सोमवार को बोर्ड की बैठक में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने स्वीकृति दे दी। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से इस योजना को मंजूरी मिल गई। इसके तहत 29 अक्टूबर यानी भैया दूज से महिलाएं डीटीसी की बसों में मुफ्त में सफर कर सकेंगी। इससे पहले दिल्ली कैबिनेट सहित अन्य सभी विभागों ने इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी है।

300 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए भी मंजूरी : बैठक में डीटीसी बोर्ड ने 300 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए भी मंजूरी दी। इसके लिए केंद्र सरकार से प्रति बस साठ लाख का अनुदान मिलेगा। बसें फ्लिपोमिटर स्क्रीम के तहत चलेगी। डीटीसी ने केंद्र से इस स्क्रीम के लिए एक हजार बसों की मांग की थी। मगर केंद्र ने तीन सौ बसों के लिए हमी भरी है। ये बसें क्लस्टर सेवा के तहत प्रस्तावित एक हजार इलेक्ट्रिक बसों से अलग होंगी। इन बसों के लिए टेक्निकल डिड का काम पूरा हो चुका है। जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे।

मंडियों में सेब से महंगा बिक रहा है प्याज

जागरण संवाददाता, वाहरी दिल्ली

प्याज कीमतों के मामले में लोगों के आंसू निकाल रहा है। आगम यह है कि यह सेब से भी ज्यादा महंगा बिक रहा है। मौजूदा समय में औसत दर्जे की सेब मंडी में थोक में 30 से 40 रुपये तक बिक रहा है। पिछले कुछ दिनों से आजादपुर मंडी में प्याज की आवक में कमी के कारण ऐसी स्थिति हुई है। इसके चलते थोक के साथ खुदरा बाजारों में भी प्याज की कीमत में तेजी देखी जा रही है। सोमवार को आजादपुर मंडी में प्याज थोक में प्रति किलो 25 से 45 रुपये तक बिका। जबकि खुदरा बाजारों में इसकी कीमत प्रति किलो 60 से 70 रुपये तक रही। ऐसी स्थिति तब है, जब सोमवार को मंडी में थोक कीमत में प्रति किलो ढाई रुपये तक गिरावट दर्ज की गई। आजादपुर मंडी के प्याज के आदितियों की मानें तो दिवाली तक प्याज की कीमतों में तेजी बनी रह सकती है। ऐसा इसलिए है कि दिवाली के बाद मंडियों में प्याज की नई फसल की आवक शुरू हो जाएगी। इसके बाद कीमतें नीचे उतरने लगेंगी।

आजादपुर मंडी के आलू-प्याज मर्चेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने बताया कि मंडी में रोजाना प्याज की औसत मांग 15 सौ टन रहती है। लेकिन, दक्षिण भारत के राज्यों सहित महाराष्ट्र में बारिश के कारण प्याज के फसल को उपसादन के चलते मंडी में मांग के अनुरूप आवक नहीं हो रही है। मंडी में इन

24 रुपये किलो प्याज देगी दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार आसमान छूती प्याज की कीमत से परेशान राजधानीवासियों को राहत देने जा रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकारा जल्द ही लोगों को सस्ता प्याज उपलब्ध करवाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार प्याज खरीद रही है। दस दिन में इस प्याज की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। इस प्याज की कीमत 24 रुपये किलो होगी। सरकार प्याज सभी राशन की दुकानों और मोबाइल वैन के जरिये बेवेगी।

राज्यों के अलावा मध्य प्रदेश व राजस्थान से प्याज आ रहा है। लेकिन, मध्य प्रदेश व राजस्थान से हो रही आवक से दक्षिण भारत व महाराष्ट्र की कमी को भरपाई संभव नहीं है। ऐसे में कीमतें नीचे नहीं उतर पा रही हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को मंडी में करीब 145 गाड़ियां प्याज उपलब्ध रही। इनमें 60 गाड़ियों की नई आवक भी शामिल रही। इस उपलब्धता के कारण प्याज शनिवार के मुकाबले थोक में प्रति किलो अधिकतम 47.50 रुपये किलो से घटकर 45 रुपये तक बिका। उन्होंने बताया कि मंगलवार को भी कीमत में कमी रह सकती है। हालांकि, यह कमी मंडी में रात तक बिकने के बाद शेष बचे प्याज की मात्रा

पचास और मेट्रो स्टेशनों पर कैब कियोस्क सुविधा अगले सप्ताह से

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

यात्री गंतव्य तक (लास्ट माइल कनेक्टिविटी) आसानी से पहुंच सकें, इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) अगले सप्ताह पचास और स्टेशनों पर कैब कियोस्क सुविधा शुरू करेगा। जरूरतमंद यात्री अपनी सुविधा के अनुसार यहां से कैब बुक कर सकेंगे। इन मेट्रो स्टेशनों के पास कैब के लिए जगह सुनिश्चित होगी, इससे यात्रियों को भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

डीएमआरसी का कहना है कि यात्रियों को यह सुविधा देने के लिए उबर से करार किया गया है। चरणबद्ध तरीके से 210 स्टेशनों पर कियोस्क लगाने की योजना है। अब तक पांच स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध है, जिनमें द्वारका सेक्टर 21, नोएडा सेक्टर 18, सिकंदरपुर, एमजी रोड व राजीव चौक मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। इसी क्रम में 50 और स्टेशनों पर यह सुविधा शुरू होगी। कियोस्क पर कैब बुक करने के बाद यात्रियों को उसकी लोकेशन की सूचना भी मिल जाएगी। ज्यादातर लोगों के पास स्मार्ट फोन हैं और वे मोबाइल एप आधारित कैब का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन बुक करने पर कैब मेट्रो स्टेशन के पास कहां आकर रुकेंगी, यह सुनिश्चित नहीं होता है। कियोस्क शुरू होने से स्टेशनों पर कैब के ठहरने की जगह सुनिश्चित होगी।

मेट्रो स्टेशन पर पहुंचने के बाद यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए अन्य

चरणबद्ध तरीके से 210 स्टेशनों पर कियोस्क लगाने के है योजना

इन स्टेशनों पर उपलब्ध कराई जाएगी सुविधा

ब्लू लाइन : द्वारका मॉड, द्वारका सेक्टर-21, वैशाली, लक्ष्मी नगर, उत्तम नगर (पूर्व), राजेंद्र प्रेस, कलोल बाग, आनंद विहार, बॉटैनिकल गार्डन, आरके आश्रम मार्ग, निर्माण विहार, नोएडा सेक्टर 15, नोएडा सेक्टर 16, शादीपुर, बारखम्बा रोड, नवादा, तिलक नगर, सुभाष नगर, अक्षरधाम, कोशांबी, नोएडा सिटी सेंटर, मयूर विहार फेज-1, इंदेवालान, मोती नगर व राजीवी गार्डन। यलो लाइन : नई दिल्ली, हुडा सिटी सेंटर, साकेत, कश्मीरी गेट, छतरपुर, इपको चौक, जीटीबी नगर, एमजी रोड, मालवीय नगर, महंगीपुरी, एमए, हौज खास, ग्रीन पार्क, विश्वविद्यालय, आइएनए। अन्य मेट्रो स्टेशन : रिंताला, शिवाजी स्टैंडियम, धौला कुआं, राजा नाहर सिंह, शाहदरा, गौंदीपुरी, रोहिणी (पश्चिम), पालम व लाजपत नगर।

वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। व्यस्त समय में जल्दी आंटी की नहीं मिल पाते हैं। यही वजह है कि लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए डीएमआरसी ने यह कदम उठाया है।

सिसोदिया ने मारा छापा, बीयर और वाइन से भरे डिपार्टमेंटल स्टोर सील

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अगुवाई में सोमवार को आबकारी विभाग ने दिल्ली के कई हिस्सों में डिपार्टमेंटल स्टोर पर छापेमारी की। दो डिपार्टमेंटल स्टोर सामान के नाम पर बीयर व वाइन से भरे हुए थे। नियमों के उल्लंघन पर इन्हें सील कर दिया गया। खबर लिखे जाने तक आबकारी विभाग के अधिकारी करोलबाग, आजादपुर, जहांगीरपुरी, द्वारका, करोलबाग कालोनी, जनकपुरी, सेंट्रल वनकपुरी, गोविंदपुरी एक्सटेंशन सहित कई हिस्सों में छापेमारी कर रहे थे।

उपमुख्यमंत्री सोमवार को करीब साढ़े 4 बजे आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ आर्य समाज रोड, कीकरवाला चौक, करोलबाग स्थित डिपार्टमेंटल स्टोर में औचक निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने वहां देखा कि लगभग 90 फीसद तक बीयर और वाइन रखी हुई थी, जबकि नियमों के हिसाब से डिपार्टमेंटल स्टोर में 15 फीसद से ज्यादा बीयर और वाइन नहीं रखी जा सकती। उपमुख्यमंत्री का



करोलबाग के एक डिपार्टमेंटल स्टोर में छापेमारी के दौरान मनीष सिसोदिया।

दिल्ली में किसी भी कीमत पर गलत तरीके से शराब नहीं बिकने दी जाएगी। दौषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

—अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री

कुछ लोग डिपार्टमेंटल स्टोर का लाइसेंस लेकर लोग शराब का ठेका चला रहे हैं। हमने सुचनाएं इकट्ठा करवाई। इसके बाद एरसाइज विभाग ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। पूरी दिल्ली में जांच की जा रही है। कार्रवाई की जा रही है।

—मनीष सिसोदिया, उपमुख्यमंत्री

निर्देश मिलने ही दुकान को तुरंत सील कर दिया गया।

यह है नियम : कानून के हिसाब से एक डिपार्टमेंटल स्टोर में 85 फीसद दूसरा सामान

माकन को फिर मिल सकती है प्रदेश अध्यक्ष की कमान

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली : करीब दो माह से रिक्त चर रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर एक बार फिर से अजय माकन की नियुक्ति हो सकती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में काफी कम समय शेष रह जाने के कारण प्रदेश प्रभारी पीसी चाको की ओर से सीधे उन्हीं के नाम की अनुशंसा की सूचना है। इस संबंध में पार्टी आलाकमान सोनिया गांधी को लिखित में सुझाव दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष की अनुपस्थिति में सभी दायित्व प्रदेश चाको ही संभाल रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अध्यक्ष पद की दौड़ में काफी अब सिर्फ दो ही नाम रह गए हैं अजय माकन और अरविंदर सिंह लवली।

बताया जाता है कि प्रदेश प्रभारी और एआईसीसी महासचिव पीसी चाको ने सोनिया गांधी को माकन के नाम का लिखित में सुझाव दे दिया है। सोनिया को भेजे गए एक पत्र में उन्होंने कहा है कि चुनाव में अब समय काफी कम रह गया है। ऐसे में किसी तरह का कोई प्रयोग करना पार्टी के लिए घातक भी हो सकता है। हालांकि सोनिया ने अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है, लेकिन माकन की सक्रियता अवश्य बढ़ गई है। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो माकन के नाम पर ही मुहर लगने की संभावनाएं काफी प्रबल हैं, लेकिन अंतिम निर्णय चूंकि सोनिया, राहुल गांधी व प्रिवंका वाड्ढा की संयुक्त सहमति से ही होना है, इसलिए सौ फीसद कुछ तय नहीं कहा जा सकता।

यूजीसी के संयुक्त सचिव के बेटे को बंधक बनाकर लूटने वाले गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नोएडा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के संयुक्त सचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह के बेटे अनुज गोस्वामी को बंधक बना लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान सूरज सिंह, मनीष निवासी जहांगीराबाद बुलंदशहर व अमन निवासी पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड के रूप में हुई। तीनों सफाईवादा गांव में रहते हैं। 12वीं में पढ़ाई करने वाले सूरज व मनीष निजी कंपनी में वाहन चलाते हैं जबकि 10वीं पास अमर बस ड्राइवर हैं। इनके पास से लूटा गया लैपटॉप, मोबाइल, हार्डीडिस्क, हेडफोन, डेबिट कार्ड सहित अन्य सामान बरामद हुआ है।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि 19 सितंबर की रात सेक्टर 72 से युवक को बंधक बनाने के बाद बदमाश उन्हें लेकर बदमाशों को तस्वीर सीसीटीवी में कैद हुई थी। एसओ धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि फुटेज में दिखने वाले दो बदमाशों को कुछ सप्ताह पहले शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

जागरण संवाददाता, नोएडा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के संयुक्त सचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह के बेटे अनुज गोस्वामी को बंधक बना लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान सूरज सिंह, मनीष निवासी जहांगीराबाद बुलंदशहर व अमन निवासी पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड के रूप में हुई। तीनों सफाईवादा गांव में रहते हैं। 12वीं में पढ़ाई करने वाले सूरज व मनीष निजी कंपनी में वाहन चलाते हैं जबकि 10वीं पास अमर बस ड्राइवर हैं। इनके पास से लूटा गया लैपटॉप, मोबाइल, हार्डीडिस्क, हेडफोन, डेबिट कार्ड सहित अन्य सामान बरामद हुआ है।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि 19 सितंबर की रात सेक्टर 72 से युवक को बंधक बनाने के बाद बदमाश उन्हें लेकर बदमाशों को तस्वीर सीसीटीवी में कैद हुई थी। एसओ धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि फुटेज में दिखने वाले दो बदमाशों को कुछ सप्ताह पहले शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

योजना

उपराज्यपाल के निर्देश पर दिल्ली विकास प्राधिकरण ने इसके पुनरुद्धार की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली है, प्रारंभिक स्तर पर कार्य शुरू हो चुका है

शीश महल का होगा पुनरुद्धार, लौटेगी पर्यटकों की बहार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल ही प्रेम की एकमात्र निशानी नहीं है। शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए ताजमहल बनवाया था तो दूसरी बेगम एजुनिशा की याद में प्रेम की एक और निशानी बनवाई थी- शीश महल। दिल्ली के शालीमार बाग स्थित जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़ी प्रेम की इस निशानी को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की तैयारी है। पुनरुद्धार के बाद शीश महल को देखने के लिए काफी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है। उपराज्यपाल के निर्देश पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इसके पुनरुद्धार की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली है। प्रारंभिक स्तर पर इस पर कार्य शुरू भी कर दिया गया है।

कुछ ऐसी है शीश महल की कहानी : मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी बेगम एजुनिशा के प्रेम की निशानी के रूप में यह शीश महल सन 1639 में बनवाया था। बताया जाता है कि शाहजहां गर्मियों में अपनी बेगमों के साथ अक्सर यहां रहने



मैजुदा समय में कुछ इस हालत में है शीशमहल।

आया करते थे। शाहजहां के बेटे औरंगजेब को तो यह महल इनाम पसंद था कि उसने अपनी ताजपोशी के लिए भी इसे ही चुना था।

शीश महल का दौरा करने के बाद 28 अगस्त को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने इसके नवीनीकरण को लेकर डीडीए, इंटेक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और दिल्ली पुलिस के आला

कारियों के साथ बैठक भी की थी। उन्होंने इसके कायाकल्प के लिए डीडीए को विस्तृत कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। डीडीए के प्रधान आयुक्त (उद्यान) की अध्यक्षता में एक समिति का गठन भी किया, जिसमें एसएसआई, इंटेक, लोक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रतिनिधि शामिल किए गए। उन्होंने शीश महल के नवीनीकरण का सारा कार्य दिसंबर 2020 तक पूरा करने का निर्देश दिया।

—तरुण कपूर, उपाध्यक्ष, डीडीए

यह सुविधाएं कराई जाएंगी मुहैया : डीडीए के जिला पार्क में सुविधाओं को बढ़ाने के साथ-साथ उसे आकर्षक भी बनाया जाएगा। इसके लिए पार्क में तीन छोटे-छोटे तालाब बनाए जाएंगे। पार्क में सैर करने के लिए मेड़ बनाई जाएगी ताकि किसी बाग में घूमने जैसा प्राकृतिक अनुभव हो। इसके अलावा पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह, बच्चों के खेलने की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। जगह-जगह वृक्षारोपण, अतिरिक्त प्रवेश द्वारों का निर्माण, सौर ऊर्जा प्रणाली सहित कुछ सुविधाएं भी यहां उपलब्ध कराने की योजना है। पार्क में घूमने-फिरने के लिए आने वाले लोगों कोई परेशानी न हो, इसके लिए डीडीए यहां शौचालय, और रेस्तरां की सुविधा भी मुहैया कराएगा। साथ ही भी वृक्ष के फुटपाथ और ट्रैक को भी बेहतर किया जाएगा।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा शीश महल : डीडीए और एसएसआई ने मिलकर शीश महल को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का प्लान तैयार कर लिया है। स्मारक की सूरत बदलने के बाद उसके लिए हैदरपुर की तरफ प्रवेश द्वार बनाने की भी योजना है।

बैजल ने दिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच योजना में तेजी लाने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

उपराज्यपाल (एलजी) अनिल बैजल ने सोमवार को राजनिवास में दिल्ली सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली पुलिस और तीनों निगमों के सभी 40 वर्ष से अधिक आयु के सरकारी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य वार्षिक स्वास्थ्य जांच योजना की समीक्षा की। साथ ही इस योजना में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहतर कार्य, संस्कृति, समग्र उत्पादकता और प्रशासन की दक्षता की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। स्वास्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। स्वास्थ्य में सुधार से कर्मचारियों की कार्य क्षमता और उत्पादकता में भी इजाफा होगा।

इस बैठक में दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, दिल्ली पुलिस आयुक्त, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव, सेवा विभाग के सचिव, शहरी विकास सचिव,

उपराज्यपाल ने कहा- स्वास्थ्य में सुधार से कर्मचारियों की कार्य क्षमता और उत्पादकता में इजाफा होगा

तीनों निगमों के निगमायुक्त और दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (प्रशासन) तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान सभी संबंधित विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विभागों में वार्षिक स्वास्थ्य जांच योजना की रूपरेखा, वर्तमान स्थिति, प्रगति और उनके कार्यान्वयन के बारे में उपराज्यपाल को अवगत कराया।

मालूम हो कि एक अगस्त, 2019 को उपराज्यपाल ने 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य वार्षिक स्वास्थ्य जांच योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। इस संदर्भ में उन्होंने सभी संबंधित विभागाध्यक्षों को योजना की सम्यक रूपरेखा तैयार करने और इसकी प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से कार्यान्वित करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्रियों व सांसदों के परिजनों को टिकट देने पर असमंजस में भाजपा

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के परिजनों को टिकट नहीं देगी। रविवार देर रात तक पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय में चुनाव समिति की करीब छह घंटे की मेसार्थन बैठक में प्रदेश प्रभारी डॉ. अनिल जैन और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हार्दकमान का यह नीतिगत फैसला सुनाया तो टिकट के तलबगार केंद्रीय मंत्रियों ने भी अपने तर्क रखे। प्रदेश प्रभारी और सीएम के कथन में यह संदेश भी था कि जींद जिला के उचाना कलां विधानसभा क्षेत्र में पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र सिंह की पत्नी और मौजूदा भाजपा विधायक प्रेम लता इस नीति की अपवाद रहेंगी। इसका कारण यह भी बताया गया कि प्रेमलता उचाना कलां से पार्टी की मौजूदा विधायक हैं और उनके सामने संभवतः जननायक जनता पार्टी के नेता दुयंत चोटीला चुनाव लड़ेंगे।

इसके बाद केंद्रीय मंत्रियों की तरफ से भी कुछ नरम तो कुछ गरम तर्क रखे गए। सूत्रों की माने तो केंद्रीय जयमंजी राव इंद्रजीत सिंह, कृष्णपाल गुर्जर और रतन लाल कटारिया ने प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालातों के मद्देनजर जीतने वाले उम्मीदवार को तरजीह



देने का आग्रह किया। गुर्जर ने कहा कि पार्टी नेताओं की तरफ से हार्दकमान की यह स्थिति भी बताई जानी चाहिए कि कौन उम्मीदवार सिर्फ राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि से है और कौन संगठन काडर का सर्मापित कार्यकर्ता है। इसके अलावा जीत के फेक्टर को भी सामने रखा जाना चाहिए।

गुर्जर की बात का समर्थन करते हुए कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि रतन लाल कटारिया

सिटिंग गेटिंग के मुद्दे पर रखे तर्कसंगत तथ्य	सांसद की संस्तुति को दी जाएगी तरजीह
पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह की पत्नी प्रेम लता को मौजूदा विधायक होने के नाते टिकट दिए जाने संबंधी चर्चा के दौरान बैठक में यह तर्क भी रखे गए कि 2014 में यदि सांसद धर्मवीर, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत, रतन लाल कटारिया और कृष्णपाल गुर्जर के परिजनों को भी टिकट दे दिए जाते तो वे भी सिटिंग विधायक ही होते। यह ऐसा तर्क था जिससे इस चुनाव में 75 पार के नारे को साकार करने के हामी ज्यादातर नेता सहमत थे।	भाजपा हार्दकमान ने बेशक अभी तक नीतिगत फैसला यह दिया हुआ कि केंद्रीय मंत्रियों व सांसदों सहित बड़े नेताओं के परिजनों को टिकट नहीं दी जाएगी, मगर इसके साथ ही चुनाव समिति की बैठक में यह बात भी उभरकर सामने आई कि प्रत्येक सांसद की संस्तुति को विशेष रूप से तरजीह दी जाएगी। जिस सीट पर विवाद होगा, उसके फैनल पर अंतिम फैसला सीएम मनोहर लाल और प्रदेश प्रभारी डॉ. अनिल जैन करेंगे।

गुर्जर नहीं भूले गोयल का विरोध करना
केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के फैनल पर चर्चा के दौरान यह भी कहा कि उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने उनका लोकसभा चुनाव के दौरान विरोध किया था और उनके समर्थक कांग्रेस उम्मीदवार अवतार भड़ाना की मदद करते रहे। गुर्जर की बात समिति ने सुनी मगर इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

लेकिन प्रदेश प्रभारी और सीएम ने यह भी प्रस्ताव रखा कि स्थिति एक बार फिर हार्दकमान के सामने रख दी जाएगी।
रविवार देर रात चुनाव समिति में तय हुए फैनलों को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार भी डॉ. अनिल जैन, प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बाला ने केंद्रीय मंत्री और प्रदेश में गुप्त प्रभारी नरेंद्र सिंह तोमर सहित सहभारी भूपेंद्र सिंह के साथ चर्चा की। सूत्रों के अनुसार, इसमें केरले चरण

में घोषित किए जाने वाली 50 सीटों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया। केंद्रीय मंत्रियों और सांसद जिन सीटों से अपने परिजनों के लिए टिकट मांग रहे हैं, उन सीटों की घोषणा भी अब दूसरे चरण की सूची में ही होगी। बता दें कि हरियाणा में सांसद नायब सैनी, रमेश कौशिक, धर्मवीर सहित तीनों केंद्रीय मंत्री और पूर्व केंद्रीय वीरेंद्र सिंह अपने परिजनों के लिए टिकट मांग रहे हैं।

हरियाणा में भाजपा के साथ सीटों को लेकर चल रही बात : शिअद

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़	
शिरोमणि अकाली दल के महासचिव और हरियाणा के प्रभारी बलविंदर सिंह भूंदड़ ने कहा है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा से सीटों के लेन-देन की बात अभी चल रही है। वह सोमवार को कुरुक्षेत्र में बुलाई मीटिंग में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 30 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक उम्मीदवारों के अलावा 400 के करीब कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग की।	
भूंदड़ से जब पूछा गया कि भाजपा ने साफ कर दिया है कि वह अकाली दल के लिए केवल दो सीटें ही छोड़ेगी तो उन्होंने कहा कि यह बयान केवल अखबारों में ही पढ़ा है। इस बारे में भाजपा से अभी बातचीत चल रही है। जहाँ तक मुझे जानकारी है अभी तक भाजपा ने कोई फैसला नहीं लिया है। हालांकि, भूंदड़ ने इस बारे में कुछ नहीं कहा कि शिअद ने भाजपा से कितनी सीटें उनके लिए छोड़ने को कहा है।	
कुछ दिन पहले ही भूंदड़ ने साफ किया था कि अगर भाजपा से सीटों के लेन-देन पर	

सुप्रीम कोर्ट से उत्तराखंड सरकार को बड़ा झटका

फैसला► दो से अधिक बच्चों वाले प्रत्याशियों के मामले में नहीं लगा स्थगनादेश

जिला और क्षेत्र पंचायत के लिए भी आदेश प्रभावी करने को लेकर सुनवाई टली

जागरण संवाददाता, नैनीताल

दो से अधिक बच्चों वालों को ग्राम पंचायत के पदों पर चुनाव लड़ने के योग्य करार देने के हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची उत्तराखंड सरकार को निराशा हाथ लगी है। देश की सर्वोच्च अदालत ने मामले में स्थगनादेश नहीं दिया। शीर्ष कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट के आदेश के बाद ग्राम पंचायत और ग्राम पंचायत सदस्य के पद पर 25 जुलाई, 2019 से पहले दो से अधिक बच्चे वालों का चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में 25 जुलाई, 2019 को कट ऑफ देना पंचायत था। इस तिथि के बाद दो से अधिक बच्चे वाले प्रत्याशी अयोग्य माने जाएंगे।

पंचायत जनाधिकार मंच के प्रदेश संयोजक और पूर्व ब्लॉक प्रमुख जेत सिंह बिष्ट, कोटाबाग के मनोहर लाल, पिंकी देवी समेत



21 लोगों ने हाई कोर्ट में अलग-अलग याचिका दायर कर सरकार के पंचायत राज एक्ट में किए संशोधन को चुनौती दी थी, जिसमें दो से अधिक बच्चे वाले प्रत्याशियों को पंचायत करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट के आदेश के बाद ग्राम पंचायत और ग्राम पंचायत सदस्य के पद पर 25 जुलाई, 2019 से पहले दो से अधिक बच्चे वालों का चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में 25 जुलाई, 2019 को कट ऑफ देना पंचायत था। इस तिथि के बाद दो से अधिक बच्चे वाले प्रत्याशी अयोग्य माने जाएंगे।

पंचायत जनाधिकार मंच के प्रदेश संयोजक और पूर्व ब्लॉक प्रमुख जेत सिंह बिष्ट, कोटाबाग के मनोहर लाल, पिंकी देवी समेत

ओडिशा के बीजेपुर उप चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

चुनाव आयोग ने ओडिशा के बीजेपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी। इसके अनुसार 30 सितंबर तक उम्मीदवार बरगढ़ उपजिलाधीश कार्यालय में जाकर नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। तीन अक्टूबर को नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि है, जबकि 21 अक्टूबर को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। 24 अक्टूबर को मतगणना होगी। इसी के साथ राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

उल्लेखनीय है कि 21 महीने में तीसरी बार इस विधानसभा सीट पर चुनाव होने जा रहा है, ऐसे में संभावित उम्मीदवारों के चयन को लेकर बीजद, भाजपा एवं कांग्रेस के खेमे में हलचल बढ़ गई है। इससे पहले वृष 2014 के चुनाव में कांग्रेस विधायक उम्मीदवार सुबल साहू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजद के प्रभजन आचार्य को पराजित किया था। उस समय भाजपा के उम्मीदवार जयशंकर पटनायक थे। साहू के निधन के बाद वर्ष 2018 के फरवरी

माह में हुए उप चुनाव में सुबल साहू की पत्नी रीता साहू बीजद के टिकट पर जीत दर्ज कर विधानसभा पहुंचीं। भाजपा ने उस समय अशोक पाणीग्राही को और कांग्रेस ने प्रणय साहू को चुनाव मैदान में उतारा था। वर्ष 2019 के चुनाव में तीनों ही दलों ने अपने उम्मीदवार बदल दिए। बीजद की ओर से खुद बीजद सुप्रिमी नवीन पटनायक चुनाव मैदान में उतरे तो भाजपा से सनत गड़तिया एवं कांग्रेस रिपुना सेठ मैदान में थे। इसमें नवीन पटनायक ने भारी मर्तो से जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने इस सीट से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से यह सीट खाली आ रही थी। पिछले उप चुनाव में बीजद से जीत दर्ज करने वाली रीता साहू एक बार फिर बीजद की प्रबल उम्मीदवार मानी जा रही हैं। हालांकि, बीजद के अन्य नेताओं ने भी टिकट के लिए लॉबींग करनी शुरू कर दी है।

वहीं, भाजपा की ओर से 2018 उप चुनाव में उम्मीदवार अशोक पाणीग्राही एवं पद्मपुर के पूर्व विधायक प्रदीप पुरोहित के नाम को लेकर चर्चा हो रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बसंत पंडा ने कहा है कि बहुत जल्द उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

उत्तराखंड पंचायत चुनाव में कांग्रेस ने निर्दलीय प्रत्याशियों पर लगाया दांव

राज्य ब्यूरो, देहरादून

उत्तराखंड में कांग्रेस विस्तरीय पंचायत चुनावों को भी नगर निकाय चुनाव की तर्ज पर लड़ेगी। पार्टी समर्थित प्रत्याशियों के चयन को लेकर भी कमोबेश वही फार्मूला रखा गया है। पार्टी ने ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों से लेकर जिला पंचायतों में घोषित और पर उन्हीं प्रत्याशियों को समर्थन देने की घोषणा की है, जिन पर स्थानीय स्तर पर आम सहमति बन गई है। यानी प्रदेशास्तर पर गुटीय खींचतान से दूर जीतने की क्षमता वाले प्रत्याशियों पर पार्टी दूर जाकर लुका चुकी है। इस चुनाव में प्रमुख प्रतिपक्षी दल ने बड़ी संख्या में ऐसे निर्दलीय प्रत्याशियों पर भी दांव खेला है। इन्हें घोषित तौर पर समर्थन देने से परहेज तो किया गया, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा की काट में इनकी अहम भूमिका रहने वाली है।

विस्तरीय पंचायत चुनाव में अपनी पैठ बरकरार रखने के लिए कांग्रेस सधे कदमों में आगे बढ़ रही है। भीतरी और बाहरी, दोनों मोर्चों पर पार्टी के सामने संतुलन साधने की चुनौती को शिकस्त दी है। एक और अफसर की कांग्रेस में एंट्री : कांग्रेस ने एक और आइएएस अफसर को पार्टी में एंट्री दे दी है। सोमवार को ही आइएएस पद से इस्तीफा देने वाले बलविंदर सिंह धालीवाल को कांग्रेस ने फगवाड़ा (कपूरथला) से उप चुनाव में उतार है। इससे पहले फतेहगढ़ साहिब व लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पूर्व आइएएस अधिकारी अमर सिंह को मैदान में उतारा था। धालीवाल मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर के करीबी हैं और विपरीत परिस्थितियों में भी उनके साथ हमेशा रहे। वह कई दिनों से चुनाव लड़ने का विचार कर रहे थे क्योंकि सक्रिय राजनीति एंट्री चाहते थे। आखिर मुख्यमंत्री ने उन्हें यह अवसर प्रदान कर ही दिया।

जाखड़ ने फिर दी राणा सोढ़ी को शिकस्त : जलालाबाद सीट से मैदान में उतरे रिमंदर आंवला कांग्रेस के प्रदेश प्रभजन सुनील जाखड़ के करीबी हैं। इस सीट से कैबिनेट मंत्री राणा गुप्तीत सिंह सोढ़ी अपने बेटे अमृनीव सिंह सोढ़ी के लिए टिकट मांग रहे थे। कमोवेश यही स्थिति लोकसभा में भी बनी हुई थी, जिसके कारण बाद में पार्टी ने शेर सिंह चुवाया को टिकट दी थी। जाखड़ ने एक बार फिर से राणा सोढ़ी

को शिकस्त दी है। एक और अफसर की कांग्रेस में एंट्री : कांग्रेस ने एक और आइएएस अफसर को पार्टी में एंट्री दे दी है। सोमवार को ही आइएएस पद से इस्तीफा देने वाले बलविंदर सिंह धालीवाल को कांग्रेस ने फगवाड़ा (कपूरथला) से उप चुनाव में उतार है। इससे पहले फतेहगढ़ साहिब व लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पूर्व आइएएस अधिकारी अमर सिंह को मैदान में उतारा था। धालीवाल मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर के करीबी अधिकारी माने जाते हैं। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री की पसंद पर ही धालीवाल को टिकट दी गई है। उल्लेखनीय है कि भाजपा के सोम प्रकाश पिछले विधानसभा चुनाव में यहां से जीते थे। वे भी आइएएस अधिकारी रहे हैं। हेशियारपुर से उनके सांसद बनने के बाद इस सीट पर उप चुनाव हो रहा है।

सुकेरियां में परिवार को ही टिकट : मुकेरियां में कांग्रेस ने परिवार पर ही भरोसा जताया है। पिछले चुनाव में रजनीश बब्बो यहां से जीते थे, जिनका कुछ दिन पहले निधन हो गया। उनकी पत्नी इंद्रू बाला को पार्टी ने चुनाव मैदान में उतार है। कांग्रेस का मानना है कि 2012 के चुनाव में

को शिकस्त दी है। एक और अफसर की कांग्रेस में एंट्री : कांग्रेस ने एक और आइएएस अफसर को पार्टी में एंट्री दे दी है। सोमवार को ही आइएएस पद से इस्तीफा देने वाले बलविंदर सिंह धालीवाल को कांग्रेस ने फगवाड़ा (कपूरथला) से उप चुनाव में उतार है। इससे पहले फतेहगढ़ साहिब व लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पूर्व आइएएस अधिकारी अमर सिंह को मैदान में उतारा था। धालीवाल मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर के करीबी हैं और विपरीत परिस्थितियों में भी उनके साथ हमेशा रहे। वह कई दिनों से चुनाव लड़ने का विचार कर रहे थे क्योंकि सक्रिय राजनीति एंट्री चाहते थे। आखिर मुख्यमंत्री ने उन्हें यह अवसर प्रदान कर ही दिया।

जाखड़ ने फिर दी राणा सोढ़ी को शिकस्त : जलालाबाद सीट से मैदान में उतरे रिमंदर आंवला कांग्रेस के प्रदेश प्रभजन सुनील जाखड़ के करीबी हैं। इस सीट से कैबिनेट मंत्री राणा गुप्तीत सिंह सोढ़ी अपने बेटे अमृनीव सिंह सोढ़ी के लिए टिकट मांग रहे थे। कमोवेश यही स्थिति लोकसभा में भी बनी हुई थी, जिसके कारण बाद में पार्टी ने शेर सिंह चुवाया को टिकट दी थी। जाखड़ ने एक बार फिर से राणा सोढ़ी

को शिकस्त दी है। एक और अफसर की कांग्रेस में एंट्री : कांग्रेस ने एक और आइएएस अफसर को पार्टी में एंट्री दे दी है। सोमवार को ही आइएएस पद से इस्तीफा देने वाले बलविंदर सिंह धालीवाल को कांग्रेस ने फगवाड़ा (कपूरथला) से उप चुनाव में उतार है। इससे पहले फतेहगढ़ साहिब व लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पूर्व आइएएस अधिकारी अमर सिंह को मैदान में उतारा था। धालीवाल मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर के करीबी अधिकारी माने जाते हैं। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री की पसंद पर ही धालीवाल को टिकट दी गई है। उल्लेखनीय है कि भाजपा के सोम प्रकाश पिछले विधानसभा चुनाव में यहां से जीते थे। वे भी आइएएस अधिकारी रहे हैं। हेशियारपुर से उनके सांसद बनने के बाद इस सीट पर उप चुनाव हो रहा है।

सुकेरियां में परिवार को ही टिकट : मुकेरियां में कांग्रेस ने परिवार पर ही भरोसा जताया है। पिछले चुनाव में रजनीश बब्बो यहां से जीते थे, जिनका कुछ दिन पहले निधन हो गया। उनकी पत्नी इंद्रू बाला को पार्टी ने चुनाव मैदान में उतार है। कांग्रेस का मानना है कि 2012 के चुनाव में

पूर्व सीकर केवल कृष्ण के निधन पर उनके बेटे रजनीश बब्बो को सहनुभूति का लाभ मिला था। तब कांग्रेस ने बब्बो को टिकट नहीं दी थी और वह आज दा चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे। दाखा में फूलका से मात्र 4,169 वोटों से हारे थे अयाली : दाखा विधानसभा सीट पर एक तरफ कांग्रेस के रणनीतिकारों में शामिल कैप्टन संदीप संधू चुनाव मैदान में होंगे तो दूसरी तरफ अकाली दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक मनप्रीत अयाली होंगे। 2017 में अयाली आम आदमी पार्टी के एचएस फूलका से मात्र 4,169 वोटों से हार गए थे। फूलका को 58,923 वोट तो अयाली को 54,754 वोट मिले थे। कांग्रेस के मेजर सिंह पैणी मात्र 28,571 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। लोकसभा चुनाव में दाखा में कांग्रेस की स्थिति में सुधार हो हुआ, लेकिन लोक ईश्वर पार्टी के सिमरजीत सिंह बंस से पीछे रह गई। कांग्रेस को जहां 43,644 वोट मिले थे तो बंस को 44,938 वोट पड़े थे। इस चुनाव में अकाली दल तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद 28,896 वोट हासिल करने में सफल रहा था।

नक्सली खौफ पर भारी पड़ा मतदाताओं का उत्साह दंतेवाड़ा उप चुनाव में 60 फीसद मतदान



दंतेवाड़ा में पिछले दिनों हुई बारिश के कारण इस वक्त सभी नदी और नालों का जल स्तर बढ़ा हुआ है। मतदाताओं के लिए चुनाव आयोग ने मोटर बोट की व्यवस्था की थी। ग्राम चेपवाल और पाहुनार के लिए छिंदनार में मतदान केंद्र बनाया गया था। दोनो गांव में करीब 4500 वोटर हैं। नईदुनिया

नईदुनिया, दंतेवाड़ा	पहुँची। गढ़मिरी, नकुलनार, श्यामिगिरी, धनोरका आदि केंद्रों में भीड़ अधिक होने से सीआरपीएफ के कुछ जवानों ने ग्रामीणों को लौटा दिया था। जिला मुख्यालय में खबर आने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने व्यवस्था दुरुस्त करई।
प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, करीब 60.01 प्रतिशत मतदान हुआ। अंदरूनी वीहड़ इलाके के ग्रामीणों ने स्वस्फूर्त लोकतंत्र के महापर्व में अपनी आहुति दी। इंद्रावती नदी पर चेपवाल और पाहुनार के नक्सली प्रभावित इलाका होने की वजह से पहले से ही यहाँ जवान तैनात है। चुनाव संपन्न कराने के लिए 1302 मतदानकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी।	
मासोड़ी में सबसे अधिक वोटिंग : सबसे अधिक मतदान गौदम ब्लॉक के मासोड़ी गांव में होने की जानकारी मिली है। यहाँ सुबह 11 बजे तक ही 97 प्रतिशत अर्थात 266 मतदाताओं में से 259 लोगों ने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। इसी तरह दूसर्य मतदान केंद्र छोटेदेविका के 262 मत विधानसभा चुनाव में 61 फीसद मतदान हुआ था। उम्मीद है कि इस बार भी मतदान का अंतिम आंकड़ा इसके करीब पहुँच जाए। इलाका नक्सल प्रभावित होने के कारण सुरक्षा के मद्देनजर चुनाव आयोग ने मतदान का समय सुबह सात से दोपहर तीन बजे तक ही रखा था। धुर नक्सली प्रभावित इलाके के मतदाताओं ने सुबह से ही मतदान केंद्रों में पहुंचकर लोकतंत्र के महापर्व में सक्रिय सहभागिता निभाई। महिलाएं दुधमुँहों को लेकर बूथों तक	

2014

में न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वाॅयर और 2017 में सिलिकॉन वैली में आयोजित कार्यक्रम में अमेरिका में लोगों को ‘ हाउडी मोदी ’ कार्यक्रम से पहले संबोधित किया था प्रधानमंत्री मोदी ने ।

नेशनल न्यूज

5

अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को दोगुना करेगा भारत

संकल्प ► प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पूरे विश्व से साथ आने का आह्वान किया

कहा- अब बात करने का नहीं, काम करने का वक़्त

विशेष संवाददाता, न्यूयॉर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती से निपटने के लिए पूरी दुनिया का साथ आने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर मुद्दे पर अब बात करने का नहीं, काम करने का वक़्त आ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए हमें अपनी जीवनशैली से लेकर विकास की अवधारणा को बदलने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने 2022 तक अक्षय ऊर्जा के अपने मौजूदा 175 गीगावाट के लक्ष्य को दोगुना से भी ज्यादा बढ़ाकर 450 गीगावाट करने जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में पेरिस जलवायु सम्झौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा था कि भारत गैर परंपरागत ईंधन यानी अक्षय ऊर्जा से 175 गीगावाट बिजली पैदा करेगा।

‘हाउडी मोदी’ रेली के बाद प्रधानमंत्री ने सोमवार को जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बातें कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि इस समस्या से निपटने के लिए जो प्रयास होने चाहिए हमने नहीं किए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनिओ गुतेरेश द्वारा आयोजित सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनिया

प्रधानमंत्री को ट्रंप के चुनाव प्रचार से बचना चाहिए था : कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : ‘अबकी बार ट्रंप सरकार’ के पीएम नरेंद्र मोदी के बयान पर एतराज जताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव प्रचार करने से परहेज करना चाहिए था। पार्टी का कहना है कि ट्रंप के पक्ष में पीएम का राजनीतिक बयान भारत की तटस्थ विदेश नीति की परंपरा के प्रतिकूल है। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी वहां की दलीय राजनीति की सीमाओं से परे है। हम इसी का समर्थन करते हैं। जहां तक भारत की विदेश नीति का सवाल है तो जब भी हमारे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री दूसरे देश की यात्रा करते हैं तो वे वहां की अंदरूनी राजनीति से दूर रहते हैं। भारत किसी देश के चुनाव में किसी का पक्ष नहीं लेता। शर्मा ने कहा कि इस लिहाज से ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम के मंच पर प्रधानमंत्री का अमेरिकी राष्ट्रपति के पक्ष में नारा लगाना उचित नहीं था। पीएम को ‘अबकी बार ट्रंप सरकार’ का नारा लगाने से बचना चाहिए था और इसका गलत मतलब निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा संबंध दो राष्ट्रों के बीच होता है और इसीलिए हम आंतरिक चुनाव पर कोई टिप्पणी नहीं करते।

बंगाल में दुर्गा पूजा कमेटियों को नहीं मिल रहे प्रायोजक

जागरण संवाददाता, कोलकाता

बंगाल में दुर्गा पूजा कमेटियों को कारपोरेट प्रायोजक जुटाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। आम तौर पर पूजा से पहले ही पंडालों के आसपास विभिन्न कंपनियों के विज्ञापन वाले बोर्ड लग जाते हैं, लेकिन इस बार नजारा कुछ और ही है। मंदी के कारण कंपनियां पूजा विज्ञापनों पर खर्च करने से कतरा रही हैं। जो कर रही हैं, उन्होंने भी अपना बजट काफी कम कर दिया है। आटोमोबाइल और लिफ्ट एस्टेट क्षेत्रों से पूजा कमेटीयां को सबसे ज्यादा विज्ञापन मिलते हैं। एक आउटरडोर विज्ञापन एजेंसी के अधिकारी ने बताया कि उनके जो क्लेअरेंट पहले पूजा विज्ञापनों के तौर पर 50 से 60 लाख रुपये तक कर रहे थे, वे इस बार 10 लाख रुपये से अधिक खर्च करना नहीं चाह रहे।

हाजरा पार्क दुर्गाोत्सव कमेटी के सचिव सायनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा- ‘हमें हर साल पूजा आयोजन से जुड़े विभिन्न खर्च में कटौती करनी पड़ रही है क्योंकि कंपनियां विज्ञापन पर खर्च करने को तैयार नहीं हैं। विज्ञापन ही हमारी फंडिंग का मुख्य स्रोत है।’ यंग ब्यायज क्लब से जुड़े विक्रांत सिंह ने कहा- ‘हम कारपोरेट घरानों और प्रबोधिनों से फंडिंग के लिए अनुरोध कर रहे हैं, लेकिन उनसे उस तरह से प्रतिक्रिया नहीं मिल रही, क्योंकि बाजार की हालत अच्छी नहीं है। दुर्गापूजा पूरी तरह से कंपनियों से मिलने वाले विज्ञापनों पर निर्भर करती है। बाजार की खराब हालत के कारण इस बार हम समस्या

एनआरसी पर दहशत पैदा कर रही भाजपा, बंगाल में नहीं करने देंगे लागू : ममता

जागरण संवाददाता, कोलकाता : तृणमूल प्रमुख व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) को लेकर भय का माहौल बनाने का आरोप लगाया है और दावा किया इस कारण से राज्य में छह लोगों की मौत हुई है। सोमवार को कोलकाता में विभिन्न टैंड यूनिजनों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बनर्जी ने कहा कि बंगाल अथवा देश के किसी अन्य राज्य में अब एनआरसी लागू नहीं किया जाएगा। ममता ने इस दौरान

2022

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को किया संबोधित



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में जलवायु परिवर्तन पर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी।

के तमाम देशों ने विभिन्न प्रयास किए हैं, लेकिन आज इसके लिए समावेश प्रयास की जरूरत है, जिसमें शिक्षा से मूल्यों, और जीवनशैली से विकास की अवधारणा को बदलना शामिल हो।

ट्रंप-मोदी की बैठक के बाद आतंकवाद पर पाकिस्तान को मिलेगा और कड़ा संकेत

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान से मुलाकात के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही कश्मीर में मध्यस्थता की बात कही हो लेकिन बुधवार को ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होने वाली मुलाकात के नतीजे पड़ोसी देश के लिए बहुत सुखद नहीं होंगे। ट्रंप और मोदी के बीच होने वाली द्विपक्षीय वार्ता से भारत और अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ मौजूदा सहयोग के ढांचे को और मजबूत करने का रास्ता खुलेगा। यही नहीं दोनों देशों के संयुक्त घोषणा पत्र में सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ बहुत ही सख्त संकेत दिया जाएगा। बाद व अमेरिका के संबंधित मंत्रालयों के बीच आतंकवाद के खिलाफ अपने मौजूदा तंत्र को मजबूत बनाने को लेकर लगातार बातचीत हो रही है, जिसका असर द्विपक्षीय वार्ता में दिखाई देगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम में इस बात का संकेत भी दिया। ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में 50 हजार से ज्यादा भारतवर्षियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा था, ‘कट्टर इस्लामिक आतंकवाद से भारतीयों

2014

में न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वाॅयर और 2017 में सिलिकॉन वैली में आयोजित कार्यक्रम में अमेरिका में लोगों को ‘ हाउडी मोदी ’ कार्यक्रम से पहले संबोधित किया था प्रधानमंत्री मोदी ने ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जलवायु परिवर्तन पर जब संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, तब उन्हें सुनने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पहुंच गए। हालांकि, ट्रंप को इस सम्मेलन में नहीं आना था। बिना तय कार्यक्रम के सम्मेलन में पहुंचे ट्रंप करीब 10 मिनट तक वहां रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की बातों को गंभीरता से सुना। इस दौरान वह बीच-बीच में ताली भी बजाते रहे।

मोदी को सुनने बिना कार्यक्रम सम्मेलन में पहुंचे डोनाल्ड ट्रंप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जलवायु परिवर्तन पर जब संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, तब उन्हें सुनने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पहुंच गए। हालांकि, ट्रंप को इस सम्मेलन में नहीं आना था। बिना तय कार्यक्रम के सम्मेलन में पहुंचे ट्रंप करीब 10 मिनट तक वहां रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की बातों को गंभीरता से सुना। इस दौरान वह बीच-बीच में ताली भी बजाते रहे।

विशेषज्ञ बोले, लक्ष्य आकर्षक, लेकिन हासिल करना कठिन

नई दिल्ली, प्रे्ट : विशेषज्ञों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को बढ़ाकर 450 गीगावाट करने के संकल्प का स्वागत तो किया है, लेकिन उसके क्रियान्वयन को लेकर आशंकाएं भी जताई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लक्ष्य तो आकर्षक है लेकिन इसे हासिल करना आसान नहीं होगा। पर्यावरणविद चंद्र भूषण ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के लिए एक सकारात्मक रोडमैप दिया है। लेकिन कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अक्षय ऊर्जा बहुत महंगी है और तय लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं होगा। वही, पर्यावरण के लिए काम करने वाले गौरव बंसल का कहना था कि वक्त की जरूरत यह सुनिश्चित करने की है कि अक्षय ऊर्जा से पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचे

प्रकृति का सम्मान हमारी परंपरा : प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रकृति का सम्मान और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हमारी परंपरा और मौजूदा नीति का हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा

ट्रंप-मोदी की बैठक में सीमा पार आतंकवाद होगा निशाने पर

‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम में राष्ट्रपति ट्रंप ने दे दिया हैं संकेत

ट्रंप के सामने पाकिस्तान पर मोदी के हमले का भी खास मतलब

व अमेरिकियों को बचाने के लिए हम दृढ़ता से एकजुट हैं। सीमा की सुरक्षा करना दोनों देशों का अधिकार है।’ जानकारों के मुताबिक ट्रंप की उपस्थिति में जिस तरह से मोदी ने अपने भाषण में पाकिस्तान का नाम लिए वगैर उसके आतंकी चेहरे को बेनकाब किया है, वह भी अमेरिका-भारत के बीच मजबूत गठजोड़ का संकेत देता है। मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले विदेश सचिव विजय गोखले ने बताया था कि रिखाव वार्ता में आतंकवाद एक अमूम हाथ होगा।

सूत्रों के मुताबिक मार्च में दोनों देशों के बीच आतंकवाद के खिलाफ गठित कार्यदल को 16वीं बैठक वाशिंगटन में हुई थी। उसी समय यह पाया गया था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कट्टर

जाकिर नाइक को आर्थिक भगोड़ा घोषित करने की तैयारी

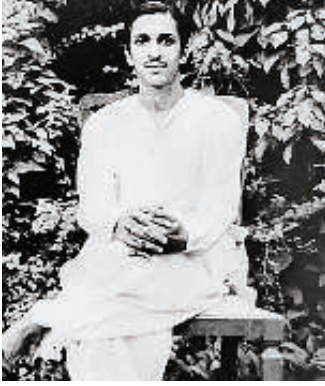
मुंबई, प्रे़्ट : भारत से फरार और मलेशिया में शरण लिए इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

भारत से फरार और मलेशिया में शरण लिए इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई कोर्ट में याचिका की फंडिंग पर व्यापक असर पड़ रहा है। पंडाल का निर्माण चल रहा है, जिसे हम रोक नहीं सकते। हमें पूजा के लिए इस बार क्लब सर्फिस से फंड जुटाना पड़ रहा है।’ 70 वर्षों से मुस्लिम कर रहे थे दुर्गापूजा, इस बार संकट में : कोलकाता के मुंशीगंज में फाइने के कोषाध्यक्ष अद्वुल अलीम कहते हैं, राज्य सरकार की ओर से हमें 25 हजार रुपये मिला है लेकिन यह काफी नहीं है। हम राजनेताओं से पैसे मांग सकते हैं, लेकिन हमने उन उन्हें दुर्गा पूजा के साथ नहीं जोड़ना चाहते। इस इलाके में हिंदू परिवार अल्पसंख्यक हैं। अधिकांश मुस्लिम युवा ही बहुचर्चक दुर्गा पूजा का आयोजन करते हैं। उन्हें डर है कि कहीं यह अनेकोंा परंपरा आने वाले समय में खत्म ही न हो जाए। दुर्गा पूजा समिति के कोषाध्यक्ष अद्वुल अलीम कहते हैं, राज्य सरकार की ओर से हमें 25 हजार रुपये मिला है लेकिन यह काफी नहीं है। हम राजनेताओं से पैसे मांग सकते हैं, लेकिन हमने उन उन्हें दुर्गा पूजा के साथ नहीं जोड़ना चाहते।

इस इलाके में हिंदू परिवार अल्पसंख्यक हैं। अधिकांश मुस्लिम युवा ही बहुचर्चक दुर्गा पूजा का आयोजन करते हैं। उन्हें डर है कि कहीं यह अनेकोंा परंपरा आने वाले समय में खत्म ही न हो जाए। दुर्गा पूजा समिति के कोषाध्यक्ष अद्वुल अलीम कहते हैं, राज्य सरकार की ओर से हमें 25 हजार रुपये मिला है लेकिन यह काफी नहीं है। हम राजनेताओं से पैसे मांग सकते हैं, लेकिन हमने उन उन्हें दुर्गा पूजा के साथ नहीं जोड़ना चाहते।

इस इलाके में हिंदू परिवार अल्पसंख्यक हैं। अधिकांश मुस्लिम युवा ही बहुचर्चक दुर्गा पूजा का आयोजन करते हैं। उन्हें डर है कि कहीं यह अनेकोंा परंपरा आने वाले समय में खत्म ही न हो जाए। दुर्गा पूजा समिति के कोषाध्यक्ष अद्वुल अलीम कहते हैं, राज्य सरकार की ओर से हमें 25 हजार रुपये मिला है लेकिन यह काफी नहीं है। हम राजनेताओं से पैसे मांग सकते हैं, लेकिन हमने उन उन्हें दुर्गा पूजा के साथ नहीं जोड़ना चाहते।

मुंबई, प्रे़्ट : भारत रत्न से सम्मानित मशहूर सितार वादक रवि शंकर की दुर्लभ तस्वीरें व संगीत नोट्स मुंबई की एक कबाड़ की दुकान में पाए गए। फिल्मों पर क्लिक लिखने वाले एक लेखक पुराने पोस्टर की खोज में थे, तभी उन्हें रवि शंकर की दुर्लभ सामग्री मिली। ‘बॉलीवुड नो पोस्टर्स’ और ‘बॉलीवुड : द फिल्म्स, द सॉन्ग, द स्टार्स’ नामक किताबों के लेखक एसएमएम औसाना ने बताया, ‘माहिम के एक कबाड़ वाले ने उन्हें एक सूटकेस दिया और कहा कि इसमें रखी चीजें शायद किसी संगीतकार की हैं। घर लाकर जायें तो सूटकेस खोला तो उसके भीतर की चीजें देखकर हलप्रभ रह गया।’ उन्होंने कहा, ‘जब मैंने सूटकेस खोला तो पाया कि उसके भीतर हमारी विपसत का एक दुर्लभ हिस्सा छिपा हुआ है, लेकिन अफसोस कि जब भारत रत्न प्राप्त कलाकार के साथ ऐसा हो सकता है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूसरों के साथ कैसा होता होगा। यह बहुत



कबाड़ में मिली मशहूर सितार वादक रवि शंकर की दुर्लभ तस्वीर। प्रे़्ट

दुखद है। मैं इन चीजों को फिर से इनके स्वरूप में लाऊंगा।’ पिछले 30 वर्षों से फिल्मी पोस्टरों का

के सिद्धांत से निर्देशित होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत गैर परंपरागत ईंधन का हिस्सा बढ़ा रहा है।2022 तक हम अपने अक्षय ऊर्जा की क्षमता को 175 गीगावाट से बहुत आगे 450 गीगावाट तक ले जा रहे हैं। हमने अपने यहां पेट्रोल डीजल में बायोफ्यूल की मिक्सिंग और परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ाने पर जोर दिया है।

उज्ज्वला योजना का किया उल्लेख : प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए कहा कि भारत कोप्रेसड बायो गैस पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।15 करोड़ परिवारों को स्वच्छ रसोई गैस कनेक्शन दिया गया है, ताकि महिलाओं और बच्चों के साथ ही साथ पर्यावरण की सेहत में भी सुधार हो।

जल जीवन मिशन शुरू किया : प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने जल संरक्षण, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और जल संसाधनों के विकास के लिए जल जीवन मिशन शुरू किया है।भारत अगले कुछ वर्षों में इन योजनाओं पर 50 अरब डॉलर (लगभग 35 हजार करोड़ रुपये) खर्च करेगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान : मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर हमने सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को न करने का आह्वान किया है। उन्हें उम्मीद है कि यह वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक के सिंगल यूज के खिलाफ जागरूकता बढ़ाएगा।

बॉलीवुड हस्तियों ने ह्यूस्टम में पीएम के संबोधन की प्रशंसा की

मुंबई, प्रे़्ट : करण जोहर, अक्षय कुमार और सलमान खान जैसे कई बॉलीवुड कलाकारों ने सोमवार को ट्विटर पर हाउडी मोदी कार्यक्रम में पीएम मोदी द्वारा दिए गए भाषण की प्रशंसा की।

अक्षय कुमार ने अपने ट्वीट में कहा, ‘अगर हम अकेले हैं तो एक बूंद के समान हैं। सब साथ हो जाते हैं तो महासागर बन जाते हैं। हाउडी मोदी कार्यक्रम में यह महासागर ही उमड़ा था। पीएम मोदी द्वारा कई क्षेत्रीय भाषाओं में ऑल इज वेल कहना सही मायने में 130 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करता है। सलमान खान ने लिखा, ‘पीएम मोदी और ट्रंप के बीच की केमिस्ट्री दोनों देशों के जुड़ाव को प्रदर्शित करती है।’

ऋषि कपूर ने भी मोदी और ट्रंप की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय समुदाय और भारत पर गर्व है। मोदी के भाषण को उत्कृष्ट बताते हुए फिल्म निर्माता करण जोहर ने कहा कि यह दुनिया भर के भारतीयों के लिए गर्व का क्षण था। निर्देशक शेखर कपूर ने कहा, ‘यह अद्भुत पाकिस्तान में पनाह पाए तालिबानी आतंकी हैं। इन आतंकियों को पाकिस्तान अपने कूटनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।’

मजिस्ट्रेट के ‘मौखिक निर्देश’ पर आरोपित की रिहाई की दलील पर पीठ ने जताया आश्चर्य

नई दिल्ली, प्रे़्ट : शीर्ष अदालत द्वारा आरोपित की जमानत रद्द करने के बावजूद उसे जेल से रिहा करने के मामले में सोमवार को गौतम बुद्ध नगर के जेल अधीक्षक सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। जेल अधीक्षक ने कोर्ट को जब यह बताया कि उसने जेल दौरे पर आए एक मजिस्ट्रेट के ‘मौखिक निर्देश’ पर आरोपित को रिहा किया था तो पीठ ने इस पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि जो भी इस तरह के लिए जिम्मेदार होगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी।

जस्टिस एनबी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसे अजीबोगरीब करार देते हुए कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो शीर्ष अदालत के जेल में मजिस्ट्रेट के खिलाफ जांच का आदेश दे सकती है। पीठ में शामिल दो अन्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और कृष्ण गुरुरी ने कहा कि यह बहुत ही अजीब है कि जेल अधीक्षक ने मजिस्ट्रेट के मौखिक निर्देश पर ऐसा किया। बता दें कि शीर्ष अदालत ने जेल अधीक्षक के खिलाफ दायर अवमानना याचिका को स्वीकार करते हुए उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था और 23 सितंबर को पेश होने को कहा था।

मोदी ने सीनेटर कॉर्निन की पत्नी को कहा ‘सॉरी’

न्यूयॉर्क, आइएनएस : अमेरिका के ह्यूस्टन में रविवार को आयोजित ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम की दुनियाभर में चर्चा हो रही है। इस कार्यक्रम में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहतरीन भाषण देने के अलावा अपने अनेकों अंदाज से सबको अपना मुरिद बना लिया।

एनआरजी स्टेडियम में हुए इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलावा अमेरिका के कई जाने-माने नेता भी मौजूद थे। टेक्सस से सीनेटर जॉन कॉर्निन भी पत्नी का जन्मदिन छोड़कर अंत तक कार्यक्रम में मौजूद रहे। मोदी को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने कॉर्निन की पत्नी के लिए बेव्द खूबसूरत वीडियो मैसेज रिकॉर्ड किया और उनसे माफ़ी मांगी। वीडियो में मोदी ने कहा, ‘मैं आपसे माफ़ी मांगना चाहता हूं क्योंकि आज आपका जन्मदिन है और आपके जीवन साथी मेरे साथ हैं। यह स्वाभाविक है कि आप मुझसे नाराज होंगी। लेकिन मैं आपको भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आपका जीवन खुशियों और समृद्धि से भग हो। शुभकामनाएं।’

मोदी के इस मैसेज के बाद उनकी इस भावना के लिए कॉर्निन ने उन्हें धन्यवाद को दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, ‘राष्ट्रपति

सुखियों में छया रहा ‘हाउडी मोदी’

न्यूयॉर्क, आइएनएस : ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में हुए ‘हाउडी मोदी’ के भव्य आयोजन ने दुनियाभर का ध्यान अपनी ओर खींचा। वैश्विक मीडिया ने खबर को प्रमुखता से जगह दी। स्थानीय समयानुसार रविवार दिन में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 50,000 भारतवशी अमेरिकी जुटे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यौते पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इसमें हिस्सा लेने पहुंचे थे।

बीबीसी ने इस भव्य आयोजन पर लिखा, ‘ह्यूस्टन में इस कार्यक्रम को करीब 50,000 लोग जुटे थे, जिसे ट्रंप ने एतिहासिक कार्यक्रम कहा। हाउडी मोदी कार्यक्रम अमेरिका में किसी विदेशी नेता का अब तक का सबसे बड़ा स्वागत कार्यक्रम था।’ द न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी खबर को जगह दी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा, ‘भारतीय प्रधानमंत्री के साथ ट्रंप ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच के साझा मूल्यों और आपसी संबंधों को प्रमाणित किया।’ वाल स्ट्रीट जर्नल ने भी एनआरजी स्टेडियम में मोदी और ट्रंप की उपस्थिति में हुए इस कार्यक्रम को भव्य बताया। वाशिंगटन पोस्ट ने दोनों नेताओं के बीच की केमिस्ट्री और उनके स्वागत में वहां बने माहौल का भी जिक्र किया।



अमेरिका के ह्यूस्टन स्थित एनआरजी स्टेडियम में ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम के दौरान सीनेटर जॉन कॉर्निन से हाथ मिलाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। एएफपी

डोनाल्ड ट्रंप के साथ ह्यूस्टन आने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद।’ ह्यूस्टन में कार्यक्रम के दौरान मोदी और ट्रंप ने पचास हजार भारतवर्षियों को संबोधित किया।

कार्यक्रम की तस्वीर साझा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, ‘भारतीय सभ्यता-संस्कृति की विशेषता और भारतीय समुदाय की उपलब्धियों को दर्शाता कार्यक्रम शानदार रहा।’

चमत्कृत हैं अमेरिका के सांसद

वाशिंगटन, आइएनएस : ह्यूस्टन में हुए ‘हाउडी मोदी’ के मेगा शो में शामिल हुए कई अमेरिकी सांसद और अमेरिकी प्रशासन के कई अफसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रमुखता से जगह दी। खासकर, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत व भारतीय मूल की अमेरिकी निवकी हेली और रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने ‘हाउडी मोदी’ की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस रेली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों के लिए एक मंच साझा किया।

निक्की हेलेी ने ट्वीट करके कहा, ‘अमेरिका और भारत के बीच जबरदस्त साझेदारी है और डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच दोस्ती और मजबूत हुई है।’ हेली ने पीएमओ के ‘हाउडी मोदी’ के वीडियो लिंक के जवाब में ट्रंप के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए कहा कि अमेरिका को प्रिय है भारत। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने रविवार को ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम के दौरान 50 हजार से अधिक प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत पृथ्वी पर सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका को उसका मित्र होने पर गर्व है। क्रूज ने ट्विटर पर समारोह की फोटो भी शेयर की।

मजिस्ट्रेट के ‘मौखिक निर्देश’ पर आरोपित की रिहाई की दलील पर पीठ ने जताया आश्चर्य

गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे गौतम बुद्ध नगर के जेल अधीक्षक

...तो क्या आतंकवादी को भी छोड़ देंगे

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जेल का दौरा करने वाले मजिस्ट्रेट ने पुलिस अधीक्षक को आरोपित को छोड़ने के लिए कहा था। उनके कहने पर ही जेल अधिकारी ने ऐसा किया। उन्होंने पीठ के समक्ष जेल रुक भी प्रस्तुत की। इस पर पीठ ने कहा कि मान लीजिए कोई मजिस्ट्रेट जेल के दौरे पर आता है और कहता है कि एक आरोपित जो आतंकवादी है, उसे रिहा कर दो तो क्या जेल अधीक्षक उसे रिहा कर देंगे। शीर्ष अदालत ने इसे गंभीर मामला बताया। अब इस मामले की अगली सुनवाई नवंबर में होगी। मेहता ने शीर्ष अदालत को बताया कि जिस आरोपित को जेल से रिहा किया गया था वह वर्तमान में जेल में बंद है।

जेल अधीक्षक नहीं करते कोर्ट के आदेश का पालन : सुनवाई की शुरुआत में जज सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार के अनुपालन के तहत जेल अधीक्षक कोर्ट में पेश हुए हैं। इस पर पीठ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि क्या अनुपालन 2 वे इस अदालत के आदेशों का पालन नहीं करते हैं। जेल अधीक्षक कहते हैं कि उन्होंने मजिस्ट्रेट के मौखिक निर्देश पर

कोर्ट ने कहा, जिम्मेदार व्यक्ति को कीमत चुकानी पड़ेगी, मजिस्ट्रेट के खिलाफ भी हो सकती है जांच

ऐसा किया है। पीठ ने कहा कि मजिस्ट्रेट मौखिक रूप से कहते हैं कि आरोपित को रिहा कर दो तो क्या जेल अधीक्षक सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बारे में नहीं सोचेंगे। उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इस मामले में हम उन न्यायाधीश के खिलाफ भी जांच का आदेश दे सकते हैं, जिनके मौखिक निर्देश पर आरोपित को रिहा किया गया है।

बिना मूर्ति का भी होता है मंदिर

► प्रथम पृष्ठ से आगे

जब धवन देवता और मंदिर के लिए मूर्ति या कोई आकार होने की दलीलें देते हुए कह रहे थे कि हर स्थान पवित्र नहीं माना जा सकता। स्थान को न्यायिक व्यक्ति या पवित्र स्थल मानने के लिए उसमें दिव्यता के अलावा पवित्रता का जो अनुष्ठान होता है वह किया होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैदिक काल में लोग नदी, पहाड़, सरोवर आदि का सम्मान करते थे उस वक़्त मूर्तें की पूजा नहीं होती थी। सिर्फ हवन होता था। इस पर जस्टिस बोबडे ने कहा कि मूर्तियों के बिना भी मंदिर होता है। उन्होंने तमिलनाडु के चिदंबरम मंदिर का हवाला दिया और कहा कि वह मंदिर आकाश का है। जस्टिस बोबडे ने चिदंबरम का अर्थ भी बताया।

राम और अल्लाह का सम्मान हो : धवन ने धर्मनिरपेक्षता की दुहाई देते हुए कहा कि राम और अल्लाह दोनों का सम्मान होना चाहिए। यह धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत है, नहीं तो देश बिखर जाएगा। उन्होंने इस संबंध में फिराक गोखपुरी का शेर पढ़ा-सर जमीने हिंद पर एक्काय ए आलम के फिराक, काफिले

बसते गए हिंदोस्तां बनता गया। उन्होंने कहा कि यही हिंदुस्तान है।

राम अयोध्या में जन्मे पर निश्चित स्थान नहीं बताया गया : धवन ने कहा कि राम वने में कोई विवाद नहीं है कि भगवान इस का जन्म अयोध्या में हुआ था लेकिन हिंदू पक्ष उनके जन्म का निश्चित स्थान नहीं बता पाया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ स्कंद पुराण और हंस बेकर यात्री की किताब का हवाले से निश्चित स्थान बताते हैं जो कि विश्वसनीय नहीं हैं।

मंगल, बुध, गुरु को एक घंटे ज्यादा होगी सुनवाई : सोमवार को सुनवाई एक घंटे ज्यादा शाम पांच बजे तक चली। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को भी इसी तरह सुनवाई होगी। हालांकि शुक्रवार को दोपहर एक बजे तक ही सुनवाई होगी। कोर्ट ने जब 18 अक्टूबर की सभाय सीमा तय की थी तभी संकेत दिया था कि जरूरत हुई तो एक घंटे ज्यादा सुनवाई की जाएगी। उसी दिन राजीव धवन ने शुक्रवार को सुनवाई न करने की गुहार लगाई थी जिस पर कोर्ट ने उन्हें शुक्रवार को आधे दिन ही सुनवाई करने का भरोसा दिया था।

आतंकी शिविरों का ठिकाना है बालाकोट

इस साल फरवरी में भारतीय वायुसेना ने एयर स्ट्राइक द्वारा बालाकोट में मौजूद आतंकी शिविरों को नष्ट किया था। लेकिन सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा है कि पाकिस्तान ने बालाकोट में आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर को फिर से सक्रिय कर दिया है। आइये जानते हैं कि यह शिविर क्या और कहाँ है। भारत में आतंक को निर्यात करने की पाकिस्तान की सबसे पुरानी योजना में इसे कैसे रखा गया है।



भारतीय जांबाजों ने किया था नेस्तनाबूद

भारतीय वायुसेना ने बालाकोट में जवाह टॉप नामक एक पहाड़ी पर हमला किया था, जहां जैश-ए-मुहम्मद के आतंकीयों ने डेरा जमा रखा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों द्वारा पाकिस्तान को दिए गए एक डोजियर के अनुसार, उस पहाड़ी पर मौजूद प्रशिक्षण शिविर छह एकड़ में फैला था, जिसमें 600 आतंकवादियों को ठहराया जा सकता था। डोजियर में जैश आतंकीयों की व्यापक सूची भी थी, जिन्होंने शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। साथ ही उसमें प्रशिक्षण शिविर के परिसर में घूम रहे आतंकवादियों के फोटोग्राफिक साक्ष्य, उनके व्यायाम कक्ष, गोला बारूद की जानकारी मौजूद थी।

केंद्र में आतंकवाद

बालाकोट ही नहीं पूरा मानसेहरा जिला, लंबे समय से पाकिस्तानी सुरक्षा प्रतिष्ठान की जिहादी परियोजना का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र में मस्जिदों और मदरसों की बहुत बड़ी संख्या है, और यहीं पर अफगान युद्ध के लिए और बाद में कश्मीर के लिए जिहादियों को प्रशिक्षित करने के लिए पहली बार आतंकी शिविर की स्थापना की गई थी। बालाकोट के करीब गद्दी हबीबुल्ला है, जहां हिजबुल मुजाहिदीन का प्रशिक्षण शिविर है।

जैश की गतिविधियों का केंद्र : भारतीय वायुसेना द्वारा की गई एयर स्ट्राइक के बाद अपनी मीडिया ब्रीफिंग में विदेश सचिव विजय गोखले ने उल्लेख किया था कि जैश प्रमुख मसूद अजहर ने बालाकोट आतंकी प्रशिक्षण शिविर की देखरेख की जिम्मेदारी अपने बहनोई युसुफ अजहर को दी थी। भारतीय डोजियर में युसुफ अजहर की तस्वीरें, उसके द्वारा उपयोग किए जाने वाले वाहन और बालाकोट में मौजूद फायरिंग रेंज की जानकारी थी। भारतीय खुफिया जानकारी के अनुसार, 1 अप्रैल, 2018 को बालाकोट में आतंकवादी भंतियों के पसिंग आउट में मसूद अजहर के भाई अब्दुल रऊफ असगर ने भाग लिया था।

बड़ा महत्व

बालाकोट का जैश-ए-मुहम्मद के लिए बहुत प्रतीकात्मक महत्व है। यह बरेलीवी आंदोलन के नेता सैयद अहमद शहीद और उनके सहयोगी शाह इस्माइल शहीद की कब्र है, जो मई 1831 में सिख सम्राट महाराजा रणजीत सिंह की सेना के खिलाफ लड़ते हुए यहां मारे गए थे। बालाकोट में जैश प्रशिक्षण शिविर का नाम सैयद अहमद शहीद के नाम पर रखा गया है। भारतीय खुफिया विभाग का मानना ​​है कि मसूद अजहर के दो भतीजों (पहला ताल्लू रशीद था, जो अजहर के बहनोई अब्दुल रशीद का बेटा था और नवंबर 2017 में पुलवामा में एक मुठभेड़ में मारा गया था। दूसरा आतंकी अवटुंबर 2018 में त्राल में मारा जाने वाला उस्मान हैदर जो आइसी-814 के अपहरण करने वालों में से एक इब्राहीम अजहर का बेटा) के मारे जाने के बाद जैश के सैयद अहमद शहीद प्रशिक्षण शिविर के आतंकी गतिविधियां अधिक संगठित हो गई, और शिविर में बड़ी संख्या में आतंकीयों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संघ और भाजपा के नेताओं की हत्या में शामिल तीन आतंकी गिरफ्तार

कार्रवाई ▶ किश्तवाड़ में आतंक की आग सुलगाने के लिए हुई थी परिहार बंधुओं की हत्या

हिजबुल आतंकी जहांगीर ने रची थी साजिश, चार साथियों संग है फरार

राज्य ब्यूरो, जम्मू

भाजपा के पूर्व प्रदेश सचिव अनिल परिहार व उनके भाई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अधिकारी चंद्रकांत शर्मा समेत चार लोगों की हत्या की गुत्थी को आखिर पुलिस ने सुलझा लिया है। एक वर्ष से दहशत फैला रहे हिजबुल मुजाहिदीन के तीन आतंकीयों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके दो ठिकानों को तबाह कर दिया है। फिलहाल, इन हत्याओं का मुख्य सूत्रधार मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर तीन अन्य साथियों और एक ओवरग्राउंड वर्कर रुस्तम फरार हैं। तीनों आतंकी किश्तवाड़ के ही रहने वाले हैं। इस पूरे मामले को सुलझाने में एनआइए और सेना की पुलिस के साथ सक्रिय भूमिका रही है।

जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक मुकेश सिंह बताया कि किश्तवाड़ समेत पूरे चिनाब क्षेत्र में फिर से आतंकवाद को हवा देने के लिए ही 10 लाख के इनामी आतंकी जहांगीर ने परिहार बंधुओं की हत्या की साजिश रची थी। पकड़े गए आतंकीयों में निसार अहमद शेख, निशाल अहमद और आजाद हुसैन शामिल हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर के अंत में भाजपा नेता अनिल परिहार और उनके भाई अजीत परिहार की इन्होंने हत्या कर दी थी। इसके साथ ही आजाद और निशाद के घर बने गुप्त ठिकाने भी ध्वस्त कर दिए गए हैं।

चार आतंकी और एक ओजीडब्ल्यू फरार : मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी किश्तवाड़



जम्मू संभाग के किश्तवाड़ में पकड़े गए आतंकी। सोमवार को पुलिस महानिरीक्षक जम्मू मुकेश सिंह ने इसकी जानकारी दी।

किश्तवाड़ में एक साल में हुई आतंकी वारदात

आतंकीयों ने एक नवंबर 2018 को भाजपा के तत्कालीन प्रदेश सचिव अनिल परिहार और उनके भाई की हत्या की थी।

8 मार्च 2019 को जिला उपायुक्त किश्तवाड़ के अंगरक्षक दलीन कुमार से उसकी राइफल छीनी।

आतंकीयों ने 9 अप्रैल 2019 को आरएसएस

अधिकारी चंद्रकांत शर्मा और उनके

अंगरक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

एक हफ्ते पहले आतंकीयों ने पीडीपी नेता शेख नासिर और उनके परिजनों को 10 घंटे बंधक बनाकर उनके अंगरक्षक की राइफल लेकर भाग गए थे।

लूटे हुए हथियार नहीं हुए बरामद : आड़जी जम्मू ने लूटे गए हथियारों की बरामदगी से इन्कार करते हुए कहा कि निशाद और आजाद हुसैन के घर में बने ठिकानों से हथियारों के एक खजोरे के अलावा कुछ अन्य साजो सामान भी मिले हैं। उन्हींमें बताया कि कश्मीरी आतंकी मोइन उल इस्लाम भी इन वारदात में शामिल रहा है।

धोखाधड़ी में आजम सहित पत्नी और बेटे को समन

जागरण संवाददाता, रामपुर : धोखाधड़ी के मामले में फंसे सांसद आजम खां, उनकी पत्नी व राज्यसभा सदस्य डॉ. तजीन फात्मा और बेटे विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ अदालत ने समन जारी किया है। तीनों को तीन अक्टूबर को कोर्ट में पेश होना है।

रामपुर स्थित गंज थाने में चार जनवरी को भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा कि आजम खां और उनकी पत्नी ने धोखाधड़ी से अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के दो-दो जन्म प्रमाण पत्र बनवा लिए हैं। इनका दुरुपयोग किया गया है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। अब अदालत ने इन तीनों को समन जारी कर दिए हैं।

एनजीटी ने दिए कार्रवाई के आदेश: समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खां को भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा कि आजम खां और उनकी पत्नी ने धोखाधड़ी से अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के दो-दो जन्म प्रमाण पत्र बनवा लिए हैं। इनका दुरुपयोग किया गया है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। अब अदालत ने इन तीनों को समन जारी कर दिए हैं।

एनजीटी ने दिए कार्रवाई के आदेश: समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खां को भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा कि आजम खां और उनकी पत्नी ने धोखाधड़ी से अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के दो-दो जन्म प्रमाण पत्र बनवा लिए हैं। इनका दुरुपयोग किया गया है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। अब अदालत ने इन तीनों को समन जारी कर दिए हैं।

दौरा भी नहीं उम्मीदें लाया है।

बढ़ेगी पर्यटकों की संख्या : भले ही पर्यटन के लहाजा से लड़ाख में वर्ष 2019 अधिक उत्पादवर्धक न रहा हो, लेकिन दो ऐतिहासिक फैसलों ने लद्दाखियों के हौसले बुलंद कर दिए। पहले लद्दाख को जम्मू कश्मीर का अलग डिवीजन बनाया। इसके बाद केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। बता दें कि लद्दाख में इस साल 2,26,771 पर्यटक आए। जबकि पिछले साल 2,64,760 पर्यटक आए थे। अब उम्मीद है कि 2020 में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि तय है।

अमृतसर में थाने से उठाए स्कैप में धमाका, दो मरे

जागरण संवाददाता, छेरटा (अमृतसर)

कैंटोनमेंट थाने से उठवाए गए स्कैप में सोमवार देर शाम धमाका होने से दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में ढाई साल के बच्चे सहित छह लोग जखमी हुए हैं। आशंका है कि स्कैप में भारी संख्या में आतिशबाजी के साथ-साथ कोई पुराना बम था।

कैंटोनमेंट थाने में इन दिनों साफ सफाई का काम चल रहा है। थाने के होमगार्ड गुरनाम सिंह ने तीन दिन पहले कबाड़ का काम करने वाले रत्न लाल से सफाई के बाद सारा स्कैप उठावा दिया था। इसमें लोहे का सामान, भारी संख्या में पुरानी आतिशबाजी के अलावा अन्य सामान था। रत्न लाल ने सारा स्कैप पुतलीघर के पास स्थित लगे-कुश नगर में अपनी गली में रहने वाली गंगा नाम की महिला के घर में रखवा दिया था।

सोमवार शाम कबाड़ी रत्न लाल, राजिंदर कुमार कुछ अन्य लोगों के साथ स्कैप की छंटाई रहे थे। बच्चों को स्कैप से पत्थरें दिलाने की बात कही जा रही थी। इस बीच उसमें पड़े पुराने बम को हथौड़ी से तोड़ते समय जोरदार धमाका हो गया। धमाके से रत्न लाल (65) और माहला गांव निवासी राजिंदर कुमार (50) की मौत हो गई, जबकि माहला निवासी शुभम,



धमाके के बाद घटना स्थल का जायजा लेते हुए पुलिस कमिश्नर सुखदेव सिंह मिल।जागरण

होमगार्ड का जवान गुरनाम सिंह, मंजीत कौर, यश कुमार व अभिषेक कुमार (ढाई साल) घायल हो गए।

राजिंदर ने ग्रेनेड से निकाली थी पिन : घटना स्थल पर मौजूद लोग बता रहे थे कि जब रत्न लाल और राजिंदर स्कैप को छोट रहे थे तो एक पुराना ग्रेनेड उनके हाथ लग गया था। राजिंदर ने ग्रेनेड की पिन निकाल दी। देखते ही देखते धमाका हो गया।

फोरेंसिक टीम लगाएगी पता : पुलिस कमिश्नर सुखचैन सिंह मिल ने कहा कि मंगलवार सुबह ही घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम पहुंचेगी। पता लगाया जाएगा कि धमाका किससे हुआ है।

आतंकीयों के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाए सेना : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : सेना की उत्तरी कमान की जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल रणवीर सिंह ने सोमवार को राज्यपाल सत्यपाल मलिक को राज्य के मौजूदा आंतरिक और बाहरी सुरक्षा परिदृश्य से रूबरू कराया।

उन्होंने राज्य के भीतरी हिस्सों में सक्रिय आतंकीयों के खिलाफ जारी सैन्य अभियानों से अवगत कराया। राजभवन के अनुसार, रणवीर सिंह ने राज्यपाल सत्यपाल मलिक को एलओसी पर जंगबंदी के उल्लंघन और घुसपैठ के किसी भी प्रयास से निपटने की सैन्य तैयारियों से अवगत कराया। उन्होंने राज्यपाल को राज्य के भीतरी इलाकों में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने में सेना के नागरिक प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ बनाए समन्वय की जानकारी भी दी। उन्होंने आतंकीयों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और आतंकी संगठनों में नए लड़कों की भर्ती रोकने के लिए अपनाई जा रही रणनीति पर भी राज्यपाल से विचार विमर्श किया।

छात्रा को झटका, हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक की मांग टुकराई

चिन्मयानंद प्रकरण

जार्स, प्रयागराज : शाहजहांपुर की दुष्कर्म पीड़िता को ब्लैकमेलिंग के केस में इलाहाबाद हाई कोर्ट से रहत नहीं मिली। पीड़िता ने खुद की गिरफ्तारी पर रोक लगाने व कोर्ट में पहले से दर्ज बयान को दोबारा दर्ज कराने की मांग को लेकर अर्जी दाखिल की थी। लेकिन, हाई कोर्ट ने इसे अस्वीकार कर दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वामी चिन्मयानंद पर शाहजहंपुर की एलएलएम छात्रा से दुष्कर्म करने जबकि पीड़ित छात्रा पर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप है। दोनों मामलों की जांच कर रही एसआइटी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में सीलबंद लिफाफे में प्रगत रिपोर्ट के साथ केस डायरी पेश की।

वहीं, चिन्मयानंद सहित पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के तीनों आरोपितों संजय सिंह, विक्रम व संचिन की जमानत अर्जी सहानरपुर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दी। चिन्मयानंद की जमानत के लिए उनके वकील ओम सिंह ने जमानत अर्जी दाखिल की थी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मनोज मिश्र और न्यायमूर्ति मंजुरानी चौहान की पीठ ने प्रगत रिपोर्ट व केस डायरी को देखा और एसआइटी जांच व कार्रवाई को संतोषजनक माना। अब जर्ज की प्रगत रिपोर्ट 22 अक्टूबर को पेश करने का आदेश दिया है। पीड़िता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रविकिरण का कहना था कि कोर्ट में पीड़िता का बयान दर्ज करते समय रिकॉर्डिंग नहीं की गई, उसके बयान में बदलाव किया गया है। हर पृष्ठ पर हस्ताक्षर नहीं लिए गए। पेज क्रमवार नहीं हैं।

बयान दर्ज करते समय एक महिला मौजूद थी। जो लगातार कुछ रिकॉर्ड कर रही थी। कोर्ट ने इन तर्कों पर कह कि ऐसा कोई कानून नहीं है कि हर पेज पर साइन कराया जाए। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-164 के तहत कोर्ट में दर्ज बयान फिर से कराने की पीड़िता की मांग को कोर्ट ने यह कहते हुए मानने से इन्कार कर दिया कि ऐसा कोई वैधानिक उपबंध नहीं है। इस मुद्दे पर कोर्ट ने कहा कि इस पर संबंधित न्यायाय विचार करेगी। वहीं, एसआइटी की ओर से शासकीय अधिवक्ता एसके पाल व अपर



पुलिस का आलाधिकारी पहुंचाता फायदा उससे पहले खुल गया राज

पुलिस का आलाधिकारी पहुंचाता फायदा उससे पहले खुल गया राज

हनीट्रैप मामले

नईदुनिया, भोपाल : मध्य प्रदेश के हाई प्रोफाइल हनी ट्रैप मामले में प्रतिदिन नए राज उजागर हो रहे हैं। पता चला है कि पुलिस मुख्यालय के एक आलाधिकारी द्वारा गिरोह की एक महिला को फायदा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था। फायदा मिलने से पहले ही मामला उजागर हो गया। गौरतलब है कि इंदौर नगर निगम के इंजीनियर हरभजन की शिकायत के बाद ही हनी ट्रैप मामले का राजफाश हुआ था। इसमें कई नेताओं और अधिकारियों की संलिप्तता की बात सामने आ रही है।

सूत्रों के मुताबिक, गिरोह की एक महिला कुछ महीने पहले एक वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी के संपर्क में आईं तो उसने उसे फायदा पहुंचाने के लिए रस्ता ढूंढने का दिलासा दिया। इस अधिकारी के पास महिला कई बार पहुंची। उसकी अधिकारी के कक्ष में सीधी एंट्री थी। अधिकारी वैज्ञानिक जांच से जुड़ी सामग्री की खरीदी के लिए महिला के साथ कई बैठकें कर चुका था, लेकिन इसी बीच गिरोह का राजफाश हो गया। बताया जा रहा है कि अधिकारियों की संलिप्तता के चलते इस गिरोह को राजनीतिक रंग देकर जांच की दिशा को मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह भी पता चला है कि गिरोह की सदस्य श्वेता विजय जैन रतना दिखाने के लिए जिस मसंडीज में घूमती थी, वह महाराष्ट्र के पुनवेल से खरीदी गई थी।

इंजीनियर निलंबित, एसआइटी गतिर : इंदौर में नगर निगम के इंजीनियर (अधीक्षण यंत्री) हरभजन सिंह को सोमवार को प्रभावी निगमायुक्त एस. कृष्ण चैतन्य ने निलंबित कर दिया। महापौर मालिनी गौड़ ने प्रभारी निगमायुक्त को निर्देश दिए थे कि वह सिंह को निलंबित करें। इससे पहले उन्होंने नगरीय विकास मंत्री जयवर्धनसिंह से भी हरभजन को निलंबित करने का आग्रह किया था। इसके बाद आदेश जारी हुए। उपर, हनीट्रैप मामले में पुलिस मुख्यालय ने एसआइटी का गठन कर दिया है।

चिन्मयानंद और रंगदारी के आरोपितों की जमानत अर्जी खारिज

एसआइटी की दाखिल प्रगत रिपोर्ट व केस डायरी से कोर्ट संतुष्ट

चिन्मयानंद के दिल में ब्लॉकेज नहीं
यौन शोषण के आरोपों में घिरे चिन्मयानंद सोमवार सुबह शाहजहंपुर से लखनऊ पहुंचे। उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच एसजीपीजीआइ लाया गया। यहां आइसीसू में भर्ती किया गया। हृदय रोग की शिकायत होने पर उनकी एंजियोग्राफी की गई, मगर धमनी में कोई ब्लॉकेज नहीं निकला। एैसे में डॉक्टर शीघ्र ही उनकी छुट्टी का दावा कर रहे हैं।

विक्रम और सचिन 95 घंटे की एसआइटी की रिमांड पर

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के तीन में से दो आरोपितों विक्रम और सचिन को 95 घंटे की रिमांड पर लिया गया है। एसआइटी उनसे पूछताछ कर कुछ और साक्ष्य एकत्रित करेगी।

शासकीय अधिवक्ता एके संड ने कोर्ट को बताया कि पीड़िता व ब्लैकमेलिंग के अन्य आरोपितों के बीच गहरें संबंध हैं। इसकी लेकर जांच टीम ने फोन कॉल रिकॉर्ड की सूची भी पेश की। बताया कि इन वीडियो क्लिपों की जांच कराई गई है। इसमें ब्लैकमेलिंग के आरोपितों संजय व संचिन उर्फ सोनू का पीड़िता से गहरे संबंध का पर्दाफाश हुआ है। लोकेशन भी एक साथ पाई गई है। चार हजार से अधिक कॉल डिटेल मौजूद हैं।

वैद्य ने सुनवाई की मांग नामंजूर : प्रदेश सरकार के अधिवक्ता ने कोर्ट से मांग की कि मामले की सुनवाई चैम्बर में की जाए। चिन्मयानंद के अधिवक्ता दिलीप कुमार ने इस पर आपत्ति की। कहा कि एसआइटी तो प्रेस कांफ्रेंस कर सारी जानकारी दे रही है। ऐसे में इस मामले में गोपनीयता की जरूरत नहीं है।

पेश किया गया कॉल डिटेल : एसआइटी के आइजी नवीन अरोड़ा ने कोर्ट को बताया कि पीड़िता और संजय के बीच 40200 बार बात हुई है। दोनों की बातचीत से जुड़ा पूरा कॉल डिटेल कोर्ट में पेश किया गया।

गुजरात में हिंसा की साजिश रचने वाला आतंकी गिरफ्तार

आतंक पर अंकुश ▶ 16 साल बाद आया शिकंजे में, अरब में रहता था

पाकिस्तान में आतंकी संगठनों व आइएसआइ से ली थी मदद

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

गुजरात दंगों के बाद प्रदेश के युवकों को धर्म के नाम पर बरगलाकर हिंसा भड़काने व हिंदू नेताओं की हत्या की साजिश रचने के मामले में वांछित आतंकी अब्दुल वहाब शेख को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वह पाकिस्तानी आतंकी संगठनों व आइएसआइ के संपर्क में था। 16 साल से फरार आतंकी शेख सऊदी अरब में रह रहा था।

आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) व अहमदाबाद अपराध शाखा ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए शहर के सरदार पटेल हवाईअड्डे पर जाल बिछाया। सऊदी अरब से आने वाले विमान से उतरने के बाद शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। गृह राज्यमंत्री प्रदीप सिंह जाड़ेजा ने पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि शेख के जरिये पता चल सकेगा कि उसने कहां-कहां स्लीपर सेल तैयार किए हैं।

गुजरात के जामनगर में चोर होने के संदेह में पीट-पीटकर हत्या

जामनगर, प्रेट्र: गुजरात के जामनगर जिले में सात लोगों ने चोर होने के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को इस आशय की जानकारी दी। मोती खावडी गांव में रविवार को हुई इस घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। मेधपार थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मानसिक रूप से बीमार करीब 35 वर्षीय व्यक्ति रविवार सुबह दीवार फांदकर घर में घुसा। उसने खिड़की भी तोड़ दी। इस मकान में आरोपित ठहरे हुए थे। उसके बाद वह गालियां देते लगा जिसके आधार पर आरोपितों ने चोर समझ लकड़ी, प्लास्टिक के डंडों से पिटाई शुरू कर दी। पिटाई से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आरोपित समीप ही स्थित फेब्रिकेशन फर्कट में गुप्तावाइजर के रूप में काम करने हैं और किराए के मकान में रहते हैं। जानकारी पर पुलिस घटनास्थल पहुंची।

बाद में पुलिस ने देवरिया निवासी प्रभाकर त्रिपाठी, सुल्तानपुर निवासी योगेश सिंह और बिहार के मनोज सिंह को गिरफ्तार कर लिया। अन्य चार आरोपित साहिल अंसारी, प्रकाश कुमार, संतोष मोर्घे और शिवाजी उद्भव की तलाश की जा रही है।

अमेरिका में फोटो देखते ही दुष्कर्मों को पहचान गई पांच साल की बच्ची

जागरण संवाददाता, गया

महज पांच साल की उम्र में दुष्कर्म का दर्श। गया के विशेष दत्तक ग्रहण केंद्र में मिले अंतहीन दर्द से बच्ची आज भी कराह रही। गोद लेने वाले अमेरिकी दंपती ने जब उससे पूछा तो वह कुछ बता नहीं पाई। मासूम क्या जाने, दुष्कर्म-दुष्कर्म! अंततः दंपती ने दत्तक केंद्र के निदेशक और कर्मियों की तस्वीर उसके आगे रख दी। निदेशक और एक कर्मी की तस्वीर पर अंगुली रखकर बच्ची फफक पड़ी। चेहरे पर खोंफ का एक साया उभर आया। स्थानीय लोगों की मानें तो कुछ अनजान लोगों का दत्तक केंद्र में चोर में आना-जाना लगा रहता था। उनमें महिलाएं भी शामिल थीं। सुबह होने से पहले वे सभी वहां से निकल जातीं थे। आस-पास के लोग सिर्फ गाड़ी को आवाज सुनते थे।

गया के लखीबाग मोहल्ले में दत्तक केंद्र का संचालन हो रहा था, जिस पर फिलहाल ताला लटक चुका है। अमेरिकी दंपती ने वही से बच्ची को गोद लिया था। दंपती की शिकायत पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी राजन कुमार

गया के दत्तक केंद्र में पांच वर्षीया बच्ची के साथ हुआ था दुष्कर्म

अमेरिकी दंपती ने लिया है गोद, निदेशक की तस्वीर पर अंगुली रख फफक पड़ी

अमेरिकी दंपति द्वारा लगाए आरोप की जांच चल रही है। वहां से मेडिकल जांच रिपोर्ट मंगाकर पुलिस अध्ययन करेगी।।बच्ची को गोद देने से पहले मेडिकल जांच हुई थी। पुलिस उस रिपोर्ट का भी अध्ययन करेगी।

–राजीव मिश्र, एसएसपी, गया

ने प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी के मुताबिक बच्ची से वही पर दुष्कर्म हुआ। केंद्र निदेशक के साथ पांच कर्मी नामजद हैं, जेल भेजे जा चुके हैं। उन सब पर पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई हो रही है।

प्राथमिकी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जब बच्ची के पेट और गुप्तांग में मंद दह हुआ तो दंपती ने अमेरिका में जांच कराई। गुप्तांग में सूजन थी। जांच कर डॉक्टर ने यौन शोषण की जानकारी दी। उसके बाद अमेरिकी दंपती ने

भारतीय दूतावास को इसकी जानकारी दी। वहां से गया पुलिस-प्रशासन को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश मिला। अमेरिकी दंपती अगर सजग नहीं होता तो दत्तक केंद्र का रह कलंक उजागर ही नहीं होता। शनिवार को पटना से आए प्रशिक्षु एसपी हृदयकांत के साथ गया के डीसीएलआर ललित मोहन रंजन और बाल संरक्षण अधिकारी ने दत्तक केंद्र को सील कर दिया। दत्तक केंद्र को संचालन इकोविक नामक गैरसरकारी संगठन कर रहा था, जो अब अपने बचाव में तमाम तर्क गढ़ रहा है। एसएसपी कह रहे कि पुलिस हर पहलू से जांच करेगी। इस मामले में जो भी दूषी होंगे उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नामजद पांच आरोपित: दत्तक केंद्र के निदेशक विनोद कुमार, संचालिका पूरम राय, खुशबू राय, पवन कुमार और सुरेंद्र कुमार के खिलाफ नामजद आरोपित हैं।

भेजे गए बच्चे: दत्तक केंद्र में 13 बच्चे थे, जिनकी उम्र तीन से सात वर्ष के बीच थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 10 बच्चे मुंगेर और तीन को बांका स्थित दत्तक केंद्र भेज दिए गए।

जमानत को हाई कोर्ट पहुंचे राजीव कुमार 30 तक बढ़ाई गई छुट्टी

जागरण संवाददाता, कोलकाता : कोलकाता के पूर्व पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। याचिका उनकी पत्नी की तरफ से दी गई है।

वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार ने एडीजी (सीआइडी) राजीव कुमार की छुट्टी की मियाद पहले ही दो दिनों यानी 25 सितंबर तक बढ़ा दी थी, लेकिन अब बता चला है कि 5 दिन और छुट्टी की अवधि बढ़ाते हुए 30 सितंबर तक कर दिया है। बता दें साराधा चिटफंड घोटाला में सुबूतों में छेड़छाड़ में ऑपित राजीव कुमार को पिछले कई दिनों से लगातार सीबीआइ तलाश रही है लेकिन वह हाथ नहीं आ रहे हैं।

मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई हो सकती है। उनके करीबी सूत्रों ने बताया कि एफआइआर व चार्जशीट में नाम नहीं होने के बावजूद उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश में जुटी सीबीआइ की मंशा को लेकर यह याचिका लगाई गई है। हालांकि, पिछले सप्ताह हाई कोर्ट ने ही उनकी गिरफ्तारी पर लगी रोक को हटा दी थी। राजीव कुमार पिछले 11 दिनों से भूमिगत हैं जबकि उनकी जमानत के लिए लगातार याचिकाएं विभिन्न कोर्ट में लगाई जा रही हैं। अभी दो दिन पहले ही उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करते हुए अलीपुर कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि सीबीआइ चाहे तो कुमार को गिरफ्तार कर सकती है। इसके लिए किसी कोर्ट आर्डर की जरूरत नहीं होगी। अब राजीव कुमार की ओर से अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई है।

रिफाइनरी के नजदीक रहना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक

मुंबई, प्रेट्र: बांबे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि मुंबई के माहुल इलाके की प्रदूषित हवा में रहना न केवल लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि इससे रिफाइनरियों की सुरक्षा को भी खतरे में है।

मुख्य न्यायाधीश प्रदीप नंदराजोग और जस्टिस भारती डांगरे की पीठ ने कहा कि महागष्ट सरकार किसी भी व्यक्ति को माहुल स्थित आवासीय कॉलोनी में रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकती है। पीठ उन लोगों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनके तानसा पाइपलाइन के इर्द-गिर्द बने 15,000 से अधिक अनधिकृत घरों को एक अभियान के दौरान गिरा दिया गया था। बता दें कि यह अभियान पिछले साल बांबे हाई कोर्ट के आदेश पर चलाया गया था।

दरअसल, बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कारपोरेशन (बीएमसी) ने विस्थापित लोगों को प्रदूषित क्षेत्र माहुल में स्थित एक आवासीय कॉलोनी में स्थानांतरित कर दिया था। यहां पर रिफाइनरी और केमिकल इकाइयां हैं। हालांकि कई परिवारों ने वहां जाने से इनकार करते हुए दावा किया कि वह वहां की वायु गुणवत्ता बहुत खराब है और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है।

उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ द्वारा पारित एक अप्रैल 2019 के आदेश को ध्यान में रखते हुए मुख्य न्यायाधीश नंदराजोग की ओरुवाई वाली पीठ ने सोमवार को कहा कि सरकार विस्थापितों को या तो अन्यत्र रहने के लिए घर दे नहीं तो उन्हें प्रत्येक महीने 15,000 रुपये बतौर किराए के रूप में दे, जिससे कि वे

महाराष्ट्र में कुएं में मिली महिला और उसकी चार बेटियों की लाश

बुलढाणा, प्रेट्र: महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के एक कुएं में सोमवार को एक महिला और उसकी चार बेटियों के शव मिले। ग्रामीणों के मुताबिक महिला के पति की भी कुछ महीने पहले संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

पुलिस के मुताबिक महिला रविवार शाम अपनी बेटियों के साथ मेहकर तहसील स्थित अपने घर से यह कहकर निकली थी कि वह खेत पर जा रही है।

जब वह दर शाम तक घर नहीं लौटी तो परिवार के सदस्यों और अन्य ग्रामीणों ने इलाके में उनकी तलाश की। सोमवार सुबह महिला उज्ज्वला बबन ढोके (35) और उसकी बेटियां वैष्णवी (9), दुर्गा (7), आरुषि (4) और पल्लवी (1) के शव गांव के पास एक कुएं में पड़े मिले। कुएं के पास ही इनकी चप्पलें भी मिलीं।

शवों को कुएं से निकालने के बाद उन्हें पोस्टमार्टम के लिए एक सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। थाना प्रभारी दिलीप मातरम के मुताबिक यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कहीं यह मामला सामूहिक आत्महत्या से उभरे बाद किसी भी लड़की को अपने बारे में फैसले लेने का अधिकार है।

केदारनाथ से लौट रहा हेलीकॉप्टर हुआ दुर्घटनाग्रस्त, सभी यात्री सुरक्षित



तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ हेलीकॉप्टर।

संवाद सहयोगी, रुद्रप्रयाग

केदारनाथ से यात्रियों को लेकर फाटा के लिए उड़ान भरते समय यूटी एयर कंपनी के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने से पावलट को केदारनाथ हेलीपैड पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। इसी दौरान हेलीकॉप्टर जमीन से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, हेलीकॉप्टर के पावलट समेत उसमें सवार सभी

गाली-गलौज करने वाले भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह पर मुकदमा

बांबे हाई कोर्ट ने माहुल स्थित प्रदूषित इलाके में विस्थापितों को रखने के खिलाफ सुनाया फैसला

पीठ ने कहा, बीएमसी लोगों को अन्यत्र रहने के लिए घर दे या फिर 15,000 रुपये महीना बतौर किराया दे



बांबे हाई कोर्ट।

फाइल फोटो

अपने लिए घर खोज सकें।

बता दें कि 15,000 प्रभावित परिवारों में से अब तक मात्र 200 लोग माहुल में रहने गए हैं। हालांकि अदालत ने आदेश दिया है कि सरकार और बीएमसी किसी अन्य व्यक्ति पर वहां जाने के लिए दबाव नहीं डाले और जो लोग वहां रह रहे हैं, उन्हें सूचित करें कि वे जगह छोड़ने का विकल्प चुन सकते हैं। बीएमसी ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प देने की बात करते हुए न्यायालय से आदेश पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन पीठ ने स्टे देते से इनकार कर दिया।

उप्र में पॉलीटेक्निक की छात्राओं से जबरन साफ करा रहे शौचालय

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित सावित्री बाई फूले राजकीय महिला पॉलीटेक्निक में अव्यवस्थाएं चरम पर हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री के पोर्टल और डीएम को छात्राओं ने शिकायत भेजी है, जिसमें जबरन शौचालय, बाथरूम सहित पूरा हॉस्टल साफ कराने के आरोप गाए गए हैं।

यह भी आरोप है कि घंटिया खाने के साथ ही उसमें कीड़े निकलते हैं। पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। खाने की फोटो लेने व शिकायत करने वाली एक छात्रा की पिटाई तक कर दी गई। चिकित्सा सुविधा भी नहीं मिलती। विशेष करने पर छात्राओं को फेल करने की धमकी दी जाती है।

पॉलीटेक्निक की 26 छात्राओं ने अपना नाम गोपनीय रखते हुए कहा है कि मानसिक प्रताड़ना में गुजर रही एक-दो छात्राएं खुदकशी भी कर सकती हैं। प्रधानाचार्य दिलीजिंदर कौर का कहना है कि छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोप बेवुनियाद हैं। मानदेय पर दो सफाईकर्मी रखे गए हैं। मेस को-ऑपरेटिव आधार पर संचालित होता है। उधर, कन्नौज जिले के निवासी अधिवक्ता एवं एक छात्रा के पिता सर्वेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने



देहरादून रोड स्थित राजकीय महिला पॉलीटेक्निक में शौचालय की सफाई करती छात्रा। सौ. छात्रा

डीएम आलोक कुमार पांडेय को भेजे पत्र में कहा है कि उनकी पुत्री संस्थान में द्वितीय वर्ष की छात्रा है। एक पत्र में दो की जगह चार लड़कियों को रखा गया है। आरोप है कि एक छात्रा ने प्रधानाचार्य से सब्जी में कीड़े की शिकायत की तो उसका सामान फिंकवाने की धमकी दी गई।

बाल-वाल बचे असम के मुख्यमंत्री सोनोवाल

लखीमपुर (असम), प्रेट्र: तकनीकी खराबी के चलते असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल को लेकर जा रहे एक हेलीकॉप्टर की सोमवार को लीलाबरी एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

दरअसल, सोनोवाल हेलीकॉप्टर से गुवाहाटी से लखीमपुर जा रहे थे। वह उस समय बाल-वाल बच गए जब असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर घने बादलों के चलते पावलट को पहाड़ियों के ऊपर से गुजरने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पावलट ने पहाड़ियों के ऊपर से निकलने की कोशिश में तीन बार हेलीकॉप्टर को और ऊंचा करने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। इसके बाद पावलट ने लीलाबरी एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग करग दी।

पहल

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अनूटे अनुष्ठान से दिया भ्रूण हत्या न करने का संदेश, दशाश्वमेघ घाट पर हुई जुटान

अजन्मी 5500 बेटियों का किया श्राद्ध

जागरण संवाददाता, वाराणसी

संस्कृति और संस्कार की नगरी काशी ने मातृ नवमी पर सोमवार को अजन्मी 5500 बेटियों के नाम श्राद्ध अनुष्ठान किया। गर्भ में ही मार कर जीने के अधिकार से वंचित कर दी गई ज्ञात-अज्ञात मातृ शक्ति को मोक्ष-मुक्ति का अधिकार दे दिया। इसके जरिए कन्या भ्रूण हत्या न करने के संदेश के साथ ही ऐसा करने वालों को धिक्कारा भी।

सामाजिक संस्था आगमन के आह्वान पर आश्विन कृष्ण नवमी पर खड़ी दोपहरी में गंगा किनारे दशाश्वमेघ घाट पर जुटान हुई। श्रद्धा के साथ काशीवासियों ने मिट्टी की एक कतार में वेदियां बनाईं। कोख में दम तोड़ चुकी बेटियों के नाम 5500 पिंड बनाए।

पांच वैदिक ब्राह्मणों ने मंत्र पढ़ा और अभागे माता-पिता के कलुषित सोच के कारण कोख में कवलित हुई हर एक बेटी के मोक्ष की कामना से शस्त्रों में वर्णित परंपराानुसार श्राद्ध और तर्पण कर दिया। इस तरह अब तक 26000 बेटियों का पिंडदान व तर्पण कर चुके संस्था सचिव डा. संतोष ओझा ने विधि विधान से ब्राह्मणों को भोजन करा



उत्तर प्रदेश के वाराणसी में दशाश्वमेघ घाट मार्ग पर अजन्मी बेटियों की मोक्ष की कामना से पिंडदान करते आम्रामन संस्था के सदस्य।

कर अनुष्ठान पूरा करया।

उन्होंने कहा कि आमतौर पर गर्भपात को एक आपरेशन माना जाता है लेकिन स्वार्थ में डूबे अजन्मी बेटियों के अभागे माता-पिता यह भूल जाते हैं कि भ्रूण में प्राण वायु के संचार के बाद किया गया गर्भपात जीव हत्या है जो 90 फीसद मामलों

में होता है। स्पष्ट है कि अधिकांश गर्भपात के नाम पर जीव हत्या की जा रही है। धर्म ग्रंथ में कहा गया कि अकाल मृत्यु में शांति प्राप्ति न होने से जीव भटकता है जो परिजनों के दुख का कारण भी बनता है। शास्त्रीय विधि से श्राद्ध कर्म कर जीव को शांति प्रदान की जा सकती है।

बाबुल पर हमला करने वाले छात्र के बदले सुर, कहा-नहीं की कोई गलती

जागरण संवाददाता, कोलकाता

कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय में केन्द्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो पर हमला करने वाले आरोपित छात्र के सुर बदल गए हैं। आरोपित छात्र देवांजन बल्लभ ने सोमवार को अपने बयान में कहा कि उसने जो कुछ भी किया, वह गलत नहीं था। उसे किसी तरह का अफसوس नहीं है। इसके अलावा देवांजन ने दावा किया है कि बाबुल सुप्रियो से माफ़ी मांगने का उनकी मां का जो वीडियो सामने आया है वह भी उनकी मां को डरा-धमकाकर बनवाया गया है। बता दें घटना के एक दिन बाद देवांजन के फेसबुक पर एक पोस्ट आया था, जिसमें लिखा था कि बाबुल को हमले की वजह शर्मिंदगी हमसूस हो रही है। इस बारे में जब देवांजन से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह पोस्ट उन्होंने नहीं किया था, बल्कि किसी ने फजी अकाउंट से पोस्ट किया था। बाबुल का बाल पकड़ने वाली जो तस्वीर वायरल हुई है उस

कहा- मेरी मां को धमकाकर बनवाया गया था वीडियो

हमले की वायरल तस्वीर पर कहा कि मूल तस्वीर से छेड़छाड़ की गई

बारें में भी देवांजन ने दावा किया कि वास्तविक तस्वीर से छेड़छाड़ की गई है। पिछले मुकदमा की विधि परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे बाबुल सुप्रियो पर छात्रों के एक समूह ने हमला कर दिया था। इसका एक वीडियो व तस्वीर सामने आई है जिसमें देवांजन, सुप्रियो का बाल पकड़ कर खींच रहा है। इस बारे में जब सोमवार को उनसे पूछा गया तो देवांजन ने साफ कहा कि उन्होंने आमरक्षकों में ही सांसद बाबुल सुप्रियो का बाल पकड़ लिया था।

कैंसर पीड़ित मां ने मांगी थी माफ़ी : इस घटना के बाद उनकी कैंसर पीड़ित मां ने

बाबुल से माफ़ी मांगी थी, जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने आश्वास किया था कि वह देवांजन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उनकी मां को भाजपा कार्यकर्ताओं ने डरा व धमकाकर जबरदस्ती वीडियो बनवाया था।

प्रदर्शनकारी एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर बाल प्रयोग : बाबुल सुप्रियो के साथ की गई मारपीट के विरोध में शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जमकर प्रदर्शन किया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने बाबुल जादवपुर विवि के पास पहुंचे। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने अवरोधक लगा रखा था। वहां पुलिस प्रदर्शनकारियों एवं पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। बताया गया है कि प्रदर्शनकारी एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मौके पर तैनात पुलिस पर पत्थरबाजी की। इस दौरान पुलिस ने भी लाठीचार्ज किया।



दैनिक जागरण

कोई भी रिश्ता भरोसे की नींव पर ही खड़ा होता है

बाज न आता पाकिस्तान

सेना प्रमुख बिपिन रावत का यह कथन पाकिस्तान के आतंकी चरित्र को ही बयान करता है कि बालाकोट में आतंकियों के ठिकाने को फिर से सक्रिय कर दिया गया है। यह वही आतंकी ठिकाना है जिसे पुलवामा हमले के बाद भारतीय वायुसेना ने हवाई हमले के जरिये ध्वस्त किया था। माना जाता था कि इस हवाई हमले के बाद उसके ह्वेश ठिकाने आ जाएंगे, लेकिन अब पता चल रहा है कि ऐसा नहीं हुआ। इसे देखते हुए यह सर्वथा उचित है कि सेना प्रमुख ने बिना किसी लागू लपेट कहा कि अगली बार बालाकोट से भी बड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पाकिस्तान से कम से कम पांच सौ आतंकी भारत में घुसने की फियक में हैं। इसका मतलब है कि पाकिस्तान आसानी से मानने वाला नहीं है। कश्मीर पर उसके गर्जन-तर्जन से यह जाहिर भी हो रहा है। वह इस तरह बोलया हुआ है जैसे जम्मू-कश्मीर पर वही शासन कर रहा हो। कश्मीर पर पाकिस्तान की बौखलाहट यही बताती है कि कोई देश किस तरह दिवास्वप्न से ग्रस्त होकर अपने को बर्बादी के रास्ते पर ले जा सकता है। उसे केवल यही मुगलता नहीं था कि मुस्लिम जगत की ठेकेदारी उसके पास है, बल्कि वह इस सनक से भी ग्रस्त था कि एक दिन कश्मीर उसका होगा। वह इस सनक का शिकार तब है जब उसकी अर्थव्यवस्था स्थापना में है और उसे एक तरह से भीख मांगकर गुजारा करना पड़ रहा है।

हलांकि पाकिस्तान के आम लोग यह जान-समझ रहे हैं कि विश्व व्यापी बदामी के कारण दुनिया उस पर ध्यान नहीं दे रही है, लेकिन पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान और खासकर उसकी सेना को शायद इसकी परवाह नहीं। हैरानी इस पर है कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान सच को स्वीकार करने के बजाय अपनी आतंकपरस्त सेना की कठपुतली बनना पसंद कर रहे हैं। पाकिस्तान एक ओर खुद को आतंक पीड़ित बताता है और दूसरी ओर किस्म-किस्म के आतंकियों को पालने-पोसने का भी काम करता है। उसकी इसी दुष्प्रवृत्ति को गत दिवस ट्यूस्टन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और साथ ही एक तरह से विश्व समुदाय के समक्ष इस सवाल के जरिये बयान किया कि आखिर 9-11 और 26-11 के आतंकी हमलों के साजिशकर्ता कहां पाए गए? आतंक के रास्ते पर चलते रहने पर आमादा पाकिस्तान यही जाहिर कर रहा है कि वह अभी भारत समेत दुनिया के लिए सिरदर्द बना रहेगा। हलांकि दुनिया पाकिस्तान का रोना-धोना सुनना पसंद नहीं कर रही है, लेकिन उसकी हरकतों को देखते हुए भारत को उससे नफे सिर से निपटने की तैयारी रखनी चाहिए। यह तैयारी निर्णायक ही होनी चाहिए।

एनआरसी का खौफ

असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण (एनआरसी) लागू होने के बाद जब लाखों लोगों का नाम उसमें नहीं आया तो यह देखकर बंगाल के लोगों में खौफ देखा जा रहा है। एनआरसी से लोग इतने आतंकित दिख रहे हैं कि बंगाल में दो लोगों ने खुदकशी कर ली। सही में यह मामला बहुत ही संवेदनशील एवं गंभीर है। एनआरसी के मुद्दे पर दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर लौटी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर कहा कि बंगाल में एनआरसी लागू नहीं किया जाएगा। दिल्ली से लौटने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा- ‘कौन क्या कह रहा है, इसे लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं जब तक हूँ, तब तक सभी सुरक्षित रहेंगे। मैं आपकी पहरेदार थी, हूँ और रहूंगी। भारत के नागरिक पर भी हाथ उठाने से पहले मुझपर हाथ उठाना होगा।’ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगे कहा कि एनआरसी को लेकर बयान देने वाले भाजपा के नेताओं से अपील करती हूँ कि वे ऐसा न करें, क्योंकि यह मामला बहुत ही संवेदनशील है और लोगों से जुड़ा है। देखा जा रहा है कि बांग्लादेश से सटे सीमावर्ती जिलों में एनआरसी को लेकर लोगों में अधिक खौफ है। हजारों की संख्या में हर दिन लोग बीडीओ, एसडीओ से लेकर अन्य अफसरों के दफ्तर में पहुंचकर अपने-अपने दस्तावेज दुरुस्त कराने की कोशिश कर रहे हैं। जब केंद्र सरकार की ओर से यह साफ कह दिया गया है कि जो भारत के नागरिक हैं, उन्हें भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है, फिर भी लोगों में खौफ क्यों? यह सही नहीं है।



ए. सूर्यप्रकाश

घाटी के कश्मीरी नेताओं ने अपनी मुहिम को कुछ इस तरह चलाया कि उनके हिस्से में पंथनिरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक परंपराएं न पनपने पाएं

मोदी सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के ऐतिहासिक कदम को छह सप्ताह बीत गए हैं। इस महत्वपूर्ण कदम पर वैश्विक एवं घरेलू प्रतिक्रियाओं की पड़ताल करें तो यही अहसास होगा कि जवाहरलाल नेहरू और बाद में नेहरूवादियों के अनिर्णय के कारण भारत को कितनी बड़ी कीमत अदा करनी पड़ी। बीते पांच वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक कूटनीति के मोर्चे पर जो भागीरथ प्रयास किए वे तब फलीभूत होते हुए दिखे जब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त किया कि जम्मू-कश्मीर में उठाया गया कदम भारत की आंतरिक मामला है। यह बात उन्होंने कहीं अधिक जोरदारी से अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष ट्यूस्टन की उस सभा में भी कही जिस पर सारी दुनिया की निगाह थी। ऐतिहासिक तथ्य यह है कि 1947 में अविभाजित भारत में सभी रियासतों को यह विकल्प दिया गया था कि वे भारत या पाकिस्तान में अपना विलय कर सकते हैं या स्वतंत्र रह सकते हैं। कुल 564 रियासतों ने भारतीय संघ में विलय किया। इनमें जम्मू-कश्मीर रियासत भी शामिल थी जिसने 26 अक्टूबर, 1947 को विलय संधि पर हस्ताक्षर किए। जम्मू-कश्मीर के भारत का हिस्सा बनने पर पाकिस्तान खिन्न था। लिहाजा उसने उसे बलपूर्वक हथियाने की चाल चली। उसने राज्य का कुछ हिस्सा कब्जा भी लिया। चूंकि राज्य ने भारत में विलय कर लिया था तो उसका पाक के

कब्जे वाला हिस्सा अवैध है जिसे पीओके कहा जाता है। भारत को इसे फिर से हासिल करना होगा। यही ‘कश्मीर विवाद’ है।

कश्मीर विवाद की चर्चा जरूरी है, क्योंकि दिल्ली की सत्ता पर लंबे समय तक काबिज नेहरूवादी, कांग्रेस पार्टी और मार्क्सवादियों ने पाकिस्तान को यह गुंजाइश दी कि वह दुष्प्रचार करता रहे कि भारत में जम्मू-कश्मीर का विलय विवादित है, जबकि यह राज्य वैध तरीके से भारतीय संघ में शामिल हुआ। मोदी सरकार ने इस स्थिति को सुधारने की दिशा में उल्लेखनीय काम किया। यही वजह है कि तमाम देशों ने यह ए्लान किया कि जम्मू-कश्मीर से जुड़ा मसला भारत का आंतरिक मामला है। इनमें अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। वहीं पड़ोसियों में श्रीलंका, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव ने एक सुर में कहा कि यह भारत का अंदरूनी मामला है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब यह मालूम पड़ा कि पूरे राज्य का महज 14 प्रतिशत हिस्सा ही कश्मीर घाटी में आता है और वहां होने वाली अग्रिय घटनाओं का केंद्र भी मुख्य रूप से घाटी के चार-पांच जिलों तक सिमटा हुआ है। यह नेहरूवादियों की नاکामी ही थी कि पूरी दुनिया में यह धारणा बनी कि समस्त जम्मू-कश्मीर राज्य ही अशांत था। अब इसे दुरुस्त किया गया गया है।

शेख अब्दुल्ला के दौर से ही जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने अपने निजी हितों की खातिर

पहली प्राथमिकता बने शिक्षा में सुधार

ची

न के सबसे अमीर व्यक्ति जैक मां ने कुछ समय पहले विश्व आर्थिक मंच पर कहा था कि आर्थिक तरक्की जारी रखने के लिए हमें अपने बच्चों को ऐसी शिक्षा देने होगी कि वे मशीनों से मुकाबला कर सकें। उनके मुताबिक शिक्षा में सुधार इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। शिक्षा में सुधार को लेकर भारत को इसलिए अधिक सक्रियता दिखाने की जरूरत है, क्योंकि उसके जरिये ही आर्थिक रूप से सशक्त हुआ जा सकता है। एक अर्से से यह दिख रहा है कि सरकारी और निजी स्कूलों के शिक्षकों के वेतन में अंतर के बावजूद सरकारी विद्यालयों के परिणाम कमतर हैं। इस वर्ष उत्तर प्रदेश बोर्ड के हाईस्कूल की 21 छात्रों की मेरिट लिस्ट में एवं 12 वीं की 14 छात्रों की मेरिट लिस्ट में एक भी छात्र सरकारी विद्यालय से नहीं था। इसी तरह दिल्ली में दसवीं के रिजल्ट में सरकारी विद्यालयों में 72 प्रतिशत छात्र पास हुए, जबकि निजी विद्यालयों में 93 प्रतिशत। 2016-17 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राइमरी एवं सेकेंडरी शिक्षा पर 25,000 रु. प्रति छात्र खर्च किया जा रहा था, जो 2019-20 में लगभग 30,000 रु. होगा।

एक राश्ट के तहत बिहार के नौ जिलों में 4.3 लाख और झारखंड में 7.6 लाख फर्जी एडमिशन सरकारी विद्यालयों में पाए गए, क्योंकि इन दाखिलों के माध्यम से मध्याह्न भोजन जैसी सुविधाओं का बजट बढ़ जाता है। यदि फर्जी छात्रों को हटा दिया जाए तो प्रति छात्र सरकारी खर्च 40,000 रु. पड़ सकता है। नेशनल सैंपल सर्वे के अनुसार 2014 में लगभग 64 प्रतिशत छात्र सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे थे। आज शायद उनकी संख्या 55 प्रतिशत हो। यदि सही छात्रों को शामिल कर लिया जाए तो सरकार 22,000 रु. प्रति छात्र प्रति वर्ष खर्च कर रही है चाहे वह सरकारी में पढ़ रहा हो अथवा निजी स्कूल में। यदि इसमें से आधी रकम यानी 11,000 रुपये प्रति वर्ष सभी छात्रों को यूनिवर्सल वाउचर के रूप से वितरित कर दिए जाएं तो प्रत्येक छात्र को लगभग 1,000 रुपये प्रति माह मिल जाएगा। सरकारी शिक्षा तंत्र में लगभग 90 प्रतिशत खर्च शिक्षकों के वेतन में लगता है। इन वाउचर से छात्र अपने मनचाहे स्कूल की सही अदा कर सकेंगे और सहज ही हमारे छात्रों की शिक्षा में सुधार हो जाएगा। नेशनल सैंपल सर्वे द्वारा कराए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि 2014 में प्राइवेट स्कूलों की औसत फीस 417 रु. प्रति माह थी। वर्तमान में यह 1000 रु. प्रति माह होगी।



डॉ. भरत भुवनवाला



तमाम अध्ययन

यही बताते हैं कि

वाउचर व्यवस्था से

स्कूलों में प्रतिस्पर्धा

बढ़ती है और शिक्षा

में सुधार होता है



वाउचर व्यवस्था लागू होने पर सरकारी स्कूलों के लिए शिक्षा होगा कि वे प्राइवेट स्कूलों से प्रतिस्पर्धा में छात्रों को आकर्षित करें जिससे उन्हें वाउचर मिल सकें। इस प्रकार सरकारी विद्यालयों को मजबूत अपनी कार्यकुशलता में सुधार करना होगा। प्राइवेट स्कूलों को अच्छी फीस मिलेगी और सरकारी स्कूलों में प्रतिस्पर्द्धा उत्पन्न होगी। इससे दोनों में सुधार होगा।

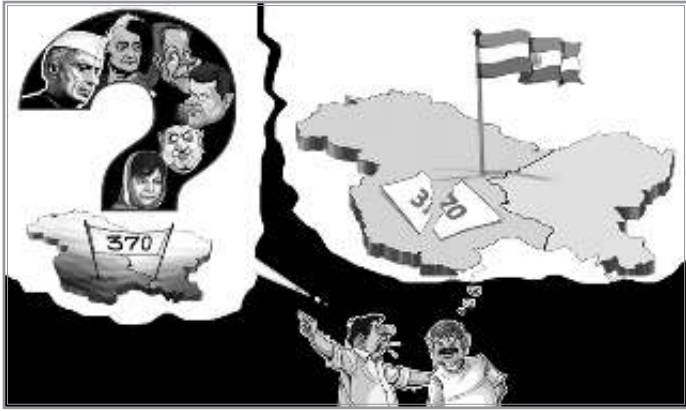
अमेरिका के नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च द्वारा किए गए एक अध्ययन में वाउचर से लाई गई प्रतिस्पर्द्धा के कारण सरकारी स्कूलों में सुधार प्राया गया। कोलंबिया में पाया गया कि जिन छात्रों ने वाउचर के माध्यम से प्राइवेट स्कूलों में स्थानांतरण लिया उनका रिजल्ट उत्तम रहा। न्यूजीलैंड में पाया गया कि वाउचर व्यवस्था लागू होने के बाद सरकारी विद्यालयों में सुधार हुआ, क्योंकि वे अधिक संख्या में वाउचर प्राप्त करना चाहते थे। अपने देश में आंध्र प्रदेश में वाउचर व्यवस्था को प्रयोग के रूप में लागू किया गया तो पाया गया कि वाउचर के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों का अंग्रेजी और गणित में रिजल्ट अच्छा था। दिल्ली में पाया गया कि अंग्रेजी में प्रभाव अच्छा था, यद्यपि हिंदी और गणित में प्रभाव नहीं दिखा। लड़कियों की शिक्षा में वाउचर का विशेष लाभ दिखा। इन तमाम अध्ययनों से पता लगता है

कि वाउचर की व्यवस्था से प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और शिक्षा में सुधार आता है।

वाउचर व्यवस्था का नुकसान मुख्यतः असमानता को लेकर देखा जाता है। स्वीडन, न्यूजीलैंड, बेल्जियम, अमेरिका इत्यादि देशों में पाया गया कि वाउचर व्यवस्था से समाज के कमजोर वर्ग के छात्र पीछे रह जाते हैं और समृद्ध वर्ग के छात्र वाउचर के साथ अतिरिक्त धन देकर श्रेष्ठतम विद्यालयों में दाखिला ले लेते हैं, लेकिन इन देशों और हमारी परिस्थिति में मौलिक अंतर है। वहां हर छात्र को उसके क्षेत्र के सरकारी विद्यालय में ही दाखिला लेना होता है। जर्नल आफ इकोनॉमिक लिटरेचर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार वाउचर से आंध्र प्रदेश में शिक्षा के स्तर में कुछ सुधार हुआ, लेकिन सामाजिक समानता पर असर नहीं पड़ा। अपने देश में कमजोर वर्ग के लोग अपने बच्चों को सरकारी विद्यालयों में भेजते हैं और समृद्ध वर्ग के लोग निजी विद्यालयों में। इसलिए अपने देश में वाउचर से मौलिक कमजोर को ऊपर बढ़ने में सहायता मिलेगी और उससे समानता स्थापित होगी। सरकारी विद्यालयों के कमजोर रिजल्ट का एक कारण यह बताया जाता है कि उनमें कमजोर वर्ग के छात्र आते हैं। यह बात सही है। इस समस्या का सीधा उपाय यह है कि कमजोर छात्रों को वाउचर देकर उन्हें अच्छे सरकारी अथवा प्राइवेट विद्यालयों में स्थानांतरित कर दिया जाए।

निजीकरण का एक नुकसान यह है कि निजी विद्यालयों में नकल की छूट होती है। अन्य देशों में भी पाया गया कि निजी विद्यालय अपने मानकों को कम करके अधिक संख्या में छात्रों को पास कर देते हैं। यह तर्क अपने देश में लागू नहीं होता, क्योंकि हमारे यहाँ सीबीएसई अथवा राज्य बोर्डों द्वारा परीक्षा ली जाती है जो विद्यालयों को समान परीक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराते हैं। यदि हमें अपने युवाओं को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में खड़े होने की क्षमता देनी है तो सरकारी शिक्षकों को दिए जाने वाले वेतन में कटौती कर प्रति माह कुछ रकम सीधे सभी छात्रों को दे देना चाहिए, जिससे वे मनचाहे स्कूलों में दाखिला ले सकें। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वाउचर की रकम को बढ़ाया जा सकता है जैसे हर छात्र को 1,000 के पास पर 2,000 रु. प्रति माह का वाउचर दिया जा सकता है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में सरकारी या निजी, दोनों प्रकार के विद्यालय चल सकेंगे और वहां के छात्रों को भी उत्तम शिक्षा मिल सकेगी। (लेखक आइआइएम बेंगलूर के पूर्व प्रोफेसर हैं)

response@jagran.com



अवधेश राजपूत

गया। इस समुदाय के लोग लोकसभा चुनाव में तो मतदान कर सकते थे, लेकिन विधानसभा चुनाव में नहीं। इसके अलावा कोई कश्मीरी महिला यदि राज्य के बाहर के किसी व्यक्ति से विवाह करती तो उसे अपना स्थाई निवासी का दर्जा गंवाना पड़ता और उसकी संतानों से भी वे अधिकार छिन जाते। वहां और भी ऐसे तमाम प्रावधान थे जो पक्षपाती और असंवैधानिक थे।

अनुच्छेद 370 और 35ए शेष भारत के अन्य नागरिकों के लिए भी पक्षपाती साबित हुआ। जहां कश्मीरी देश के बेहतरीन शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश मिल सकता था और न ही वे वहां रोजगार हासिल कर वहां बस सकते थे, वहीं शेष भारत के नागरिकों के लिए कश्मीर में ऐसे अवरोध थे। उन्हें न तो कश्मीरी कॉलेजों में प्रवेश मिल सकता था और न ही वे वहां रोजगार हासिल कर सकते। उन्हें वहां संपत्ति खरीदने और बसने का अधिकार भी नहीं था।

आप पूरे भारत में विशेषकर पर्वतन स्थलों पर तमाम कश्मीरी कारोबारियों को देख सकते हैं, लेकिन दूसरे राज्यों के भारतीयों को कश्मीर में कारोबार करने की मनाही थी। यह वास्तव में बेहद शर्मनाक है कि कश्मीर घाटी के जो नेता

लोकतंत्र को लेकर कर्कश राग अलापते रहते हैं, उन्होंने कभी हिंदू अल्पसंख्यकों, वाल्मीकि समुदाय या कश्मीरी महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद नहीं की। न ही उन्होंने अन्य भारतीयों के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म करने के लिए कोई पहल की। अपने यहाँ अल्पसंख्यकों को संरक्षण देने के लिहाज से शालीनता और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी प्रदर्शित करने वाले इन नेताओं ने देश के दूसरे हिस्सों में लोकतंत्र और पंथनिरपेक्ष परंपराओं को कैसे सहजकर रखा जा सकता है?

इन मीडिया संस्थानों ने इन नेताओं को लगातार मंच प्रदान किया कि वे देश के दूसरे हिस्सों को लेकर विषममन करते रहें और वे अपने राज्य में हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की जवाबदेही से मुक्त रहें। अनुच्छेद 370 हटाने की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि कश्मीर घाटी के उन पाखंडी नेताओं की कलाई खुली जिन्होंने शेष भारत के लोगों को कश्मीर घाटी नहीं आने दिया और अपने लिए लुटियन दिल्ली में स्थाई आशियाने बना लिए। यह शर्मनाक है कि तथाकथित सेक्युलर लोग इन नेताओं को सेक्युलरिज्म के प्रतीक के रूप में पेश करते रहे। पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का शुक्रिया कि घाटी के इन पाखंडियों का असली चेहरा सामने आ गया। अब लुटियन दिल्ली से भी उनके पैर उखड़ने चाहिए।

(लेखक प्रसार भारती के चेयरमैन एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com



प्रायः लोग ईश्वरीय कृपा पाने के लिए कठिन साधना करते देखे-सुने जाते हैं। कहीं कोई वर्षों से अन्न त्याग कर साधना कर रहा है तो कोई गुफाओं-कंदराओं में जप-तप कर रहा है तो कोई लाखों-लाख मंजुषा कर रहा है। ऐसी साधनाओं की चर्चा होती रहती हैं, पर तत्वदर्शी विद्वानों का कहना है कि इन सारी साधनाओं से बढ़कर दूसरों के मन को ठेस न पहुंचाना, दूसरों का विश्वास-भरोसा न तोड़ना सबसे बड़ी साधना है। यह वही व्यक्ति कर सकता है जो अपने मन को साध चुका हो और अपने मन के साथ छल-कपट नहीं करता हो। देखने में आता है कि बाढ़ा साधना करने वालों में अहंकार उत्पन्न होने लगता है और वे चाहते हैं कि आसपास के लोग उन्हें विशेष महत्व दें। ऐसा न होने पर उनमें क्रोध होने लगता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तो दूसरों को पीड़ा देने को भी हिंसा मानते थे। केवल भौतिक पदार्थों को तोड़ना-जलाना या नष्ट करना ही हिंसा नहीं, दूसरों का अहित करना भी हिंसा ही है।

समाज में पद और कर का बड़ा महत्व है। कोई बड़ा ओहदा मिला नहीं कि लोग उस व्यक्ति को ऐसे महिमाप्रदित करने लगते हैं कि जैसे वह कोई साधारण मानव नहीं, बल्कि अवतारी शक्ति है। चारों तरफ जयजयकार होने पर व्यक्ति का पद उस पर प्रभावी हो जाता है और उसका कद छोटा हो जाता है। कद का छोटा होने का मतलब मानवीय उसकी संवेदनाएं मरने लगती हैं। धीरे-धीरे इतना आत्ममुग्ध हो जाता है कि वह चाहने लगता है कि उसके माता-पिता, गुरु सब उसे देखकर उत खड़े हों। यही दुर्गुण महाभारतकाल में दुर्गोधन तथा श्रीराम के वक्त रावण में आ गया था। लिहाजा उनका पतन हुआ और फिर साम्राज्य बिछल गया। बड़ा पद मिलने पर अगर विनम्रता, सहनशीलता, सज्जनता नहीं आई तो एक न एक दिन उच्च से उच्च पदस्थ व्यक्ति बुरी हालत में पहुंच जाता है। अतः पद या भौतिक पदार्थों की प्रचुरता से कोई शानो-शौकत और प्रभुत्व दिखाता है तो वह महानुष है। अतः व्यक्ति को चाहिए कि वह बड़पन हासिल करने के बाद विनम्र बने।

सलिल पांडेय

से दुर्घटना हो जाती है जिसमें खुद के दोष के कारण दूसरे निर्दोष की अपूर्णीय क्षति हो जाती है। लोग वाहन चालक को ही दोषी देते हैं। मनुष्य जीवन अमूल्य है इसलिए जुर्माने की धमराशि का मजाक बनाने की जगह लोगों को नियम पालन के लिए प्रेरित करना अधिक उपयोगी होगा।

शैलेंद्र सक्सेना, नई दिल्ली

जरूरी जुर्माना

नए सख्त वाहन अधिनियम 2019 में दोषी वाहन चालकों पर भारी जुर्माना निर्धारित किया गया है, जो कि उचित है। बिना सख्ती के किसी व्यवस्था को लागू नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसमें एक कमी यह है कि इसमें सड़कों, फुटपाथों, जैर्म्हों एवं अंडरपासों आदि के खराब रखरखाव के लिए जिम्मेदार अधिकारियों, ठेकेदारों आदि पर कोई कार्रवाई का प्रावधान नहीं है। खराब सड़कों की वजह से भी हादसे होते हैं और लोग मौत के शिकार होते हैं। इसके लिए दोषी अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। इससे निश्चित ही बहुत सुधार दिखाई देगा।

वेद माम्पुपुर, नरेला

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :

दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण, डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा ई-मेल : mailbox@jagran.com

सबको रोजगार देने की चुनौती

सौरभ सिंह

रोजगार के मोर्चे पर मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए हमें अपने विकास दर को 12 प्रतिशत से ऊपर रखना होगा

पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने कहा कि आज देश में नौकरी की कोई कमी नहीं, लेकिन उत्तर भारत के युवाओं में वह काबिलियत नहीं कि उन्हें रोजगार दिया जा सके। आंकड़े देखें तो स्थिति कुछ इसके उलट नजर आती है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएसडीसी) ने 2018 की अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा है कि उसने 40 कौशल विकास कार्यक्रमों के तहत 11,035 प्रशिक्षण केंद्रों में 39.8 लाख छात्रों को प्रशिक्षित किया, परंतु उनमें से केवल 12 प्रतिशत छात्रों को ही काम मिल सका है। इसके अलावा पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे रिपोर्ट में 2018-19 में देश में 40 फीसद प्रशिक्षित युवाओं के बेरोजगार होने की आशंका जलाई जा रही है। साफ है कि देश में विनिर्माण क्षेत्र में कुशल कामगारों की जरूरतों के मुताबिक रोजगार के अवसर ही नहीं पैदा हो रहे हैं।

प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार नहीं प्राप्त होना चिंता की बात है। पहले माना जाता था कि लोगों को रोजगार इसलिए नहीं मिल रहे, क्योंकि वे कुशल नहीं हैं, पर अभी तो प्रशिक्षित

लोगों को भी रोजगार के अभाव में बेरोजगार रहना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसी योजनाएं उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं दे पा रही हैं? इनका उद्देश्य ही भारत में औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने और बड़ी मात्रा में लोगों को रोजगार दिलाने का है तो फिर ये अपने मकसद में कामयाब क्यों नहीं हो रहे हैं? कुछ विशेषज्ञ इसके लिए कॉर्पोरेट टेक्स की ऊंची दर को दोष दे रहे थे, जिसके चलते उद्योग जगत देश में निवेश करने से कतरा रहा था और उन देशों का रुख कर रहा था जहां इसकी दरें अपेक्षाकृत कम हैं। हालांकि पिछले दिनों मोदी सरकार द्वारा इसमें की गई कटौती के बाद उम्मीद की जा रही है कि उद्योग जगत नए निवेश के लिए आगे आएगा। टेक्स हटू से कंपनियों के लिए निवेश के लिए पूंजी जुटाना पहले के मुकाबले आसान

हो जाएगा। इससे मैनुफैक्चरिंग गतिविधियों में तेजी आएगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

आंकड़ों के अनुसार देश में हर साल एक करोड़ युवा रोजगार के बाजार में आ जाते हैं, लेकिन हालिया अध्ययन इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि देश उन्हें खपाने के लिए रोजगार के उतने अवसर पैदा नहीं कर पा रहा है। हालांकि यह स्थिति को कभी नहीं बनेगी कि एक खास समय में जितने बेरोजगार हैं सबको रोजगार मिल जाय, एक खोज तो हमेशा बनी रहेगी, पर अभी स्थिति काफी खराब नजर आ रही है। इसके निदान के लिए हमें आर्थिक विकास के दर को बढ़ाने की जरूरत है। जानकारों का मानना है कि रोजगार के मोर्चे पर मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए हमें अपने विकास दर को 12 प्रतिशत से ऊपर रखने की कोशिश करनी होगी। इससे हमें पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में भी आसानी होगी। हालांकि ऐसा तभी होगा जब यहां कारोबार करना आसान होगा, सरकारी अड़चनें दूर होंगी, कर संरचना तर्कसंगत होगी। साथ ही उद्योगों को आसानी से जमीन, ऊर्जा और औद्योगिक शक्ति की गारंटी मिलेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)



अप्रैल 2014 में राष्ट्रीय विधिक सेवाएं अधिनियम बनाम भारत सचिवों के लिए अपने नसले में उच्चतम न्यायालय ने सख्ती से यह कहा कि ट्रांसजेंडरों को तीसरे वर्ग या सामाजिक या आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की श्रेणी में रखा जाए और उन्हें शैक्षणिक संस्थानों और नौकरियों में समान रूप से अवसर दिया जाए। कोर्ट के इस रहस्य पर फैसले से इस समुदाय को एक नया आधार मिला और उसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में समानता आधार पर उनके प्रवेश की राह भी आसान हो गई। इससे फायदा यह हुआ कि बड़ी संख्या वाले समुदाय ने शिक्षा को अपनी उन्नति का

डाटाग्री

देश में एक बार फिर पैर पसारने लगा एन1एच1

भारत में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) वायरस फिर पैर फैला रहा है। आए दिन देश में इससे प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल की एक रिपोर्ट में 2012 से लेकर अब तक इससे प्रभावित लोगों के आंकड़े पेश किए गए हैं। सर्वाधिक प्रकोप के वर्ष 2015 और 2017 के बाद अब 2019 में फिर से एक बार इसके मामलों में बढ़ोतरी हुई है।

जेएनएन, नई दिल्ली

भारत में 2019 में एक सितंबर तक स्वाइन फ्लू के 27,000 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। देश में देखे तो 2015 में इस वायरस का प्रकोप चरम पर था, तब कुल 42,592 मामले सामने आए थे। 2016 में बीमारी पर काबू पाया गया था, लेकिन 2017 में फिर से 38,811 मामले सामने आए थे। पिछले वर्ष 2018 की बात करें तो पूरे वर्ष 15,226 मामले ही सामने आए थे। 2019 में फिर से प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ी है।

नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल की एक रिपोर्ट में 2012 से लेकर अब तक एच1एन1 के मामलों के आंकड़े पेश किए गए हैं। 2019 में स्वाइन फ्लू के 27,505 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 1137 लोगों को जान गंवानी पड़ी है। सबसे ज्यादा 5,052 मामले राजस्थान में दर्ज किए गए हैं और यहाँ 206 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद गुजरात में 4,832 मामले सामने आए, जिसमें 149 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली में 3,583 मामलों में 31 मौतें, महाराष्ट्र में 2,173 मामलों में 208 की जान गई। वहीं, उत्तर प्रदेश में 14 जुलाई तक 1,057 मामलों में 25 मौतें दर्ज की गई हैं। कर्नाटक में 30 अगस्त तक 1,882 मामले सामने आए, जिनमें 88 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

पिछले साल यह थी स्थिति : 2018 में देश में स्वाइन फ्लू के 15,266 मामले सामने आए थे, जिसमें 1,128 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। 2018 में तमिलनाडु (2,812), महाराष्ट्र (2,593), राजस्थान (2,375), गुजरात (2,164) और कर्नाटक (1,733) इस वायरस से सर्वाधिक प्रभावित थे। 2012 से लेकर अब तक महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान ऐसे प्रदेशों के रूप में सामने आए हैं, जिनमें इस बीमारी का प्रकोप सबसे ज्यादा रह है।

व्या होता है स्वाइन फ्लू : स्वाइन फ्लू श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है, जो ए टाइप के इनफ्लूएंजा वायरस से होती है। इसे 1919 में एक महामारी के रूप में मान्यता दी गई थी। स्वाइन फ्लू का कारण एच1एन1 वायरस है। इसकी शुरुआत सुअरों से हुई थी। इसके लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खरश, ठंड लगना, कमजोरी और शरीर में दर्द आदि हैं। इससे बचने के लिए साफ-सफाई पर ध्यान देने की विशेष जरूरत होती है।

फोटो न्यूज

...जब ग्लेशियर का किया गया अंतिम संस्कार

ग्लोबल वार्मिंग आज सबसे बड़ी वैश्विक समस्याओं में से एक है, जिसके चलते ग्लेशियरों के पिघलने की दर तेजी से बढ़ी है। दुनियाभर के जलवायु प्रेमी इस ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं और इसी क्रम में स्विट्जरलैंड में एक अनूठा तरीका तलाश गया। दरअसल, यहां जलवायु प्रेमियों ने ग्लोबल वार्मिंग के कारण खत्म हो रहे एक ग्लेशियर की न केवल अंतिम यात्रा निकाली, बल्कि उसका अंतिम संस्कार भी किया। इस ग्लेशियर का नाम है पिजोल, जो ऑस्ट्रिया की सीमा के पास है। संभवतः किसी ग्लेशियर के अंतिम संस्कार किए जाने का यह दुनिया का पहला मामला है। यहां करीब 250 जलवायु प्रेमियों का एक दल काले कपड़े पहनकर पहुंचा।

2700 मीटर ऊंचे पिजोल शिखर तक पहुंचने के लिए दल को दो घंटे की लंबी वड़ाई करनीपड़ी



उत्तराखंड की बसों में दिखेगी नैनी झील, मंदिर और बाघ की झलक

अविनाश श्रीवास्तव, हल्द्वानी

उत्तराखंड परिवहन निगम की बसें अब नए रूप-रंग में नजर आएंगी। बसों में कॉबैट पार्क के बाघ, नैनीताल की नैनी झील, बागेश्वर का बागनाथ मंदिर, मसूरी के रोपवे के चित्र लोगों को आकर्षित करेंगे। इस प्रयोग के जरिये उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार दूसरे रण्यों तक भी होगा।

उत्तराखंड परिवहन निगम ने अपनी बसों को नया रंग देकर नए स्वरूप में उतारने का निर्णय लिया है। इसके तहत निगम के बेड़ों में शामिल होने वाली नई बसों में अब प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के साथ ही देवभूमि में मौजूद मंदिरों की झलकियां दिखाई देंगी। निगम की जीएम (प्रशासन) निधि यादव के मुताबिक, पर्यटन को बढ़ावा देने व अन्य रण्यों को उत्तराखंड की संस्कृति से रूबरू कराने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है। इसके तहत बस के दोनों तरफ चित्र बनाए जाएंगे। रोडवेज की नई बसें सफेद और नीले रंग में होंगी।

निगम के बेड़ों में शामिल होने वाली नई बसों में जीपीएस लगे होंगे, जिससे निगम प्रबंधक को बसों की पल-पल की खबर मिलती रहेगी। नई बसों में सीसी कैमरों की सुविधा भी होगी।

जीपीएस के ये होंगे फायदे

➤ बस की लोकेशन का पता चलेगा।

➤ बस मार्ग पर गई या नहीं या फिर बीच मार्ग से लौट आई, इसका भी पता चल जाएगा।

➤ बस कितने किलोमीटर चली है इसका पता चल सकेगा।

➤ बस अपने निर्धारित मार्ग पर कहां रुकी और कहां नहीं, इस पर भी नजर रहेगी।

➤ बस के बीच रास्ते में अटकने व लेट होने की जानकारी मिलेगी।

➤ चालक-परिचालक अपनी मर्जी से मार्ग परिवर्तन नहीं कर पाएंगे।



जागरण के आह्वान पर दो नदियों को मिला जीवनदान

रंग लाया प्रयास ➤ जनता, नेता और प्रशासन ने मिलकर पाई सफलता, लौटा लाए सोत और बान नदियों की जलधारा

अमरोहा की दो विलुप्त हो रहीं नदियों के लिए दैनिक जागरण ने छेड़ा था अभियान

अनिल अत्वशी, अमरोहा

उत्तर प्रदेश के अमरोहा क्षेत्र की लगभग विलुप्त हो चली दो नदियों की जलधारा लौट आई है। सोत और बान नदियों को नवजीवन देने के लिए दैनिक जागरण ने इस क्षेत्र में छह माह पहले अभियान छेड़ा था। जनता, नेता और प्रशासन सभी जुटे तो असंभव को संभव कर दिखाया। जागरण के आह्वान पर देखते ही देखते कारवां जुटता

गया। आज दोनों नदियां 80 फीसद अस्तित्व में आ चुकी हैं। अगले महीने तक ये अपने पूर्ण अस्तित्व को प्राप्त करेंगीं। नदियों की विलुप्त धरोहर वापस मिल जाने पर पूरा जिला गदगद है।

बता दें कि जल संरक्षण दैनिक जागरण के आधारभूत सात सरोकारों में एक प्रमुख विषय है। बीती 22 अप्रैल को इन नदियों के पुनर्जीवन को 'सोत-बान संरक्षण अभियान' का आगाज किया गया था। चार दिन में ही अभियान ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी।

पटना में 71 करोड़ की लागत से बनेगा देश का पहला डॉल्फिन रिसर्च सेंटर

मृत्युंजय मानी, पटना

देश के पहले डॉल्फिन रिसर्च सेंटर का निर्माण बिहार की राजधानी पटना में होगा। करीब 71 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस केंद्र के निर्माण का गस्ता अब साफ हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पांच अक्टूबर को विश्व डॉल्फिन दिवस के अवसर पर डॉल्फिन रिसर्च सेंटर के भवन निर्माण का शिलान्यास करेंगे। अत्याधुनिक तकनीक से बनने वाले इस केंद्र का भवन जी प्लस टू होगा।

केंद्र सरकार की तरफ से रिसर्च सेंटर के निर्माण के लिए वर्ष 2013 में ही 29 करोड़ रुपये आवंट थे। राशि आने के छह वर्ष बाद अब भवन का शिलान्यास होने जा रहा है। पटना विश्वविद्यालय की ओर से पटना लॉ कॉलेज के पास गंगा तट पर दो एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। भूमि विवाद होने के कारण भवन का शिलान्यास नहीं हो पा रहा था। मुख्यमंत्री ने भूमि नहीं मिलने पर इस केंद्र को भागलपुर ले जाने की डेढ़ वर्ष पहले घोषणा की थी। उसके बाद पटना विश्वविद्यालय प्रशासन आगे आया। एक साल पहले पटना विवि के कुलपति प्रो. रास बिहारी सिंह ने भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। जमीन को लेकर चल रहा विवाद अब समाप्त हो गया है। रिसर्च सेंटर बन जाने से यहां देश-विदेश के विशेषज्ञ शोध करने के लिए



प्रवाह क्षेत्र की खोदाई में जनता, नेता और प्रशासन, सभी ने किया श्रमदान।

जिलाधिकारी उमेश मिश्र को यह अभियान इतना पसंद आया कि खुद न सिर्फ भागीदार बने, बल्कि दोनों नदियों के पुनर्जीवन को प्रशासन ने भी अपना लक्ष्य बना लिया।

अभियान से जुड़ते गए लोग : 14 मई को जिलाधिकारी ने जागरण टीम के साथ का अस्तित्व वापस लौट चुका है। इसको देखते हुए जाविधवत शुभारंभ कर दिया। देखते ही देखते ग्रामीण, शहरी, व्यापारी, कारोबारी, पेशेवर,

29 करोड़ रुपये 2013 में केंद्र सरकार ने जारी किए थे, जमीन को लेकर था विवाद

5 अक्टूबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विश्व डॉल्फिन दिवस के अवसर पर करेंगे शिलान्यास

6 अब रिसर्च सेंटर के निर्माण को लेकर कोई विवाद नहीं है। 171 करोड़ की लागत से केंद्र का निर्माण होने जा रहा है। पांच अक्टूबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार डॉल्फिन शोध केंद्र के भवन का शिलान्यास करेंगे।

– दीपक कुमार सिंह, प्रधान सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार



आएंगे। पटना विश्वविद्यालय के छात्रों को भी डॉल्फिन पर शोध करने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि पांच अक्टूबर, 2009 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने गांगेय डॉल्फिन को राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था। डॉल्फिन को राष्ट्रीय जीव घोषित कराने का श्रेय पटना विवि के प्रोफेसर डॉ. आरके सिन्हा को दिया जाता है। इसके लिए राजेंद्र सहनी नामक मछुआरे और उनकी टोली को भी श्रेय जाता है, जिन्होंने डॉल्फिन के रहन-सहन और समाप्त हो गया है। रिसर्च सेंटर बन जाने से यहां देश-विदेश के विशेषज्ञ शोध करने के लिए

गोपाल शर्मा के नाम है। डॉ. शर्मा फिलहाल भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के बिहार प्रभारी व वरीय वैज्ञानिक हैं। डॉल्फिन भी नौ माह गर्भधारण करती है और वह अपने बच्चे को स्तनपान करती है। नेत्रहीन होने के बाद भी उसकी सूंघने की क्षमता अधिक है। सांस लेने के लिए वह बार-बार गंगा में छलांग लगाती रहती है। गंगा नदी में डॉल्फिन की संख्या करीब 1500 और इसकी सहायक नदियों कोसी, गंडक, घाघरा व महानदी में करीब 500 है। सिर्फ बिहार में इनकी संख्या दो हजार के करीब है। भागलपुर जिले में सुलतानपुर-कहलगांव डॉल्फिन संचुरी सेंटर है।

2006 में दिखा था बड़ा बदलाव

ग्लेशियर के विशेषज्ञ मैथियस हाूस के मुताबिक, यह ग्लेशियर तेजी से पिघल रहा है। इसलिए हम पिजोल ग्लेशियर को अंतिम विदाई देने आए हैं। इसकी 80 फीसद बर्फ 2006 में ही गायब हो चुकी थी। 1984 में इसका क्षेत्रफल 3.20 लाख वर्ग किमी था, जो अब घटकर सिर्फ 26 हजार वर्ग किमी ही बचा है। ग्लेशियर वैज्ञानिक अलेसेंड्रो डेगिआकोमी के मुताबिक, आकार बेहद छेटा होने के कारण हमने इसे मृत घोषित कर दिया है।

एक अच्छे दोस्त के मरने जैसा

मैथियस बताते हैं कि वह पिजोल शिखर पर कई बार चढ़े हैं। यह एक अच्छे दोस्त के मरने जैसा है। वह कहते हैं, अब हम इसे बचा तो सकते नहीं, लेकिन वो हर चीज कर सकते हैं जो करनी चाहिए। भविष्य में हम अपने बच्चों को यह बता सकेंगे कि 100 साल पहले यहां ग्लेशियर था।

राष्ट्र

➤ उत्तर प्रदेश के महोबा की पहली मुस्लिम संस्कृत शिक्षक दे रही देवभाषा का ज्ञान

बोली, भाषा किसी की जागीर नहीं, इसे धार्मिक नजरिए से देखना गलत



बच्चों को पढ़ाती उत्तर प्रदेश के महोबा जिले की रूबी खातून।

बजता था। तब मैं भी उसे गुनगुनाती थी, जो बहुत अच्छा लगता था। बस यहीं से संस्कृत के प्रति ललक जागी।' रामचरित मानस पढ़ने के रूबी मूल रूप से मऊरापुर की हैं। जिले की पहली मुस्लिम संस्कृत शिक्षक हैं। वह जितना कुरान को आयतों की जानकारी है, उतना संस्कृत पर मजबूत पकड़ रखती हैं। संस्कृत भाषा को कॅरियर बनाने के पीछे की कहानी रूबी पुयानी यादों में जाकर बताती हैं। कहती हैं, 'बचपन में सुबह चार बजे घर से कुछ दूरी पर ही मंदिर में लाउडस्पीकर से गायत्री मंत्र



प्रवाह क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त बना नदियों के लिए तैयार किया गया रास्ता।



लौट आई सोत नदी की जलधारा।

जागरण

खोदाई शुरू हो चुकी है।

बिजनौर है उद्गम स्थल : अमरोहा जिले की प्रमुख नदियां बान और सोत का उद्गम बिजनौर से होता है। बान नदी बिजनौर के नजीबाबाद, नूरपुर होती हुई अमरोहा जनपद में प्रवेश करती है। यहां पर 42 किमी. की दूरी तय कर मुरादाबाद जनपद की गंगान नदी में जाकर मिलती है। वहीं सोत नदी नौगावां सादात ब्लाक क्षेत्र से जोया के पास हाईवे से निकलकर सम्भल

होती हुई बदायूं जिले के राज नगर में अपना सफर पूरा करती है। इतिहासकार पं. भुवन शर्मा बताते हैं कि कभी गंगा के बाद दूसरी बड़ी नदी कही जाने वाली सोत को मुगल बादशाह मुहम्मद शाह ने 250 साल पहले 'यार-ए-वफादार' का खिताब भी दिया था।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/positive-news

83 साल की उम्र में अंग्रेजी में एमए कर पूरा किया सपना

अकित शर्मा, जालंधर

अगर कुछ करने का इगदा पक्का हो तो उस सिर्फ एक नंबर बनकर रह जाती है। इसकी मिसाल पेश की है पंजाब के होशियारपुर के गांव दाता कोट फत्तुही निवासी सोहन सिंह गिल ने, जिन्होंने 83 साल की उम्र में एमए इंग्लिश की डिग्री हासिल अपने मजबूत इरादों का परिचय दिया है। पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या में शिक्षा क्षेत्र में 33 साल तक सेवाएं देने के बाद वतन लौटे सोहन सिंह ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी से एमए इंग्लिश की डिग्री कर अपनी 61 वर्ष पुरानी इच्छा को पूरा किया। बीते सप्ताह उन्हें एलपीयू की दसवीं कन्वोकेशन में डिग्री प्रदान की गई।

सोहन कहते हैं कि 1958 में अपने साइ सेवा सिंह बड़ेच के साथ केन्या चले गए थे। उस समय चार रुपये किराया हुआ करता था। उस समय उनकी इच्छा थी कि वह एमए इंग्लिश कर लें, लेकिन विदेश जाने के कारण ऐसा नहीं कर पाए। रात को सोते समय एमए इंग्लिश के सपने आते थे। 1958 को वह सपुत्री जहाज से केन्या के शिक्षा क्षेत्र में सेवाएं देने के बाद जब रिटायर हुए तो वतन वापसी के बाद यहां के स्कूलों में पढ़ाते रहे, लेकिन एमए इंग्लिश न कर पाने की टीस बरकरार रही।

अब अगुरी इच्छा हुई पूरी, लिखुंगा बच्चों के लिए किताबें : उन्होंने बताया कि साल 2017 में स्कूलों में पढ़ाना बंद कर दिया। एक दिन घर बैठे अगुरी खाइश को पूरा करने का विचार आया। इसे पूरा करने के लिए पत्नी जोगिंदर कौर ने भी हौसला दिया। बेटा अमेरिका में बतौर इंजीनियर कार्यरत है। वहां से बेटे ने भी हिम्मत बढ़ाई। सबका सहयोग मिलने पर उन्होंने एलपीयू के बंगा डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर से एमए इंग्लिश के लिए आवेदन कर दिया। अब अगुरी इच्छा पूरी हो गई है। डिग्री हाथ में आ गई है और बच्चों के लिए किताबें लिखने पर फोकस करूंगा।

इतनी शिक्षा की है हासिल : सोहन सिंह गिला का जन्म 15 अगस्त, 1936 को जिला होशियारपुर के गांव दाता कोट फत्तुही में हुआ था। उन्होंने प्राइमरी स्कूल पंडोरी गंगा सिंह में पहली से तीसरी कक्षा, मिडिल स्कूल खैरख अछरवाल की छठी कक्षा तक उर्दू की पढ़ाई की। इसके बाद खालसा हाई स्कूल माहलपुर से 1953 में दसवीं की। 1957 में श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा स्कूल माहलपुर में चार वर्षों की

कैन्या हॉकी अंपायर्स एसोसिएशन में भी किया काम : सोहन सिंह गिल अपने कॉलेज अमृतसर से 1957-58 में बैचलर टीचिंग की पढ़ाई की। उस समय बीएड नहीं हुआ करती थी। उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर, 1958 को वह सपुत्री जहाज से केन्या के निकले और 18 अक्टूबर मुंबासा पहुंचे। दो दिन बाद उन्हें 1959 इंडियन प्राइमरी स्कूल में नौकरी मिली। वहां छह वर्षों तक प्राइमरी स्कूल में पढ़ाया, दो साल मिडिल स्कूल में

पढ़ाया और उसके हेड मास्टर बने। उसके बाद टीचर कॉलेज केन्या में 25 वर्षों तक सेवाएं दीं। 31 अगस्त, 1991 में वह रिटायर हुए और तीन अक्टूबर 1991 को स्वदेश लौट आए।

गांव में गुरुद्वारा का निर्माण करवाया, सभाली सेवा : भारत लौटने पर 15 वर्षों तक बिंजो पब्लिक स्कूल, पांच साल संत बाबा भाग सिंह पब्लिक स्कूल बिंजो में अंग्रेजी पढ़ाई। 2017 में उन्होंने पढ़ाना छोड़ दिया था। वहीं, गांव में ही गुरुद्वारा साहिब का निर्माण करवाया और वहां की सेवा भी सभाली।

इटैलियन नहीं अब स्वदेशी क्रैंपन बूट पहनेंगे जवान

श्रीनारायण मिश्र, कानपुर

सीमाओं को हिफाजत के लिए बर्फीले स्थानों पर तैनात जवान बर्फ पर चलने के लिए क्रैंपन बूट पहनते हैं। यह बूट अभी कट इटली व अन्य देशों से आयात करने पड़ते हैं। जल्द ही जवानों को इसी गुणवत्ता के स्वदेशी बूट पहनने को मिलेंगे। कानपुर की ऑर्डिनेंस इन्वियर्मेंट फैक्ट्री (आईएफ) ने आइआईटी कानपुर की मदद से यह बूट तैयार किए हैं। इन्हें परीक्षण के लिए डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) को भेज दिया गया है।

धातु से बने बूट के बेस की डिजाइनिंग आदि के लिए आईएफ ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआईटी) कानपुर से सहयोग लिया है। अधिकारियों ने बताया कि सेना की आवश्यकता और विदेशों से मंगाए जा रहे बूटों की गुणवत्ता से अनुकूल क्रैंपन बूट बनाया गया है। इसका सैंपल डीआरडीओ को भेजा गया है। विदेशों से मंगाए जाने वाले बूट के मुकाबले आईएफ में बना बूट 30 फीसद सस्ता होगा। अभी इटली व अन्य देशों से हर साल 30 से 40 हजार बूट आयात किए जाते हैं।

सेना के अतिरिक्त भी है मांग :ना के साथ ही बर्फीले इलाकों में तैनात सुरक्षा जवानों में

➤ आईएफ ने किया तैयार, परीक्षण के लिए डीआरडीओ भेजा



क्रैंपन बूट की खासियत

➤ बूट के बेस में लगे मेटल के नुकीले हिस्से बर्फ में पकड़ बनाते हैं।

➤ इसमें लगे धातु के एंगल बर्फ के पहाड़ पर चढ़ने में मदद करते हैं।

➤ आईएफ में बना क्रैंपन बूट विदेशों के मुकाबले 30 फीसद सस्ता होगा।

भी इस बूट की खासी डिमांड है। पर्वतारोहण में भी इसकी मांग है। सेना की सप्लाई शुरू होने के बाद आईएफ अन्य क्षेत्रों में भी इस बूट की आपूर्ति का मार्ग तलाशेगी।

गोबर नहीं मुर्गी की बीट से तैयार की बायोगैस

आशा मेहता, लुधियाना

पोल्ट्री फार्मिंग से जुड़े किसानों के लिए अच्छी खबर है। अभी तक मीट व अंडा उनकी आय के प्रमुख साधन थे। अब वह मुर्गी की बीट से (मल) भी कमाई कर सकते हैं। सुनकर थोड़ी हेरानी हो रही होगी, लेकिन यह सच है। उत्तर प्रदेश के बरेली के इच्छत नगर स्थित केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान ने मुर्गी की बीट से बायोगैस बनाने में सफलता हासिल की है, वह भी बिना गोबर के इस्तेमाल के। संस्थान के पक्षी आनुवंशिकी और प्रजनन विभाग के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. चंद्रहास ने इस पर शोध किया है। गुरु अंगद देव वेटेरनरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी (गडवास्) में आयोजित तीन दिवसीय पशु पालन मेले में पहुंचे संस्थान के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. एमपी सागर ने बताया कि शोध पूरा हो गया है। अब इसे पेटेंट के लिए भेजा जा रहा है। पेटेंट होते ही यह तकनीक पोल्ट्री फार्मर्स के सुपर्द कर दी जाएगी। बीट से बायोगैस बनाने की ट्रेनिंग भी दी जाएगी, इससे पोल्ट्री फार्मर्स अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे।

पंजाब बना पोल्ट्री फार्मिंग का हब : डॉ. एमपी सागर ने बताया कि देश में अंडे की खपत बढ़ने से पोल्ट्री फार्मिंग के प्रति रुझान तेजी से बढ़ रहा है। पंजाब भी अब पोल्ट्री फार्मिंग का हब बना हुआ है। हरियाणा में पोल्ट्री फार्मिंग शुरू हो गई है। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक व केरल में सबसे ज्यादा पोल्ट्री फार्मिंग हो रही है।

जिन राज्यों में पोल्ट्री फार्मिंग हो रही है, वहां बीट मुर्गी पालकों के लिए बड़ी परेशानी बन रही है। करीब तीस मिलियन टन हर साल पोल्ट्री बीट हो रही है। पोल्ट्री फार्मर्स को बीट के निस्पानदन (डिस्पोजल) की समस्या आ रही है, क्योंकि अभी तक बीट के साथ डायरेक्ट बायोगैस नहीं बन पाती थी। बायोगैस बनाने के लिए गोबर के साथ मिलावट करनी पड़ती थी। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान ने बीट से बायोगैस बनाने की तकनीक उजाद की है। संस्थान ने डैंक टेक्नोलॉजी के तहत कुछ केमिकल अम्लमंडमंड करके बिना गोबर के ही बायोगैस तैयार की गई है। यह केमिकल बेहद सस्ता है। पशु पााक इस केमिकल को आसानी से खरीद सकते हैं।

14 किलो बीट से बनती है एक घन मीटर बायोगैस : डॉ. एमपी सागर के अनुसार लगभग 14 किलो बीट से एक घन मीटर बायोगैस बनती है। इसका वजन करीब 450 ग्राम एलपीजी के बराबर होता है। इससे चार सदस्यीय परिवार के लिए तीन वक्त का खाना बन सकता है। मुर्गी पालक चाहें तो बीट से बायोगैस तैयार करके इसे एलपीजी की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या इसे बेचकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

बरेली के केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान ने हासिल की सफलता, पोल्ट्री फार्मर्स की आमदनी भी बढ़ेगी

वेटेरनरी यूनिवर्सिटी में पशु पालन मेले में पहुंचे संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. सागर ने दी जानकारी



लुधियाना की गुरु अंगद देव वेटेरनरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय पशु पालन मेले में पहुंचे डॉ. एमपी सागर प्रयोग के बारे में जानकारी देते हुए।

बायोगैस बनने से खुले में बीट न फेंके जाने पर स्वच्छता अभियान को भी बल मिलेगा। **बायोगैस बनाने के बाद बचे वेस्ट से आर्गेनिक खाद भी बनाएं :** डॉ. एमपी सागर के अनुसार, बीट जहां बायोगैस बनाने के लिए इस्तेमाल होगी, वहां बायोगैस बनाएं जाने के बाद बचे वेस्ट से आर्गेनिक खाद भी बनाई जा सकती है, जो कि फसलों के लिए बहुत फायदेमंद होगी। उन्होंने बताया कि अंडे देने वाली मुर्गी से एक दिन में 90 से 110 ग्राम और ब्रायलर को 14 किलो बीट से बनती है एक घन मीटर बायोगैस।

वेटेरनरी यूनिवर्सिटी में सेवाएं दे चुके हैं डॉ. चंद्रहास : संस्थान के पक्षी आनुवंशिकी और प्रजनन विभाग के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. चंद्रहास गुरु अंगद देव वेटेरनरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वह वर्ष 2002 से 2014 तक यूनिवर्सिटी के लाइव स्टॉक प्रोडक्शन मैनेजमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर रह चुके हैं।

बदलाव : अंतरराष्ट्रीय मानक पर होगा ट्रेनों का ट्रायल रन

निशांत यादव, लखनऊ

देश में बुलेट ट्रेन जैसी विश्वस्तरीय सेवा का सपना साकार करने से पहले भारतीय रेलवे की तकनीक को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। भविष्य में ट्रेनों के ट्रायल रन से लेकर अन्य सभी टेस्ट इंटरनेशनल मानक की कसौटी पर ही करेंगे जायेंगे। इसके लिए अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) में बड़े पैमाने पर बदलाव किए जा रहे हैं। संगठन के खुद बनाए मानकों के बजाए अब यूआइसी 518 मानक स्थापित होंगे। पूरी प्रक्रिया लागू करने के लिए आरडीएसओ के विशेषज्ञों को एक सप्ताह की ट्रेनिंग लखनऊ में ही दी जाएगी।

भारतीय रेलवे में किसी भी नई तकनीक को लागू करने से पहले आरडीएसओ के विभिन्न अनुभाग ही परीक्षण करते हैं। ट्रायल में क्लोरीनेस के बाद ही रेलवे बोर्ड उस नई सेवा और तकनीक का इस्तेमाल करता है। विदेशी पटरियों और रोलिंग स्टॉक वाले लखनऊ सहित देश के सभी मेट्रो का ट्रायल भी आरडीएसओ की टीम करती है। इस समय आरडीएसओ के तय किए हुए ट्रायल के मानकों के तहत ही एंटी कोलजन डिवाइस, फॉग विजन और डेडीकेटेड टैस्टिंग ट्रेक को बनाने और उनका

इसलिए बदले जा रहे मानक अब देश में बुलेट ट्रेन को चलाने की तैयारी है। पिछले दिनों देशभर के रेलवे मैकेनिकल सेवा के अधिकारियों को बुलेट ट्रेन की तकनीक से रुबरु कराने के लिए वीन भेजा गया था। वहीं, परिवालन से जुड़े अधिकारियों की टीम ने जापान में बुलेट ट्रेन की वर्कशॉप का निरीक्षण किया था। वहां से लौटने पर बाद में इन टीमों ने अपनी रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को सौंपी। उसके बाद ही भारत में रोलिंग स्टॉक और पटरियों सहित अन्य उपकरणों के ट्रायल के लिए इंटरनेशनल यूनिचन ऑफ रेलवे (युआइसी) 518 मानक अपनाने का फैसला हुआ है। आरडीएसओ के विशेषज्ञों का दावा है कि यूआइसी मानक से देश में बनी ट्रेन-18 सेट सहित कई तकनीक को विदेश में आसानी से निर्यात किया जा सकेगा। एक सप्ताह की ट्रेनिंग के बाद सभी ट्रायल में यूआइसी-518 मानक अपनाए जाने लगेंगे।

प्रस्तावित ट्रायल होता है। गतिमान एक्सप्रेस से लेकर वेंद भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनों का ट्रायल रन भी आरडीएसओ ने किया था।

मिला साथ

मुफलिसी से जूझ रहे अमन का अभिलाष ने दिया किराया, साथी के सहयोग से हरियाणा अंडर-19 क्रिकेट टीम में बनाई जगह

दोस्ती की पिच से कामयाबी के चौके-छक्के

अनिल अवस्थी, उन्नाव

हुनर के हथ-पैरों में मुफलिसी की बेड़ियां थीं। उसने अमन सोनी को पढ़ने नहीं दिया। क्रिकेट में हाथ आजमाए तो यह में आर्थिक संकट के कांटे बिछे थे। किट तक पास नहीं थी और करियर की चिंता सता रही थी। माता-पिता बेटे की परेशानी जानकर भी लाचार थे, लेकिन साथ ही प्रैक्टिस करने वाले अभिलाष से तकलीफ देखी नहीं गई। उनकी मदद की पिच से अमन ने हरियाणा की अंडर-19 तक पहुंचने की कामयाबी पाई और सुनहर भविष्य का ताना-बाना बुना।

हरियाणा की अंडर-19 क्रिकेट टीम में चयनित होकर अमन ने भले ही जिले का नाम गौरवान्वित किया है, लेकिन इस मंजिल को पाने में उन्हें दुश्वारियों से गुजरना पड़ा। भगवंतनगर निवासी पिता सुरेश और किरन सोनी दुश्वारियों के चलते बेटे को कक्षा आठ से ज्यादा नहीं पढ़ा पाए। इतना भी धन नहीं था कि वह उसे क्रिकेट की किट दे पाते। साथियों की किट से अमन अपने खेल को तराशते रहे। उन्नाव स्टेडियम में जूनियर क्रिकेट टीम के लिए ट्रायल में हिस्सा लिया, लेकिन असफल रहे। इसके बाद 2013 में कानपुर ग्रीनपाक में ट्रायल में

चयन के बाद दिलाई किट

अमन ने बताया कि कानपुर साउथ से लीग मैच खेलने का मौका मिला तो किट नहीं थी। साथियों से किट मागकर लीग मैच खेलते और प्रैक्टिस करते थे। ट्रायल पास करने और टीम में चयन होने के बाद रिश्तेदारों ने किट दिलाई है।

कानपुर साउथ अकादमी में चयन हो गया। इसके बाद वह लगातार लीग मैच खेलते रहे। जून 2019 में दिल्ली क्रिकेट लीग में ट्रायल के लिए फार्म भरा। दिल्ली क्रिकेट लीग के लिए बुलावा था तो माता-पिता के पास 15000 रुपये भी नहीं जुट सके। साथ में प्रैक्टिस करने वाले मित्र अभिलाष ने साथी की मजबूती देख फीस भरी और लीग में भेजा। वहां भी अमन अभिलाष की ही किट लेकर गए थे।

लीग ट्रायल में ही अमन का चयन हरियाणा अंडर 19 टीम में हो गया। चयन के बाद उसे वहां फिर पांच हजार रुपये की फिर जरूरत थी, लेकिन उनके हाथ खाली थे। ऐसे में अभिलाष ने एक बार फिर उनकी मदद की। अब वह दोस्ती की इस पिच से कामयाबी के चौके-छक्के लगाने के लिए किट कस चुके हैं।



हरियाणा अंडर 19 टीम मे चयनित अमन।

जागरण

अब रघुनाथ मंदिर में जय श्रीराम के जयघोष की प्रतीक्षा

जागरण विशेष ▶ घाटी में बंद पड़े 50 हजार मंदिरों को खोलने के केंद्र के एलान पर खुशी की लहर

आंतक के दौर में आतकियों ने मंदिरों को जमकर पहुंचाया था नुकसान

नवीन नवाज, श्रीनगर

घाटी में बंद पड़े 50 हजार मंदिरों को खोलने के केंद्र के एलान से कश्मीरी पंडितों सहित देशभर में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। बीती सदी के नौवें दशक में आतंकियों ने कश्मीर में मंदिरों को बहुत नुकसान पहुंचाया था। तब से अनेक मंदिर बंद पड़े हैं। जीवन के 65 वसंत पार कर चुके स्थानीय कश्मीरी पंडित चुन्नी लाल कोल ने कहा कि श्रीनगर में करफियाली मुहल्ले में रघुनाथ मंदिर में 30 साल पहले दिन में नहीं, बल्कि रात को पहल-पहल होती थी। यह मंदिर जम्मू के रघुनाथ मंदिर से ज्यादा भव्य था। खैर, आज फिर उम्मीद बंधी है कि यहां जल्द जय श्रीराम का जयघोष होगा।

कश्मीर से पलायन न करने वालों में शामिल चुन्नी लाल हिंदू वेलफेयर सोसायटी के सचिव हैं। उन्होंने कहा, आज जब मैं टीवी पर खबर सुनी कि कश्मीर में टूटे मंदिरों का सर्वे होगा तो मैं खुद को रोक नहीं पाया और यहां चला आया। मैं फेंक दिया। सैकड़ों धार्मिक पंडुलिपियां थीं, जो जला दीं। आज तो मंदिर में आने का रास्ता



प्राचीन शिव मंदिर। ऐसे हजारों नए-पुराने मंदिर कश्मीर में बंद पड़े है।



जम्मू-कश्मीर के अंतर्नाग स्थित प्राचीन मार्तण्ड मंदिर।

तक आसानी से नजर नहीं आता।

मंदिरों की मुक्ति की आस : कश्मीर में जब आतंकवाद चरम पर था, तब अनेक नए-पुराने मंदिरों को तहस-नहस कर दिया गया। कश्मीरी पंडितों को निशाने बनाने के साथ बड़ी संख्या में मंदिरों और मठों को नुकसान पहुंचाया गया। उन पर कब्जे भी कर लिए गए। गृह राज्य मंत्री का बयान सामने आते ही यहां हिंदू समुदाय में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। वर्ष 1989 में आतंकियों की धमकियों के बावजूद कश्मीर से पलायन न करने वाले कुछ पंडितों ने कहा कि अब फिर उम्मीद बंधी है कि यहां मंदिरों के बंद किवाड़ खुलेंगे, मंदिर भी उसी तरह आजाद होंगे जिस तरह से हम लोग

जयपुर के शरद ने ऑयल पेंट से लिखी रामचरितमानस

150 किलो है वजन, साढ़े छह साल का समय लगा लिखने में, एक पेज को लिखने में लगता था तीन से चार घंटे का वक्त

मनीष गोवा, जयपुर

श्री रामचरितमानस अब तक कई रूपों में हमारे सामने आ चुकी है, लेकिन जयपुर के सांगानेर में रहने वाले शरद माथुर इसे बहुत वृहद स्वरूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने ऑयल पेंट और ब्रश की सहायता से पूरी रामचरितमानस लिखी है। इसे लिखने में उन्हें करीब साढ़े छह साल का समय लग गया। ए3 आकार के करीब तीन हजार पन्नों में लिखी इस रामचरितमानस का वजन 150 किलो है। एक से सवा इंच आकार के अक्षरों में इसे लिखा गया है और खाना बात यह है कि इसकी जिल्दसाजी मुबारक अली नाम के एक मुस्लिम ने की है। अब शरद चाहते हैं कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण हो जाए और इसे मंदिर को भेंट कर दें।

48 वर्षीय शरद माथुर आर्थिक रूप संपन्न नहीं हैं। सुंदरकांड का पाठ करते हैं और बच्चों को संगीत सिखाते हैं। सुंदरकांड की आरती और व्रतों से मिलने वाली फीस से गुजारा होता है और कुछ भकान का किराया आ जाता है। रामचरितमानस तैयार करने में उन्होंने



ऑयल पेंट से लिखी रामचरितमानस दिखाते जयपुर के शरद माथुर।

नईदुनिया

करीब पांच लाख रुपये खर्च किए, लेकिन भगवान राम के इस काम को पूरा करने के लिए उन्होंने किसी से कोई आर्थिक सहायता

नहीं लिया। शरद बताते हैं कि दिक्कतों तो आईं, लेकिन भगवान की कृपा कुछ ऐसी रही कि काम कभी रुका नहीं। व्यवस्था बैठती रही और

डिटरजेंट के झाग से झुलस रहीं नदियां

संतोष शुक्ल, मेरठ

टाक्सिक लिंक व आइआइटी की रिपोर्ट, डिटरजेंट में पहली बार जांचा गया जहर

मेरठ की हिंडन व राजस्थान की बंदी में नानिलफेनॉल की सर्वाधिक मात्रा मिली



दिल्ली की संस्था टाक्सिक लिंक ने आइआइटी गुवाहाटी के साथ मिलकर किया है अध्ययन। प्रतीकात्मक

सहत के लिए जहर : नानिलफेनॉल इंडोक्राइन ट्रेक को डिस्टर्ब करता है। ब्रिटेन में इस रसायन पर 1976 में प्रतिबंध लगा, किंतु रिपोर्ट बताती है कि भारत में इसकी सालाना खपत 40 से 60 हजार टन तक है। जलीय जीवों के टिश्यू में इस रसायन की मात्रा 64 से 160 एमजी प्रति लीटर मिली। गैस्ट्रोइंटेस्टाइन ट्रेक में तेजी से अवशोषित होता है। शरीर की वसा में भी इसकी मात्रा मिली है।

सीजीएसटी शिकायत पेटिका लाई दो करोड़ की अतिरिक्त कमाई

राजीव सक्सेना, कानपुर

सतसेया के दोहरे, ज्यों नाविक के तीर, देखन में छोटन लगे, घाव करे गंभीर। रीति काल के कवि बिहारी लाल का यह दोहा उत्तर प्रदेश के कानपुर सीजीएसटी के मौजूदा अर्थशास्त्र पर सटीक बैठ रहा है। याद कनिए, फिल्म ‘नायक’ में अनिल कपूर मुख्यमंत्री बनने के बाद शहर में लेंटर बॉक्स लगवाकर आमजन की शिकायत प्राप्त करते थे। फिल्म में इन बॉक्स ने पूरा सिस्टम बदल दिया था। कुछ ऐसा ही केंद्रीय आय एवं सेवाकर (सीजीएसटी) विभाग का छोटा सा लेंटर बॉक्स कर रहा है। इससे आई गोपनीय सूचनाओं ने विभाग को डेढ़ माह में दो करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व दिलाया।

दो माह पहले यहाँ तैनात किए गए आयुक्त पीके कटियार ने उद्यमियों का विश्वास हासिल करने के लिए पहल की और कर अपवंचना की शिकायत के लिए पेटिका लगावाई। गोपनीय रखने के भरोसे पर सूचनाएं मिलनी शुरू हुईं। शिकायतें इतनी सटीक निकलीं कि जांच करने पर सीजीएसटी को करोड़ों रुपये का राजस्व मिलने की राह खुल गई। इन शिकायतों पर जांच के बाद औद्योगिक तेल कंपनी से 47.4 लाख, साबुन निर्माता से 34 लाख, साबुन विक्रेता से

‘नायक’ फिल्म की तर्ज पर सीजीएसटी विभाग ने लगाई पत्र पेटिका

डेढ़ माह में गोपनीय सूचनाओं से मिला दो करोड़ अतिरिक्त राजस्व



विभाग को लगातार सूचनाएं मिल रही हैं। लोग सामान्य शिकायत के बजाए तथ्यात्मक शिकायत करने लगे और आसान होगी और कर अपवंचना करने वालों शिकंजा कसा जा सकेगा।

– पीके कटियार, आयुक्त, सीजीएसटी आयुक्तालय

65.1 लाख रुपये टैक्स वसूला गया। अन्य कंपनियों से 70 लाख रुपये से अधिक राजस्व वसूला गया है। वहीं, आधा दर्जन कंपनियों की जांच में बड़ा टैक्स मिलने की संभावना है।

अमेरिका में नौकरी कर रहे आइआइटीयन सौरभ गीता के ज्ञान से बन गए साधक

विपिन पाराशर, वृंदावन

कोलकाता के सौरभ माणिकचंद्र देव बन गए सौरभ त्रिविक्रम दास

वृंदावन के इस्कॉन मंदिर से जुड़कर कर रहे गीता का प्रचार-प्रसार



सौरभ त्रिविक्रम दास।

जागरण

पिता का देहांत हो गया। वह अमेरिका से भारत आ गए। माता-पिता का साथ सिर से उठने के बाद वह वाराणसी में आध्यात्मिक यात्रा पर चले गए। यहां एक मंदिर के बाहर कुछ बच्चे पशुओं के साथ खेल रहे थे। ये देख उन्हें आभास हुआ कि उनके माता-पिता भी दूसरी यौनि में किसी भी

रूप में मिल सकते हैं। उनका यहां से आध्यात्म की तरफ झुकाव बढ़ा। कुछ दिन वह वृंदावन के इस्कॉन मंदिर आ गए। यहां उन्होंने गीता का अध्ययन शुरू कर दिया। गीता के उपदेशों में पाया कि भौतिकवादी सुख तो माया जाल है। दुनियादायक छोड़ कुण्ण की भाँक का फैसला लिया। बृहमचर्य व्रत का संकल्प लेकर सौरभ हमेशा के लिए सौरभ त्रिविक्रम दास बन इस्कॉन से जुड़ गए।

इस्कॉन व गीता का प्रचार-प्रसार ही लक्ष्य : सौरभ त्रिविक्रम दास कहते हैं इस्कॉन के जरिये धर्म का प्रचार-प्रसार करने से साथ सीबीएसटी पाठ्यक्रम में गीता की शिक्षा जोड़ना उनका लक्ष्य है। कहा गया कि अनेक गीता वेद, ग्रंथ के रूप में पूजते तो हैं, लेकिन इसका अध्ययन नहीं करते। लिहाजा, जीवनशैली में बदलाव नहीं हो पाता। उन्होंने पिछले दिनों भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावडेकर से भी मुलाकात की। अब तक गीता की पांच हजार प्रतियां वह लोगों को अध्ययन के लिए बांट चुके हैं।

पाकिस्तान में हिंदू लड़की की हत्या की न्यायिक जांच से जज का इन्कार

कराची, प्रे्ट्र : पाकिस्तान की एक स्थानीय अदालत के जज ने संदिग्ध हालात में मृत पाई गई हिंदू छात्रा नमृता चांदनी मामले की न्यायिक जांच से इन्कार कर दिया है। इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शनों के बाद गृह विभाग ने इसकी न्यायिक जांच का आदेश दिया था।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी जिले की रहने वाली नमृता लरकाना के बीबी आसिफा डेंटल कॉलेज में स्नातक की छात्रा थीं। उनका शव गत 16 सितंबर को हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला था। डॉन अखबार के अनुसार, लरकाना की जिला और सत्र अदालत के जज गृह विभाग के आदेश के बावजूद नमृता मामले की न्यायिक जांच कराने के खिलाफ दिखे। पुलिस ने इस बारे में गृह सचिव अब्दुल कबीर काजी को सूचित कर दिया है। गृह सचिव इस समय विदेश दौरे पर हैं।

पुलिस इस मामले में अब तक 32 लोगों को हिरासत में ले चुकी है। पकड़े गए लोगों में नमृता के दो सहपाठी मेहरान अन्नो और



पाकिस्तान के सिंध प्रांत में डेंटल कॉलेज की छात्रा नमृता चांदनी की मौत मामले की जांच की मांग को लेकर नई दिल्ली में सोमवार को लोगों ने प्रदर्शन किया। एएनआइ

अली शान मेमन भी हैं। पुलिस इन दोनों का मोबाइल कॉल डटा खंगाल रही है। पुलिस की पूछताछ में मेहरान ने दावा किया था कि नमृता उससे प्यार करती थी, लेकिन उसने शादी से इन्कार कर दिया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर उठी अंगुली

पिछले हफ्ते आई नमृता की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर कराची स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ अंगुली उठा चुके हैं। वह यह कह चुके हैं कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भले ही आत्महत्या जाहिर होती है, लेकिन गले पर पड़े निशान गला घोटने की ओर इशाा करते हैं।

चिनफिंग के इस्तीफे की मांग करने वाले मेयू की जेल में मौत

बीजिंग, आइएनएस : चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के इस्तीफे की मांग करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता वांग मेयू की कथित तौर पर जेल में मौत हो गई। वांग को विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया गया था। उनके भाई वांग मैलिन ने यह जानकारी दी है।

मैलिन के कह, रविवार को प्रशासन ने मुझे मेयू को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की जानकारी दी थी। सोमवार को उनकी मौत की खबर मिली। परिजनों का कहना है कि उन्हें ना तो मेयू की मौत के कारण का पता है और ना ही इस बात की जानकारी है कि उनकी मौत वाकई कब हुई थी। गत आठ जुलाई को गिरफ्तार किए जाने के बाद से ही मेयू अपने गृहनगर हेंगयांग की जेल में कैद थे। उन्होंने पिछले साल जुलाई में हेंगयांग और चांगशा शहर में अकेले ही प्रदर्शन किया था। वह एक बैनर लेकर घूम रहे थे जिसमें लिखा था 'राष्ट्रपति चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली कछ्यांग तुरंत इस्तीफा दें और आम चुनाव होने दें'। गिरफ्तारी से पहले सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें कई बार धमकी भी दी थी।

बता दें कि चीन में लोकतांत्रित तरीके से सरकार बनाने की मांग अक्सर उठती रहती है। लेकिन चीनी सरकार प्रदर्शकारियों को गिरफ्तार कर उनकी आवाज दबा देती है।

बोइंग 737 मैक्स विमान की डिजाइन में खामी हादसे की वजह : इंडोनेशिया

जकार्ता, आइएनएस : इंडोनेशिया में पिछले साल अक्टूबर में हुए लायन एयर विमान हादसे की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। जांचकर्ताओं को हादसे का शिकार हुए बोइंग 737 मैक्स विमान की डिजाइन में खामी मिली है। उन्होंने इस गड़बड़ी को ही हादसे का कारण बताया है। यह विमान गत 29 अक्टूबर को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में सवार सभी 189 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद इस साल मार्च में भी बोइंग का एक मैक्स विमान इथोपिया में हादसे का शिकार हो गया था। इसमें 157 लोगों ने जान गंवाई थी। इन दो दुर्घटनाओं के बाद दुनियाभर में बोइंग के 737 मैक्स विमानों की उड़ानें बंद कर दी गई थीं।

वाल स्ट्रीट अखबार ने मसौदा जांच रिपोर्ट के हवाले से अपनी खबर में बताया कि जांचकर्ताओं ने हादसे की अन्य वजहों में पायलट की गलतियों और विमान के रखरखाव में गड़बड़ियों की भी पहचान की है। अंतिम जांच रिपोर्ट नवंबर में जारी किए जाने की उम्मीद है।

इथोपिया की जांच में भी मिली थीं खामियां : अफ्रीकी देश इथोपिया ने अपनी प्रारंभिक जांच में बोइंग 737 मैक्स विमान में कई खामियां पाईं थीं। उसकी जांच



पिछले वर्ष 29 अक्टूबर को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था बोइंग 737 मैक्स विमान।

फाइल

में यह उजागर हुआ था कि पायलट ने बोइंग की जरूरी प्रक्रियाओं का पालन किया था, लेकिन वे विमान को नियंत्रित नहीं कर सके थे।

अगले साल से मैक्स विमानों के उड़ान भरने की उम्मीद : गत जुलाई में दुनिया की दिग्गज विमानन कंपनी बोइंग ने यह

माना था कि उसके 737 मैक्स विमानों की उड़ानें 2020 से पहले नहीं हो सकेगी क्योंकि विमान के फ्लाइट कंट्रोल साफ्टवेयर और अन्य काम में समय लग रहा है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले साल जनवरी से 737 मैक्स विमानों की उड़ान बहाल हो सकती है।

गिलगित–बाल्टिस्तान की जमीन चीन को देने का कड़ा विरोध

घाचे, एएनआइ : गिलगित–बाल्टिस्तान इलाके की जमीन खनन के लिए चीन को दिए जाने का गुलाम कश्मीर के घाचे इलाके के लोगों ने विरोध किया है। पाकिस्तान सरकार के इस फैसले के विरोध में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोगों ने रविवार को सड़क जाम कर स्टेट सबजेक्ट रूल के उल्लंघन पर नाराजगी जाहिर की। इस दौरान गिलगित–बाल्टिस्तान विधानसभा में क्षेत्र के सदस्य मिर्जा हुसैन ने कहा कि चीन की कंपनियों को गुपचुप तरीके से खनन के 300 पट्टे दे दिए गए, उन्हें भी इसकी जानकारी नहीं मिली। खनिज मामलों के गिलगित–बाल्टिस्तान के मंत्री को भी इन पट्टों के बारे में जानकारी नहीं दी गई। इसके बाद नाराज लोगों ने सियाचिन जाने वाले मार्ग को रोककर कहा कि वह इलाके में किसी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह उनका इलाका है और यहां पर वे अपने हित वाले कार्य होने की अनुमति देंगे। आंदोलन में शामिल रहे सेंग एच सेंगिंग ने ट्वीट किया- पाकिस्तान द्वारा गिलगित–बाल्टिस्तान में स्टेट सबजेक्ट रूल का उल्लंघन किए जाने पर दुनिया शांत है। उन्होंने इस मामले में अन्य देशों से साथ मांगा है। उल्लेखनीय है कि चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक करिडोर के लिए भी पाक ने चीन को गिलगित–बाल्टिस्तान की जमीन दी है।

ट्रंप टावर के दो अपार्टमेंट से ढाई करोड़ के गहने चोरी

न्यूयॉर्क टाइम्स से

न्यूयॉर्क : अमेरिका के मैनहट्टन स्थित ट्रंप टावर के दो अपार्टमेंट से करीब ढाई करोड़ रुपये के गहने चोरी हो गए। यह घटना संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सत्र में हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यहां आने से ठीक पहले हुई। यूएनजीए के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप टावर स्थित अपने ट्रिप्लेक्स पेंटहाउस में रुकेंगे, जिसकी वजह से यहां सुरक्षा व्यवस्था बहुत कड़ी कर दी गई है।

ट्रंप जब भी न्यूयॉर्क में होते हैं तो ट्रंप आर्गनाइजेशन के 58 मंजिलों वाले इसी मुख्यालय में रुकते हैं। पुलिस के अनुसार, चोरी हुए सामान में हीरा, नीलम और पन्ना के गहने शामिल थे। इनकी कीमत तीन लाख 53 हजार डॉलर (करीब ढाई करोड़ रुपये) बताई जा रही है। टावर की 42वीं मंजिल पर रहने वाली 67 वर्षीय महिला ने बताया कि वह 21 जून से 9 सितंबर के बीच बाहर गई थी। इसी बीच उनके अपार्टमेंट से पांच गहने चोरी हुए। एक अन्य महिला इसाबेल बशर ने बताया कि वह

यूएनजीए में भाग लेने के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यहीं रुकेंगे



जिस टावर में चोरी हुई राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर उसी टावर में रुकते हैं। फाइल

छुड़ियां मराने 3 सितंबर को बाहर गई थीं। 11 सितंबर को जब वह लौटीं तो उनके अपार्टमेंट से 1,17,000 डॉलर (करीब 80 लाख रुपये) का ब्रेसलेट गायब था। दोनों ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस प्रवक्ता का कहना है कि अब तक किसी संदिग्ध की पहचान नहीं की जा सकी है। इमारत में आने-जाने वाला हर व्यक्ति जांच-पड़ताल के दायरे में है।

लाहौर, प्रे्ट्र : पाकिस्तान के करतारपुर गुरुद्वारा दरबार साहिब में गुरुनानक देव के 480वें जेत दिवस (पुण्य तिथि) के तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के समापन में भाग लेने के लिए दुनिया भर से सिख श्रद्धालु जुटे। गुरुनानक देव सिखों के पहले गुरु थे और उन्होंने ही इस पंथ की स्थापना की थी।

तीर्थयात्रियों को करतारपुर कौरिडोर का दौंग भी करया गया। यह कौरिडोर पाकिस्तान के करतारपुर और भारत के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक को जोड़ता है। करतारपुर कौरिडोर नवंबर में गुरु नानक देव के 550वें प्रकाशोत्सव के मौके पर खोला जाएगा। सात नवंबर से शुरू होने वाला प्रकाशोत्सव 15 नवंबर तक चलेगा। कनाडा के 145 और विभिन्न यूरोपीय देशों के साथ ही पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों से सिख श्रद्धालु रविवार को गुरुद्वारा में एकत्र हुए।

परियोजना के निदेशक आतिफ माजिद ने पिछले सप्ताह कहा था कि कौरिडोर का 86 फीसद काम पूरा हो चुका है और वह नौ नवंबर को खोला जाएगा। तीर्थयात्रियों को कौरिडोर के लिए यातायात सुविधाओं की जानकारी दी गई।



मुल्ला गनी बरादर।

फाइल

ट्रंप ने रद कर दी है वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत आठ सितंबर को तालिबान के साथ चल रही शांति वार्ता रद कर दी थी। उन्होंने यह कदम अफगानिस्तान में तालिबान के हमले में एक अमेरिकी सैनिक की मौत के बाद उठाया था। उन्होंने यह कदम ऐसे समय पर उठाया जब दोनों पक्ष समझौते की दहलीज पर थे। अमेरिका और तालिबान के बीच गत दिसंबर से कतर की राजधानी दोहा में शांति वार्ता चल रही थी।

हत्या की गई थी। अब तक 300 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सोमवार को वामेना का एयरपोर्ट भी बंद रह और 20 उड़ानें रद कर दी गईं। हिंसा को काबू में करने के लिए हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

संजुदी अरब के तेल संयंत्रों पर बीते हफ्ते में डोन हमला हुआ है जिसकी जिम्मेदारी ईरान समर्थित हजुती विद्रोहियों ने ली है। यमन में सत्ता पर कब्जे के लिए हजुती विद्रोही संघर्ष छेड़े हुए हैं, सऊदी अरब के नेतृत्व में कई सुन्नी मुस्लिम देश वहां पर इन विद्रोहियों से युद्ध कर रहे हैं। अमेरिका ने भी इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। लेकिन ईरान ने तेल संयंत्रों पर हमले की बात से साफ इन्कार किया है।

गुरु नानक देव के 480वें जोत दिवस पर करतारपुर में जुटे सिख श्रद्धालु

लाहौर, प्रे्ट्र : पाकिस्तान के करतारपुर गुरुद्वारा दरबार साहिब में गुरुनानक देव के 480वें जेत दिवस (पुण्य तिथि) के तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के समापन में भाग लेने के लिए दुनिया भर से सिख श्रद्धालु जुटे। गुरुनानक देव सिखों के पहले गुरु थे और उन्होंने ही इस पंथ की स्थापना की थी।

तीर्थयात्रियों को करतारपुर कौरिडोर का दौंग भी करया गया। यह कौरिडोर पाकिस्तान के करतारपुर और भारत के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक को जोड़ता है। करतारपुर कौरिडोर नवंबर में गुरु नानक देव के 550वें प्रकाशोत्सव के मौके पर खोला जाएगा। सात नवंबर से शुरू होने वाला प्रकाशोत्सव 15 नवंबर तक चलेगा। कनाडा के 145 और विभिन्न यूरोपीय देशों के साथ ही पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों से सिख श्रद्धालु रविवार को गुरुद्वारा में एकत्र हुए।

परियोजना के निदेशक आतिफ माजिद ने पिछले सप्ताह कहा था कि कौरिडोर का 86 फीसद काम पूरा हो चुका है और वह नौ नवंबर को खोला जाएगा। तीर्थयात्रियों को कौरिडोर के लिए यातायात सुविधाओं की जानकारी दी गई।



करतारपुर में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब। गुरुनानक देव महाराज ने अपने जीवन के अंतिम 18 बरस यहीं बिताए थे।

एएनआइ

पीएसजीपीसी के प्रमुख सदस्य सतवंत सिंह ने कहा, ‘हम इस घड़ी का 72 वर्षों से इंतजार कर रहे थे और अब वह आ गई है।’ उन्होंने कहा कि कौरिडोर शांति लाएगा और तीर्थयात्रा की सुविधा देने के लिए सिख पाकिस्तान सरकार के आभारी रहेंगे।

पिछले वर्ष नवंबर में भारत और पाकिस्तान करतारपुर कौरिडोर बनाने पर सहमत हुए थे। इस

कौरिडोर पर भारतीय सिख यात्रियों को वीजा मुक्त आवाजाही की सुविधा मिलेगी। यात्रियों को करतारपुर साहिब की यात्रा करने की परमिट लेनी होगी। गुरुनानक देव ने 1522 में इस गुरुद्वारा की स्थापना की थी। करतारपुर साहिब पाकिस्तान के नारोवाल जिले में रवी नदी के पार स्थित है। यह डेरा बाबा नानक से करीब चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

पीएसजीपीसी के प्रमुख सदस्य सतवंत सिंह ने कहा, ‘हम इस घड़ी का 72 वर्षों से इंतजार कर रहे थे और अब वह आ गई है।’ उन्होंने कहा कि कौरिडोर शांति लाएगा और तीर्थयात्रा की सुविधा देने के लिए सिख पाकिस्तान सरकार के आभारी रहेंगे।

पिछले वर्ष नवंबर में भारत और पाकिस्तान करतारपुर कौरिडोर बनाने पर सहमत हुए थे। इस

अफगान बलों के हमले में गई 40 नागरिकों की जान

काबुल, एएफपी/रायटर : अफगानिस्तान में एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार सेना की आतंक रोधी कार्रवाई में आम नागरिक निशाना बन गए। सैन्य बलों ने रविवार रात हेलमंड प्रांत में आतंकियों की एक इमारत पर हमला किया था। लेकिन पास में चल रहा एक शादी समारोह इस हमले की चपेट में आ गया। इस समारोह में शिरकत करने आए बच्चों और महिलाओं समेत 40 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। पिछले सप्ताह भी नान्गरहार प्रांत में अफगान और अमेरिकी बलों के हवाई हमले में 30 नागरिकों की मौत हो गई थी और 40 घायल हुए थे।

अफगान आतंककारियों के अनुसार, जिस पर उठाया जब दोनों पक्ष समझौते की दहलीज पर थे। अमेरिका और तालिबान के बीच गत दिसंबर से कतर की राजधानी दोहा में शांति वार्ता चल रही थी।

ब्रिटिश सिख आर्मी रिजर्व को प्वाइंट्स ऑफ लाइट अवार्ड

लंदन, प्रे्ट्र : ब्रिटेन में ब्रिटिश सिख आर्मी रिजर्व को प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने प्वाइंट्स ऑफ लाइट अवार्ड के लिए नामित किया है। यह सम्मान सिखों की ब्रिटिश सेना की असामान्य और उत्कृष्ट सेवा के लिए दिया गया है।

वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस से जुड़े जय सिंह सोहल को यह पुरस्कार प्रथम विश्व युद्ध में 1,20,000 सिख सैनिकों के योगदान का प्रचार करने के चलते दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जॉनसन ने कहा है कि उन्होंने (सोहल ने) ने यह कार्य किसी पुरस्कार मिलने की अपेक्षा में नहीं किया, बावजूद इसके इस प्रयास को सम्मान देना जरूरी समझ रहा हूं।

1,20,000 सैनिकों की याद में स्मारक बनाया गया, ब्रिटेन के लिए की गई उनकी लड़ाई और बलिदान का प्रतीक है। यह उनके बलिदान का ही नतीजा है कि हम आज पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी नागरिक भी हैं।’

प्रथम विश्व युद्ध में सिख सैनिकों के योगदान को याद करने के लिए नवाजा

ब्रिटिश सुरक्षा बलों में सिखों के योगदान की याद में सरगढ़ी दिवस मनाते हैं

साल सितंबर महीने में सोहल ब्रिटिश सेना के साथ मिलकर ब्रिटिश सुरक्षा बलों में सिखों के योगदान की याद में सरगढ़ी दिवस मनाते हैं। यह दिवस ब्रिटिश इंडिया का प्रचार करने के चलते दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जॉनसन ने कहा है कि उन्होंने (सोहल ने) ने यह कार्य किसी पुरस्कार मिलने की अपेक्षा में नहीं किया, बावजूद इसके इस प्रयास को सम्मान देना जरूरी समझ रहा हूं।

1,20,000 सैनिकों की याद में स्मारक बनाया गया, ब्रिटेन के लिए की गई उनकी लड़ाई और बलिदान का प्रतीक है। यह उनके बलिदान का ही नतीजा है कि हम आज पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी नागरिक भी हैं।’

अफगानिस्तान सीमा पर स्थित एक छोटे से किले में लड़ते हुए खुद का बलिदान दिया था। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस से जुड़े जय सिंह सोहल का कहना है कि उन्हें उस बहादुर कौम का हिस्सा होने पर गर्व है। इसीलिए वह उन बहादुरों की याद में सरगढ़ी दिवस मनाते हैं।

दिग्गज क्रिकेटर माधव आटे का 86 साल की उम्र में निधन

मुंबई, प्रेड: दिग्गज क्रिकेटर माधव आटे का यहां सोमवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके परिवार के एक सदस्य ने यह जानकारी दी। आटे 86 वर्ष के थे। बीसीसीआइ, मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए), महाराष्ट्र क्रिकेट संघ सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने आटे के निधन पर शोक जताया।

आटे के देहे वमन आटे ने बताया कि भारत और मुंबई के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज को बीच कई अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने सुबह 6.09 बजे अंतिम सांस ली। आटे ने सात टेस्ट खेले थे जिसमें उन्होंने 542 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक लगाए और उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 163 रन था। हालांकि, उनका प्रथम श्रेणी करियर

 एक टेस्ट सीरीज में 400 रन बनाने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज थे माधव आटे

रिकॉर्ड ज्यादा बेहतर रहा, जहां उन्होंने 67 मैचों में 3336 रन बनाए, जिसमें छह शतक और 16 अर्धशतक शामिल रहे। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 165 रन रहा।

आटे ने टेस्ट पदार्पण नवंबर 1952 में मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में पकिस्तान के खिलाफ किया था। पदार्पण टेस्ट की दोनों पारियों में उन्होंने 30 और नाबाद 10 रन बनाए थे, जबकि उनका अंतिम टेस्ट अप्रैल 1953 में किंग्सटन में वेस्टइंडीज के

खिलाफ था। आटे एक सीरीज में 400 से ज्यादा रन बनाने वाले भारत के पहले सलामी बल्लेबाज थे। उन्होंने 1953 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 460 रन बनाए थे। वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के कप्तान भी रहे। आटे को दिग्गज वीनू मोंडक ने सलामी बल्लेबाज की भूमिका सौंपी थी। वह मोंडक सहित कई दिग्गजों के साथ खेले, जिनमें पॉली उमरीगर, विजय हजारे और रूसी मोदी शामिल थे। वह सीसीआई के अध्यक्ष भी रहे और 70 साल की उम्र तक कांगा लीग में खेले। आटे का अंतिम संस्कार सोमवार दोपहर को शिवाजी पार्क के शमशन में किया गया, जिसमें सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और पूर्व दिग्गज मिलिंद रहे शामिल रहे।

में केबीसी का एक सवाल होना चाहिए। बता दें कि टीम इंडिया में नंबर चार को लेकर मामला भी चल रही है, क्योंकि भी बल्लेबाज इस नंबर पर फिट साबित नहीं हो रहे दिख रहा।

फिक्सिंग की वजह लालच: हाल ही में तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) और कर्नाटक प्रीमियर लीग (केपीएल) में मैच फिक्सिंग की कई खबरों सामने आई थीं। गावस्कर ने कहा कि लालच

सेमीनार या प्रश्टाचार रोधी अधिकारी नहीं सुधार सकते। सर्वश्रेष्ठ समाज, सबसे ज्यादा विकसित समाज में भी अपराधी होते हैं। क्रिकेट में भी आपके पास अलग तरह के लोग होते हैं जो लालच में आ जाते हैं। इसके अलग कारण हो सकते हैं कि जिनकी वजह से लोग इसके लिए बाध्य हो जाते हैं। में समझता हूँ कि आप इसे नियंत्रित नहीं कर सकते। गावस्कर ने कहा कि अब तकनीकी के माध्यम से

कि ऐसे लोग बच नहीं पाएँ। उन्होंने कहा कि उन स्थितियों को समझ सकता हूँ जहाँ खिलाड़ी सोचता है कि वह इससे बच निकलेगा, लेकिन आप बच नहीं सकते क्योंकि इसे टीवी पर दिखाया जा रहा है, हर एक छोटी चीज दिखलाई जा रही है। आप कुछ चलत करते हैं तो पकड़े जाएंगे। प्रश्टाचार के मामले में पूर्व कप्तान को लगता है कि इस दुर्भाग्य को लोगों का समर्थन हासिल है और यह

